जबलपुर
सोमवार, 25 मार्च 2024
■ फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा
■ वर्ष : 18 अंक : 322
■ पृष्ठ : 14, मूल्य : 3.00 रुपये
मौसम
अधि. 37
न्यून. 20

हरिभूमि

होली की शुभकामनाएं
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

आज 'बिरज' में होरी रे रसिया...

एजेंसी ▶▶ मथुरा

मथुरा, वृंदावन और बरसाना की होली दुनिया भर में प्रसिद्ध है, जहां भगवान कृष्ण और राधा सखियों और गोपियों के साथ रंग खेलते थे। यहां होली के आयोजनों की शुरुआत 17 मार्च से हो चुकी है। तय कार्यक्रम के अनुसार 24 मार्च रविवार को चतुर्वेदी समाज का डोला, होलिका दहन का आयोजन हुआ। मथुरा में गांव फालैन में होली खेली गई।

रंगोत्सव के आयोजन

25 मार्च : धुलेंडी

26 मार्च : बल्देव, गांव जाब में दाऊजी में दाऊजी का हुरंगा, जाब का हुरंगा, चरकुला हुरंगा का आयोजन

27 मार्च : गिडोह का हुरंगा में में गांव बठैन कार्यक्रम

31 मार्च : छड़ीमार का विशेष आयोजन महावन में

1 अप्रैल : श्री रंगजी मंदिर में वृदावन में होली का भव्य आयोजन

शिप्रा नदी किनारे भक्तों ने राधा-कृष्ण और शिव पार्वती का स्वरूप में होली खेली।

महाकालेश्वर मंदिर में परंपरागत तरीके से होलिका दहन किया गया

बाबा महाकाल मंदिर से देशभर में हुई 'होली पर्व' की शुरुआत

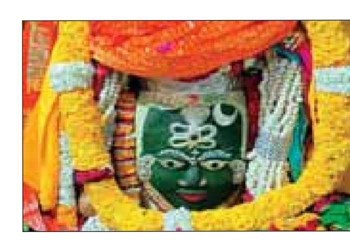

◆ पुजारियों ने भगवान महाकालेश्वर के साथ खेली होली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

धार्मिक नगरी उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध भगवान महाकालेश्वर मंदिर में परंपरागत तरीके से होलिका दहन किया गया। इसके बाद पुजारियों ने भगवान महाकालेश्वर के साथ होली खेली।

मान्यता है कि देश में सबसे पहले होली का पर्व धार्मिक नगरी उज्जैन में मनाया जाता है, जहां महाकालेश्वर मंदिर से पूरे देश में होली की शुरुआत होती है। भस्म आरती में श्रद्धालुओं ने भगवान के साथ फूलों की होली खेली। 25 मार्च को धुलंडी का पर्व मनाया जाएगा। श्री महाकालेश्वर भगवान की सायं आरती में सर्वप्रथम बाबा श्री महाकालेश्वर को गुलाल अर्पित किया गया। सायं आरती के पश्चात श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण में होलिका के विधिवत पूजन-अर्चन के पश्चात होलिका दहन किया गया। 25 मार्च को प्रातः 4 बजे भस्मार्ती में सर्वप्रथम बाबा श्री महाकालेश्वर को मंदिर से पुजारी- पुरोहितों द्वारा रंग व गुलाल लगाया जाएगा।

26 से महाकाल की आरतियों के समय में परिवर्तन

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक ने बताया कि 26 मार्च 2024 से परंपरानुसार ज्योतिर्लिंग श्री महाकाले श्वर भगवान की आरतियों के समय में चैत्र कृ ष्ण प्रतिपदा से अश्विन पूर्णिमा तक परिवर्तन होगा। प्रथम भस्मार्ती - प्रातः 04:00 से 06:00 बजे तक, द्वितीय आरती प्रातः 07:00 से 07:45 बजे तक, तृतीय भोग आरती प्रातः 10:00 से 10:45 बजे तक, चतुर्थ संध्या पूजन सायं 05:00 से 05:45 बजे तक, पंचम संध्या आरती सायं 07:00 से 07:45 बजे व शयन आरती रात्रि 10:30 ये 11:00 बजे तक होगी।

प्रदेशभर में आज उड़ेगा रंग गुलाल, निकलेगी फाग

जबलपुर। पांच दिवसीय रंगोत्सव रविवार से शुरु हो गया है। रविवार की रात 11 बजकर 14 मिनट पर होलिका दहन किया गया इसके बाद, हुरियारों ने रंग गुलाल खेलना शुरु कर दिया। होलिका दहन के बाद धुलेड़ी यानी रंगोत्सव का पर्व पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा है।

सीएम डॉ. यादव ने होली दहन और धुलंडी पर्व की बधाई दी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को होलिका दहन और धुलंडी पर्व की बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर अपने शुभकामना संदेश में कहा श्रद्धा, आस्था एवं विश्वास के पावन पर्व होलिका की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि नकारात्मकता अग्नि में समाहित हो और आप सभी का जीवन सुख, समृद्धि और संपन्नता के प्रकाश से आलोकित हो।

रक्षा मंत्री ने लेह में सेना के जवानों संग मनाई होली, बॉर्डर पर खूब उड़े गुलाल

राजनाथ: सबसे सुखद क्षण, पीएम मोदी ने कहा : सबके जीवन में नई ऊर्जा आए

रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं अपने परिवार वालों के साथ रंग खेलने आया

जवानों को गुलाल लगाते हुए उन्हें मिठाई खिलाई

» *रक्षा मंत्री ने लेह में 'हॉल ऑफ फेम' पर देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की*

राजनाथ सिंह के साथ सेना प्रमुख मनोज पांडे भी होली मनाने पहुंचे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्र शासित प्रदेश के लद्दाख के लेह में जवानों संग होली मनाई। लेह एयरपोर्ट पर लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी मिश्रा, प्रशासन व सेना के उच्च अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह के साथ सेना प्रमुख मनोज पांडे भी होली मनाने पहुंचे। रक्षा मंत्री ने लेह में 'हॉल ऑफ फेम' पर देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।

पर्व-त्यौहार सबसे पहले यहीं मनाए जाएं

राजनाथ ने कहा कि पर्व-त्यौहार पहले सियाचिन और कारगिल की चोटियों पर मनाए जाने चाहिए, राजस्थान के तपते रेतीले मैदान में मनाए जाने चाहिए, हिंद महासागर की गहराई में स्थित पनडुब्बी मैं तो चाहता हूं कि सैनिकों के साथ ऐसा सेलिब्रेशन हमारी संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा बन जाए कि कारगिल की बर्फ़ीली चोटियों पर, राजस्थान के तपते रेतीले मैदान में, गहरे समुद्र में स्थित पनडुब्बी में, इन जगहों पर, हर बार, सबसे पहले, सम्मान पूर्वक पर्व-त्यौहार मनाया जाए।

लद्दाख बहादुरी और वीरता की राजधानी

राजनाथ ने जवानों और अन्य वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों से बात करते हुए कहा कि अगर दिल्ली हमारी राष्ट्रीय राजधानी है, तो लद्दाख बहादुरी और वीरता की राजधानी है। आपके साथ होली मनाना मेरे लिए सबसे खुशी के क्षणों में से एक है। पांच साल पहले जब रक्षा मंत्रालय का दायित्व मुझे मिला था, तो उसी दिन मैंने प्लान किया, और मेरा पहला दौरा कहीं और का नहीं, बल्कि सियाचिन का ही हुआ था। मौसम खराब होने के कारण सियाचिन जाना संभव नहीं हो पाया। इसलिए, वहां तैनात सभी सैनिकों को यहीं लेह से होली की शुभकामनाएं देता हूं। सिंह ने कहा कि वैसे तो अनेक अवसरों पर, हमारी सेना के जवानों से मिलता रहता हूं, लेकिन होली के अवसर पर आप लोगों से मिलना, और आपके साथ होली खेलना, मेरे लिए सबसे सुखद क्षणों में से एक है।

पीएम मोदी ने दी होली की शुभकामनाएं

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं और कामना की कि स्नेह और सद्भाव के रंगों से सजा यह पारंपरिक पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा व नया उत्साह लेकर आए। देश में रविवार को होलिका दहन हुआ और सोमवार को रंगों का पर्व होली मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि देश के मेरे सभी परिवारजनों को होली की अनेकानेक शुभकामनाएं। स्नेह और सद्भाव के रंगों से सजा यह पारंपरिक पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह लेकर आए।

तभी देश में लोग चैन से होली मना पा रहे हैं

रक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्र-सेवा का आप जो कार्य कर रहे हैं, यह कोई साधारण काम नहीं है। यह एक दैवीय कार्य है। इसका मोल कोई भी कीमत देकर नहीं चुकाया जा सकता। यहां सियाचिन की बर्फ़ीली पहाड़ियों में भी आप दुश्मन पर गोली दागने के लिए और अपने सीने पर गोली खाने के लिए तैयार हैं, तभी देश में लोग चैन से होली मना पा रहे हैं। रक्षक होने का आपका कर्तव्य, आपको देवताओं की श्रेणी में ला खड़ा करता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

होली पर्व की शुभकामनाएं

होली के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 25 मार्च सोमवार और 26 मार्च मंगलवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 28 मार्च गुरुवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

4 बच्चों की मौत, माता-पिता की हालत गंभीर

एजेंसी ▶▶ मेरठ

यूपी के मेरठ में एक घर में मोबाइल चार्ज करते समय शॉर्ट सर्किट से बड़ा हादसा हो गया। शॉर्ट सर्किट के बाद मोबाइल में धमाका हो गया जिससे घर में आग लग गई और 6 लोगों का पूरा परिवार गंभीर रूप से झुलस गया।

इस हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई। माता पिता का हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

◆ धमाके से घर में आग लगी, 6 लोगों का पूरा परिवार गंभीर रूप से झुलस गया

पति पत्नी की हालत नाजुक

इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में निहारिका और कालू ने दम तोड़ दिया और बाकी सभी का इलाज चल रहा था लेकिन सुबह होने तक आग में झुलसे चारों बच्चों की मौत हो गई। वहीं पति-पत्नी की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना को लेकर इलाके के लोगों का कहना है कि अचानक धमाका हुआ और उसके बाद घर में आग लग गई। बच्चे आग से बचने के लिए इधर-उधर भागे ।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के 4 की मौत

मंडला। अंजनियां क्षेत्र के एनएच 30 मंडला-रायपुर पर रविवार शाम सड़क दुर्घटना में एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। ट्राले ने बाइक सवार पति, पत्नी और दो बच्चे को रौंद डाला।

मार्च के शेष दिनों में 38 डिग्री से अधिक नहीं जाएगा दिन का पारा, पश्चिमी हवाएं बढ़ाएंगी रात में गर्मी

प्रदेश में सागर की रात सबसे गर्म 22.3 डिग्री रही, जबकि भोपाल में न्यूनतम पारा 21.4 डिग्री पर पहुंच गया

रही सीजन की सबसे गर्म रात, दिन में जून जैसी तपिश, आज भी छाएंगे बादल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रविवार को प्रदेश में सूर्य के तेवर भले ही एक दिन पहले की अपेक्षा कुछ कमजोर रहे हों, लेकिन रात की गर्मी ने लोगों को परेशान किया।

प्रदेश में सागर की रात सबसे गर्म 22.3 डिग्री रही, जबकि भोपाल में न्यूनतम पारा 21.4 डिग्री पर पहुंच गया। यह इस साल मार्च में सबसे अधिक रात का पारा है। इससे पहले इसी साल 18 मार्च को रात का पारा 20.2 डिग्री तक दर्ज हुआ है। हालांकि, दिन के तापमान में भोपाल में 1.5 डिग्री की गिरावट के साथ पारा 36.9 डिग्री रहा। वहीं, पूरे प्रदेश में दिन के तापमान में औसतन एक डिग्री की कमी रही है।

कहां कितना बढ़ा और घटा पारा?

भोपाल में रात का पारा 3.6 डिग्री बढ़कर 21.4 डिग्री रहा। उज्जैन, नर्मदापुरम, इंदौर, पचमढ़ी, बैतूल, छिंदवाड़ा, दमोह, मंडला, सिवनी, सीधी, टीकमगढ़, मलाजखंड आदि जिलों में रात का पारा 2 से 4 डिग्री तक बढ़कर औसतन 19 डिग्री तक रहा। वहीं पूर्वी मप्र के छिंदवाड़ा, दमोह, मंडला, खजुराहो, टीकमगढ़ में दिन का पारा एक डिग्री तक बढ़कर औसतन 38 डिग्री तक पहुंच गया, ।

2 मौजूदा सांसदों का काट दिया टिकट और दल बदलकर पार्टी में आए 2 नेताओं को दिया टिकट, भाजपा 17 सीटों पर लड़ रही लोकसभा चुनाव

जद (यू) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने की घोषणा, पार्टी को गठबंधन में मिली थीं इतनी ही सीटें

जेडीयू ने 16 उम्मीदवारों की सूची जारी की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार के सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) ने अपने 16 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। जेडीयू ने दो मौजूदा सांसदों का टिकट काटा है और दल बदलकर पार्टी में आए दो नेताओं को टिकट दिया है। जद(यू) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में यहां यह घोषणा की। भाजपा बिहार में 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहीं जदयू को 16 सीटें गठबंधन के तहत मिली हैं। चिराग पासवान की पार्टी को 5 सीट, जीतन राम मांझी की पार्टी को एक सीट और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को भी एक सीट मिली है। जेडीयू ने पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग के 11 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। 3 सवर्ण जाति को टिकट दिया है। 1 अल्पसंख्यक और 1 हरिजन जाति को टिकट दिया है। काराकाट से महाबली सिंह, गया से विजय मांझी, सीतामढ़ी से सुनिल कुमार पिंटू, सिवान से कविता सिंह का नाम कट गया है उनकी जगह पर राजलक्ष्मी कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया गया है।

इन संसदीय क्षेत्रों की घोषणा की

जेडीयू कैंडिडेट्स लिस्ट शिवहर, सीतामढ़ी, वाल्मीकिनगर, सुपौल, मधेपुरा, जहानाबाद, सीवान, गोपालगंज, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, मुंगेर, बांका, भागलपुर, नालंदा और झंझारपुर सीटें शामिल की गई हैं। जदयू लिस्ट के अनुसार शिवहर से लवली आनंद, सीतामढ़ी से देवेश चंद्र ठाकुर, वाल्मीकिनगर से सुनील महतो, सुपौल से दिलेश्वर कामत, मधेपुरा से दिनेश चंद्र यादव, जहानाबाद से चंदेश्वर प्रसाद, कटिहार से दुलालचंद गोस्वामी, मुंगेर से ललन सिंह, बांका से गिरधारी यादव, भागलपुर से अजय मंडल, नालंदा से कौशलेंद्र कुमार और झंझारपुर से रामप्रीत मंडल, सीवान से विजयालक्ष्मी देवी, गोपालगंज से आलोक सुमन, पूर्णिया से संतोष कुशवाहा और किशनगंज से मास्टर मुजाहिद आलम को पार्टी ने मौका दिया है।

एनडीए का घटक दल है जनता दल यूनाइटेड

चिराग पासवान की पार्टी को यहां 5 सीटें दी गईं मांझी को एक

उपेंद्र कुशवाहा को भी एक सीट गठबंधन के तहत मिली

यूपी की 16 सीटों के लिए बसपा ने किया नामों का ऐलान

बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटों के लिए कैंडिडेट्स के नामों का ऐलान किया है। बीएसपी कैंडिडेट्स लिस्ट जिन सीटों के जारी की गई है उनमें सराहनपुर, कैराना,

मुजफ्फरनगर, बिजनौर समेत 16 लोकसभा सीटें शामिल हैं। लोकसभा चुनाव के लिए बीएसपी ने रामपुर सीट से मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट दिया है। ये बीएसपी उम्मीदवारों की पहली सूची है। जिसमें पार्टी ने कैंडिडेट्स लिस्ट में गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, सहारनपुर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 16 सीटों के लिए कैंडिडेट्स के नाम घोषित किए हैं।

किसे कहां से मौका?

बसपा ने बागपत से प्रवीण बंसल, गौतमबुद्ध नगर से राजेंद्र सिंह सोलंकी, बुलंदशहर से गिरीश चंद्र जाटव, सहारनपुर से माजिद अली, कैराना से श्रीपाल सिंह, मुजफ्फरनगर से दारा सिंह प्रजापति, बिजनौर से विजेन्द्र सिंह, नगीना से सुरेंद्र पाल सिंह, मुरादाबाद से मोहम्मद इरफान सैफी, अमरोहा से मुजाहिद हुसैन, मेरठ से देववृत्त त्यागी, रामपुर से जीशान खां, सम्भल से शौलत अली, आंवला से आबिद अली, शाहजहांपुर से दोदराम वर्मा पीलीभीत से अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू को टिकट दिया है।

7 मुस्लिम प्रत्याशी होने से इंडिया गठबंधन का बिगड़ेगा खेल

बसपा द्वारा पहली सूची जारी करने से चंद घंटों पहले कांग्रेस ने भी अपनी पहली सूची जारी की थी। दोनों दलों के इस फैसले से उनके बीच गठबंधन होने के कयास खत्म हो चुके हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती के इस फैसले से साफ हो गया है कि बसपा सपा- कांग्रेस गठबंधन को कड़ी चुनौती देने जा रही है। 7सीटों पर मुस्लिम वोटों का बंटवारा त्रिकोणीय मुकाबला होने का स्पष्ट संदेश दे रहा है।

पुनर्विचार करें, आंबेडकर का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण

गठबंधन टूटते ही राउत बोले

लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मचती दिख रही है। वंचित बहुजन अघाड़ी प्रमुख प्रकाश आंबेडकर कह चुके हैं कि उद्धव शिवसेना के साथ गठबंधन अब अस्तित्व में नहीं है। अब उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने इस निर्णय को एकतरफा और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और कहा है कि आंबेडकर को इस बारे में पुनर्विचार करना चाहिए। राउत ने कहा उद्धव और आंबेडकर ने गठबंधन का ऐलान किया था।

26 मार्च को ऐलान करेंगे आंबेडकर

आंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन अघाड़ी ने महा विकास अघाड़ी के तीन सहयोगियों- शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे), कांग्रेस और राकांपा (शरद चंद्र पवार) के साथ हाथ मिलाने पर विचार किया। यहां पेंच यह फंसा सीट बंटवारे को लेकर बातचीत से कोई निर्णय नहीं निकला। आंबेडकर ने कहा कि वह 26 मार्च को अपने अगले कदम का ऐलान करेंगे।

महाविकास अघाड़ी में आंतरिक कलह उजागर

उन्होंने वंचित बहुजन अघाड़ी और महा विकास अघाड़ी के बीच बातचीत को लेकर सीधा जवाब नहीं दिया। आंबेडकर ने यह भी दावा किया कि महाविकास अघाड़ी के सहयोगियों में आंतरिक कलह खत्म नहीं हो रही है। उन्हें कभी भी 4सीटों का प्रस्ताव नहीं दिया गया। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और राकांपा (शरद पंवार) के रवैए को लेकर भी नाराजगी जताई थी। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र में 7 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस को समर्थन देने की बात भी कही थी।

वायुसेना के पूर्व प्रमुख भदौरिया भाजपा में शामिल

भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल (रिटायर्ड) आरकेएस भदौरिया रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में पार्टी का दामन थामा। उनके साथ ही तिरुपति के पूर्व सांसद वरप्रसाद राव ने भी केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। अपने इस फैसले पर भदौरिया ने पीएम मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेताओं का शुक्रिया जताया। उन्होंने कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं कि अपनी जिंदगी के 40 साल से ज्यादा भारतीय वायुसेना के लिए काम कर पाया। ये एक बहुत बड़ा गौरव का विषय रहा है। इस दौरान सबसे स्वर्णिम अवसर वह रहा है, जो कि मेरी सेवा के पिछले 8 से 10 वर्षों में इस पार्टी की सरकार की तरफ से जो

कठोर कदम उठाए गए, भारतीय सेनाओं को मजबूत करने के लिए, आत्मनिर्भर करने के लिए। आधुनिकीकरण के लिए जो कदम उठाए गए, उनसे हमारी सेनाओं में क्षमता विकसित हुई है। इसके साथ ही सेनाओं में एक नया आत्मविश्वास और आत्मनिर्भर बनने का जो क्रम शुरू हुआ है। इसके धरातल पर प्रभाव भी दिखने लगे हैं। इससे हमारे पास स्वदेशी क्षमताएं भी आएंगी।

कालीकट विवि के पूर्व कुलपति सलीम का बड़ा कथन

भाजपा से कब तक दूर रहेंगे मुसलमान? मोदी सरकार लंबे समय तक रहेगी

कालीकट विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एम अब्दुल सलाम भाजपा के लगभग 290 उम्मीदवारों में से एकमात्र मुस्लिम चेहरा हैं, जिनकी पार्टी ने लोकसभा चुनावों के लिए अब तक घोषणा की है। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलाम को केरल की मुस्लिम बहुल मलप्पुरम सीट से मैदान में उतारा गया है, जो कांग्रेस सहयोगी आईयूएमएल का पारंपरिक गढ़ रहा है। एक साक्षात्कार में सलाम ने सीएए विवाद, हिंदुत्व और पीएम मोदी के प्रति मुस्लिम समुदाय के दृष्टिकोण सहित कई मुद्दों पर बात की।

मोदी का विकास समावेशी

मोदी के बारे में मुस्लिम धारणा बदल रही है। मैं कई मुस्लिम महिलाओं से मिला हूं, जो तीन तलाक खत्म करने के लिए मोदी का समर्थन करती हैं। कई युवतियां भी मोदी का समर्थन करने लगी हैं। सीपीआईएम-कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता को लेकर मुसलमानों को धोखा दे रही हैं। मोदी की एक राष्ट्र की अवधारणा धर्मनिरपेक्षता से बहुत ऊपर है। मोदी और भाजपा की सरकार अगले कई कार्यकालों तक रहने वाली है। मोदी का विकास समावेशी है।

आरएलएम को मिला सिंबल
गैस सिलेंडर होगा चुनाव चिह्न

लोकसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को चुनाव चिह्न दे दिया है। कुशवाहा की पार्टी का चुनाव चिह्न गैस सिलेंडर होगा। कुशवाहा की पार्टी एनडीए की घटक दल है और उन्हें सीट शेयरिंग में सिर्फ एक ही सीट मिला है। उनकी पार्टी सिर्फ काराकाट सीट से ही चुनाव लड़ेगी। बताया जा रहा है कि कुशवाहा एक और सीट की मांग कर रहे थे। वे चाहते थे कि उन्हें सुपौल या फिर सितामढ़ी में से एक और सीट पर उन्हें चुनाव लड़ने दिया जाए पर ऐसा नहीं हुआ।

पशुपति पर चिराग बोले
परिवार-पार्टी से अलग होने का फैसला चाचा ने किया

लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अपनी मां के साथ दिल्ली से पटना पहुंचे। एनडीए में 5 सीटें मिलने पर चिराग पासवान काफी खुश दिखे। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के नाराजगी के सवाल पर चिराग ने कहा कि परिवार और पार्टी से अलग होने का फैसला उनका था। चाचा का एनडीए में क्या बात हुई? यह हम नहीं जानते हैं।

खबर संक्षेप

सूखा राहतः शीर्ष कोर्ट पहुंची कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका

कहना है कि पानी की कमी से जूझ रहे राज्य को केंद्र सरकार से धन नहीं मिल रहा है। केंद्र से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष जारी करवाने के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है।सिद्धारमैया ने कहा,सूखा राहत निधि के वितरण में देरी को लेकर केंद्र के खिलाफ अर्जी दायर की है।

छात्रा ने हॉस्टल की 5वीं मंजिल से लगाई छलांग

कुरुक्षेत्र। एनआईटी कुरुक्षेत्र में हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से छात्रा गिर जाने का मामला सामने आया

है। घटना सुबह करीब पौने छह बजे हुई। मृतक छात्रा की पहचान 22 वर्षीय श्रेया वासी फिरोजाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार छात्रा ने छलांग लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है जबकि परिजनों को भी सिके बारे में सूचित कर दिया गया है।

दिल्ली फैक्टरी में आग दमकलों ने पाया काबू

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला इलाके के डीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक

फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। आग थोड़ी देर पहले लगी है, मौके पर अलग-अलग फायर स्टेशनों से आग बुझाने वाली आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियां रवाना कर दी गई हैं। आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।100 से ज्यादा फायर कर्मियों ने काबू पाया।

ईडी की कस्टडी से केजरीवाल ने जारी किया पहला आदेश

दिल्ली वालों को हो रही पानी व सीवर की समस्याओं का तुरंत समाधान करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने ईडी की कस्टडी में जाने के बाद पहला आदेश जारी किया है। जल मंत्रालय को लेकर अरविंद केजरीवाल ने ये ऑर्डर जारी किया है। केजरीवाल ने नोट जारी कर लिखित में जल मंत्री को आदेश दिया है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और जल विभाग के लिए सीएम केजरीवाल द्वारा भेजे गए आदेश को पढ़ा।

आतिशी ने कहा कि ऐसी स्थिति में भी वे दिल्ली की जनता और उनकी समस्याओं के बारे में सोच रहे हैं। केजरीवाल ने ईडी की कस्टडी में होते हुए बतौर जल मंत्री मेरे लिये निर्देश भेजे हैं कि दिल्ली वालों को हो रही पानी और सीवर की समस्याओं का तुरंत समाधान हो और गर्मियों में पर्याप्त पानी के टैंकरों का इंतजाम किया जाए। जब मैंने यह निर्देश पढ़े तो मेरी आंखों में आंसू आ गए। मैंने सोचा कि यह इंसान किस मिट्टी के बने है, जो इतनी विपरीत परिस्थिति में अपने बारे में नहीं सोच रहे, बल्कि दिल्ली वालों के बारे में सोच रहे हैं।

जल समस्या को लेकर आतिशी से कही यह बात, हो गईं भावुक

वे दिल्ली वालों के बारे में ही सोच रहे

केजरीवाल अपने आप को सिर्फ दिल्ली वालों का मुख्यमंत्री नहीं मानते, वो हर दिल्ली वाले को अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। तो एक बेटा, एक बड़ा भाई होने के नाते, उन्हें हिरासत में भी 24 घंटे अपने दिल्ली के दो करोड़ लोगों के परिवार की चिंता सता रही है। वे दिल्ली वालों के बारे में ही सोच रहे हैं।

पानी की समस्या हो तो टैंकरों का इंतजाम करें

केजरीवाल ने कहा कि मुझे पता चला है कि दिल्ली के कुछ इलाकों में पानी और सीवर की काफी समस्याएं हो रहीं हैं। इसे लेकर मैं चिंतित हूं। चूंकि मैं जेल में हूं, इस वजह से लोगों को जरा भी तकलीफ नहीं होनी चाहिए। गर्मियां भी आ रही हैं। जहां पानी की कमी है, वहां उचित संख्या में टैंकरों का इंतजाम कीजिए।

31 मार्च को महारैली

केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद फिर 'रामलीला' चली आप

दिल्ली के सीएमकेजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप फिर से दिल्ली के उसी ऐतिहासिक मैदान जाने की तैयारी में है। गोपाल राय ने कहा कि विपक्षी दलों का इंडि गठबंधन देश के हितों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली करेगा। ईडी ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन में केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया था।

रैली में होगा इंडि गठबंधन

'इंडिया' के घटक 'आप' और कांग्रेस ने एक प्रेस वार्ता में इस रैली का ऐलान किया है। राय ने कहा कि देश में जो हो रहा है उसके खिलाफ हम 31 मार्च को रामलीला मैदान में महारैली करेंगे। इस रैली में 'इंडिया' का शीर्ष नेतृत्व शामिल होगा। लोकतंत्र और देश खतरे में है। देश के हितों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए गठबंधन में सभी शामिल होंगे।

सीबीआई रेड से बिफरीं

गैरकानूनी बता चुनाव आयोग से की कार्रवाई रोकने की मांग

कोलकाता। लोकसभा में कैश और गिफ्ट के बदले कथित रूप से सवाल पूछने के मामले में निलंबित हुईं टीएमसी के पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने सीबीआई की रेड को गैरकानूनी बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की है कि सीबीआई ने गैरकानूनी रूप से उनके

4 ठिकानों पर छापेमारी की है। यह उन्हें परेशान करने और उनके चुनाव प्रचार में बाधा देने के लिए यह किया गया है।

प्रियंका ने चुनावी बॉन्ड पर उठाए सवाल

देश के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ, पूरी जानकारी दें

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनावी बॉन्ड को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 38 कॉरपोरेट्स ने चुनावी बॉन्ड

के माध्यम से भाजपा को 2,004 करोड़ रुपए दान किए। देश के इतिहास में कभी भी किसी सरकार ने भ्रष्टाचार को कानूनी वैधता नहीं दी।उन्होंने कहा कि 16 शेल कंपनियों ने भाजपा को 419 करोड़ का चंदा दिया। इनमें ऐसी कंपनियां भी शामिल हैं जिन्होंने अपनी कुल पूंजी का कई गुना दान किया। देश के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि कोई सरकार भ्रष्टाचार को कानून की वैधता दे और देश की सारी एजेंसियों और सारे तंत्र को एक वसूली रैकेट में बदल दे। जनता को हिसाब देना चाहिए।

उदयनिधि ने फिर दिया विवादित बयान

हमें मोदी को '28 पैसे वाला प्रधानमंत्री' बुलाना चाहिए

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को फंड एलोकेट को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर निशाना साधा है। एमके स्टालिन ने मोदी सरकार पर राज्य सरकार को फंड एलोकेट करने भेदभाव का आरोप लगाया है। रामनाथपुरम और थेनी में अलग-अलग रैलियों को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु केंद्र सरकार को टैक्स के तौर पर अगर एक रुपये देता है तो केंद्र सरकार हमें 28 पैसे ही लौटाता है। जबकि भाजपा शासित राज्यों में ज्यादा फंड दिया जाता है।

स्टालिन ने कहा कि अब हमें प्रधानमंत्री को '28 पैसा पीएम' कहना चाहिए। इतना ही नहीं स्टालिन ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की ये नीति राज्य के बच्चों का फ्यूचर को बर्बाद कर देगी।अगर भाजपा सरकार फिर से सत्ता में आती है तो देश से फेडरलिज्म खत्म हो जाएगा।

असम के सीएम सरमा ने बांग्लादेशी मुसलमानों के लिए रखी शर्त

बाल-विवाह और बहुविवाह जैसी प्रथाओं को छोड़ें

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा का बांग्ला-भाषी मुसलमानों को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बांग्ला-भाषी मुसलमानों के असम का मूल निवासी बनने के लिए कुछ शर्तें रखीं। सीएम ने कहा कि अगर बांग्ला-भाषी मुसलमानों को राज्य का मूल निवासी बनना है तो उन्हें बाल-विवाह और बहुविवाह जैसी प्रथाओं को छोड़ना होगा।

अगर वे ऐसा करते हैं तो ही राज्य के मूल निवासी 'खिलोंजिया' माने जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इन लोगों को बच्चों को मदरसों की जगह स्कूल भेजना होगा ताकि वे डॉक्टर-इंजीनियर बनें।

ऐसा कर देश की नागरिकता लें और बच्चों को स्कूल भेजें

खास बातें

- राज्य के मूल निवासी 'खिलोंजिया' माने जाएंगे
- असमिया संस्कृति में कन्याओं को देवी मानते हैं

असम में लड़कियों की तुलना 'शक्ति' से

सीएम ने कहा कि असमिया लोगों की एक संस्कृति है जिसमें लड़कियों की तुलना 'शक्ति' (देवी) से की जाती है और दो-तीन बार शादी करना असमिया संस्कृति नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं उनसे हमेशा कहता हूं, 'मियां' के स्वदेशी होने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन वे दो-तीन पत्नियां नहीं रख सकते। यह असमिया संस्कृति नहीं है। कोई सत्र (वैष्णव मठ) भूमि का अतिक्रमण कर मूल निवासी कैसे बनना चाहता है?

असम में मुसलमानों की आबादी अहम

सीएम ने कहा कि असम में मुसलमानों की आबादी महत्वपूर्ण है, 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की कुल आबादी में मुसलमानों का आंकड़ा 34 प्रतिशत से अधिक है। इस आबादी में दो अलग-अलग जातियां शामिल हैं-बंगाली भाषी और बांग्लादेश मूल के प्रवासी मुसलमान और असमिया भाषी स्वदेशी मुसलमान।

'...तो उन्हें भी 'स्वदेशी' माना जाएगा

सीएम सरमा ने इससे पहले राज्य के बांग्ला-भाषी मुस्लिम समुदाय को सामाजिक कुरीतियों के लिए जिम्मेदार बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि मियां (बांग्ला-भाषी मुसलमान) मूल निवासी हैं या नहीं यह एक अलग मामला है। हम यह कह रहे हैं कि अगर वे 'मूल निवासी' बनना चाहते हैं, तो हमें कोई समस्या नहीं है लेकिन इसके लिए उन्हें कुप्रथाओं को छोड़कर महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना होगा। सरमा ने कहा कि अगर बांग्ला भाषी मुसलमान असमिया रीति-रिवाजों का पालन कर सकते हैं, तो उन्हें भी 'स्वदेशी' माना जाएगा।

दुनिया में होली के अलग अलग रंग: कहीं टमाटर तो कहीं संतरों से खेली जाती है

फागुन में रंगों का त्योहार होली बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। होली के दिन आपको हर शहर में रंग, अबीर और गुलाल से रंगे चेहरे नजर आ जाएंगे। होली पर लोग एक दूसरे को रंग लगाते हैं और मुंह मीठा करवाने के बाद गले लगाते हैं। अमेरिका से लेकर इटली और स्पेन में लोग इस दिन रंगों से नहीं बल्कि टमाटर, संतरा और कीचड़ से होली खेलते हैं। होली के त्योहार को अमेरिका भी मनाया जाता है। इसे 'फेस्टिवल ऑफ कलर्स' के नाम से लोग इंजॉय करते हैं। इस दौरान लोग रंग-बिरंगे पाउडर और एक दूसरे पर रंग फेंकते हैं। लोग जमकर डांस करते हैं और कुछ जगहों पर मड फेस्टिवल का भी आयोजन किया जाता है।

स्पेन में शराब से होली

स्पेन में कई बार होली जैसा माहौल नजर आता है। कभी लोग एक दूसरे पर वाइन फेंकते हैं तो कभी टमाटर से होली खेलते हुए ला टोमाटीना फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है। उत्तरी स्पेन में 29 जून को हर साल वाइन फेस्टिवल होता है जहां एक दूसरे पर लोग वाइन फेंकते हैं। वहीं अगस्त के आखिरी शनिवार को ला टोमाटीना फेस्टिवल का आयोज होता है।

थाईलैंड में रंग और ठंडा पानी

अप्रैल के महीने में ही थाईलैंड में भी होली जैसा जश्न होता है। यहां 'सोंगक्रान' नाम से फेस्टिवल का आयोजन होता है जिसमें लोग एक दूसरे के ऊपर रंग और ठंडा पानी फेंकते हैं। इसे वार स्प्लैशिंग फेस्टिवल भी कहा जाता है। इसे बौद्ध न्यू ईयर का जश्न मनाने वाला त्योहार कहा जाता है।

नेपाल की होली

नेपाल में होली का त्योहार भारत की तरह की मनाया जाता है। यहां भी लोग गुब्बारे में पानी भरकर एक-दूसरे पर फेंकते हैं। इसके साथ ही, यहां लोगों पर रंग फेंके जाते हैं। लोगों को रंग में डुबोने के लिए पानी के बड़े-बड़े टब भी रखे रखे जाते हैं।

मॉरीशस में होलिका दहन

मॉरीशस में होलिका दहन किया जाता है। यहां इसे खेती-किसानी से जुड़ा त्योहार मानते हैं। मॉरीशस में ये त्योहार बसंत पंचमी से शुरू होता है और करीब 40 दिनों तक चलता है।

इटली में संतरे की होली

इटली में भी होली की तरह ही जश्न मनाया जाता है। इस पर्व की शुरुआत संतरों को लेकर हुए एक युद्ध के बाद हुई। पुर्तगाल, फ्रांस और स्पेन के बीच ये युद्ध हुआ था। तब से यहां फन फेस्टिवल के रूप में एक दूसरे पर संतरे फेंकते हुए होली खेली जाती है। लोग दो गुटों में बंट जाते हैं और एक-दूसरे पर संतरे फेंकते हैं।

साउथ अफ्रीका

साउथ अफ्रीका में होली का त्योहार खूब धूमधाम से मनाया जाता है। यहां होली जलाई जाती है और एक दूसरे को रंग भी लगाया जाता है। अफ्रीका में रहने वाले भारतीय इस त्योहार को धूमधाम से मनाते हैं। यहां गुजराती समुदाय के लोग होली का जश्न मनाते हैं।

पुतिन ने आरोपियों को खत्म करने की खाई कसम, घटना पर जताया दुख

हमले के बाद पुतिन का देश को संदेश कहा- मौत देने वालों को मौत ही मिलेगी

राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि सभी हमलावरों की पहचान कर ली गई है। उन्हें सख्त सजा मिलेगी। जो लोग भी रूस के खिलाफ है, रूस के नागरिकों के खिलाफ है, जिसने भी इस हमले में आतंकियों की मदद की उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

- *जिसने भी हमले में आतंकियों की मदद की उन्हें भी छोड़ेंगे नहीं*
- *यूक्रेन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया*
- *गंभीर और पीड़ितों को न्याय दिलाएंगे, पुतिन ने कही बड़ी बात*

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल में आतंकी हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस हमले को अंजाम देने वाले बख्शे नहीं जाएंगे। पुतिन ने कहा आतंकवादियों को रूस से भगाने के लिए यूक्रेन ने तैयारी की थी। हालांकि यूक्रेन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल पर हमले को बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसकी निंदा की। उन्होंने इस हमले में आम नागरिकों को पहुंचे नुकसान के लिए खेद जताया। पुतिन ने इस भयावह घटना के पीड़ितों के सम्मान में 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक दिवस की घोषणा की है। राष्ट्रपति पुतिन के संबोधन में स्थिति की गंभीरता और पीड़ितों को न्याय दिलाने की बात कही। बता दें, मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल पर हुए हमले में कम से कम 140 लोगों की जान चली गई, जबकि कई दर्जन लोग घायल हो गए।

कीव की ओर भाग रहे थे आतंकी

राष्ट्रपति पुतिन ने हमले के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के कटघरे में लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमले के पीछे जो भी लोग शामिल हैं, उनके कड़ी सजा दी जाएगी। आतंकियों को सजा देने के लिए उन्होंने अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे कोई भी हों और जो भी उन्हें निर्देशित कर रहे हों, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने दावा किया कि गोलीबारी करने वाले आतंकवादियों ने कीव की ओर भागने की कोशिश की थी।

हमले से नहीं डिगे पुतिन, लॉच किया सोयूज रॉकेट

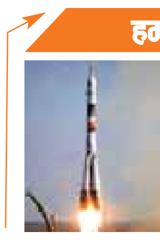

मॉस्को के कॉन्सर्ट हॉल में दो दशक के सबसे बड़े आतंकी हमले के बावजूद रूस ने अंतरिक्ष के लिए एक बड़ी उड़ान भरी है। रूस ने अपने सोयूज रॉकेट को 3 अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना कर दिया है। अब लांच के बाद सोमवार को अंतरराष्ट्रीय समय के अनुसार दोपहर 3 बजकर 10 मिनट पर आईएसएस से जुड़ने की उम्मीद है। इस यात्रा के बाद नोवित्स्की, वासिलिव्स्काया और ओ'हारा को 6 अप्रैल को पृथ्वी पर लौटना है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर सबसे बड़ा हवाई हमला

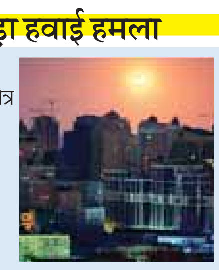

कीव। रूस ने पिछले चार दिन में यूक्रेन पर तीसरा बड़ा मिसाइल हमला किया है। यूक्रेन की राजधानी कीव और ल्वीव के पश्चिमी क्षेत्र पर रविवार तड़के बडा हवाई हमला किया गया। उधर, पोलैंड की सेना ने कहा कि पश्चिमी यूक्रेन में दागी गई मिसाइलों में से एक उसके हवाई क्षेत्र में घुस गई। रूस ने टीयू-95एमएस रणनीतिक बमवर्षकों से दागी गई क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। रूस ने रात भर में उसके क्षेत्र में 29 क्रूज मिसाइलें और 28 ड्रोन दागे हैं।

चड्ढा की खालिस्तान समर्थक से मुलाकात

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बोला हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की खालिस्तान समर्थन ब्रिटिश सांसद से मुलाकात की आलोचना की है। भाजपा ने अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के बयान का जिक्र किया है। राघव आंखों के इलाज के लिए लंदन गए हुए हैं। यहां उन्होंने ब्रिटिश लेबर सांसद प्रीत कौर गिल से मुलाकात की थी। भाजपा ने इस पर सवाल उठाया है कि ब्रिटिश सांसद खालिस्तान अलगाववाद की वकालत और सामाजिक तौर पर भारत विरोधी भावनाओं के लिए जानी जाती हैं।

किसके साथ खड़े हैं चड्ढा

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आप नेता का नाम लिए बिना चड्ढा की लंदन यात्रा पर निशाना साधा। अनुराग ने कहा कि यह (पंजाब में) किस तरह की सरकार है? राज्य का राज्यसभा सदस्य उन ताकतों के साथ खड़ा है, जो भारत के खिलाफ बोलती है और आतंकवाद का समर्थन करती है। ऐसी कौन सी मजबूरी है जिसके कारण आपको देश विरोधी ताकतों से हाथ मिलाना जरूरी हो गया है।

केजरीवाल के पत्नी के ट्वीट का हवाला

इससे पहले जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा था कि भारत के भीतर और बाहर कई ताकतें हैं जो देश को कमजोर कर रही हैं। हमें सतर्क रहना होगा, इन ताकतों को पहचानना होगा और उन्हें हराना होगा। इस पर भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने कहा कि उनकी (सुनिता केजरीवाल) बात से पूरी तरह सहमत हूं। उन्होंने चड्ढा और गिल की एक तस्वीर के साथ यह टिप्पणी की।

व्यापारियों के दबाव से अक्ल आई ठिकाने

भारत के साथ कारोबार शुरू करना चाहती है पाक सरकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा है कि अगस्त 2019 में कारोबारी संबंध को निलंबत करने के बाद उनका देश भारत से कारोबार फिर से शुरू करने को लेकर गंभीरता से विचार करेगा। पाकिस्तानी कारोबारी चाहते हैं कि भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू हो। सवाल उठ रहे हैं कि क्या

पाकिस्तान कारोबारियों के प्रेशर में आकर भारत से फिर से कारोबार शुरू करने की बात कर रहा है या फिर जिन्ना के वंशजों की अक्ल ठिकाने पर आ गई है?

कारोबार शुरू करने पर भारत का रूख

भारत ने पाकिस्तान को साफ कर दिया है, कि जम्मू-कश्मीर को लेकर उसका फैसला अटल है और कश्मीर में फिर से अनुच्छेद 370 बहाली का कोई सवाल ही नहीं उठता है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भारत सरकार की तरफ से जो कदम उठाए गए हैं, वो संवैधानिक उपाय भारत का आंतरिक मामला है।

खबर संक्षेप

पायलटों के लिए नया रेस्ट रूल होगा लागू

नई दिल्ली। पायलटों की थकान की समस्या को देखते हुए फ्लाइट ड्यूटी की अवधि कम कर दी गई। ये नियम नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 8 जनवरी को पेश कर दिए थे, लेकिन एयरलाइंस ने डीजीसीए से नए पायलट ड्यूटी मानदंडों को स्थगित करने का अनुरोध किया। डीजीसीए ने एयरलाइंस का अनुरोध ठुकरा दिया और यह दोहराया है कि संशोधित कार्यक्रम एक जून से ही लागू करना होगा।

भारत आ रहे चीनी जहाज को हूतियों ने बनाया निशाना

नई दिल्ली। एक चीनी टैंकर जहाज पर हूती विद्रोहियों ने यमन के पास

बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है, जिसके बाद अब वो चीनी जहाज भारत की तरफ बढ़ रहा है। अमेरिकी सेना ने कहा है कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में हमले काफी तेज कर दिए हैं और पनामा के झंडे लगे चीनी स्वामित्व वाले हुआंग पु जहाज पर भी हमला किया गया है, जिसने हमले के बाद संकट कॉल जारी किया था, लेकिन जहाज की तरफ से मदद नहीं मांगी गई है। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा है कि फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अर्जेंटीना ने चीन को दिया बड़ा झटका, डील खारिज

अमेरिका के सेकंड हैंड एफ-16 ने चीनी जेएफ-17 का किया 'शिकार'

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अर्जेंटीना ने चीन को बहुत बड़ा झटका देते हुए अमेरिकी मूल का सेकंड हैंड एफ-16 फाइटर जेट खरीदने का फैसला किया है। उसने चीन के फिफ्थ जेनरेशन फाइटर जेट जेएफ-17 थंडर ब्लॉक-III की खरीद को खारिज कर दिया है। जेएफ-17 थंडर ब्लॉक-III डील का फेल होना अफ्रीकी देशों में मिला चीन को बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि अफ्रीकी देशों में डिफेंस कारोबार फैलाने के लिए अमेरिका के साथ साथ चीन और भारत जैसे देश भी लगातार कोशिश कर रहे हैं और अर्जेंटीना ने डेनमार्क से अमेरिकी सेकंड हैंड एफ-16 फाइटर खरीदने का फैसला किया है।

चीनी सौदे का फेल होने से अमेरिका को सुकून

अमेरिका के लिए चीनी सौदे का फेल हो जाना सुकून भरी खबर है, क्योंकि अमेरिका नहीं चाह रहा था कि चीनी फाइटर जेट्स उसके बैकयार्ड में उड़ान भरे।

अमेरिका ने दिए थे 40 मिलियन डॉलर

सौदे के बारे को लेकर तभी डील पक्की होने की उम्मीद बन गई थी, जब अमेरिका ने अक्टूबर 2023 में डेनमार्क को 24 एफ-16 फाइटर जेट अर्जेंटीना को बेचने की इजाजत दे थी और इतना ही नहीं, अर्जेंटीना के इस डिफेंस डील के लिए अमेरिका ने 40 मिलियन डॉलर का पैकेज भी अर्जेंटीना सरकार को जारी कर दिया था।

नाइजीरिया में अगवा किए गए 300 छात्र छूटे

कदुना। उत्तर पश्चिम नाइजीरिया के कदुना राज्य में दो हफ्ते पहले एक स्कूल से अगवा किए गए कम से कम 300 बच्चों को अब रिहा कर दिया गया है। अगवा किए छात्रों से 100 करोड़ की फिरौती मांगी गई थी। राज्य के गवर्नर दी. कदुना ने कहा कि कुरिगा शहर से सात मार्च को 287 विद्यार्थियों को अगवा किया गया था। राष्ट्रपति बोला टिनुबू ने सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को निर्देश दिया कि पीड़ितों को तुरंत बचाया जाए और कड़ी कार्रवाई की जाए।

चीन की नजर, यूएई से की साझेदारी

स्यूडो सैटेलाइट बनाने में भारत को मिली बड़ी कामयाबी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय कंपनी वेदा एयरोनॉटिक्स ने हाई-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म सिस्टम (एचएपीएस) निर्माण के लिए संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी मीरा एयरोस्पेस के साथ साझेदारी कर ली है। भारतीय वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशाला ने हाल ही में हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट पर सफल परीक्षण किया था और अब भारत, अपने सर्विलांस को मजबूत करने के लिए एचएपीएस प्लेटफॉर्म के निर्माण में मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। यह सैटेलाइट एक तरह का स्कैनर है।

हाई-एल्टीट्यूड प्लेटफ़ॉर्म सिस्टम

इस साल के आखिर तक ये उड़ान भरने में कामयाब हो जाएगा। यह 65,000 फीट की ऊंचाई पर पृथ्वी के समताप मंडल में उड़ता है। यह पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले उपग्रहों और वायुमंडल के भीतर उड़ने वाले ड्रोन के बीच अंतर को पाटता है।

चीन की मिलेगी हर जानकारी

करीब 65 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरते वक्त एचएपीएस सैटेलाइट के पास निगरानी करने के लिए एक विशालकाय क्षेत्र होगा और चीन क्या कर रहा है, इसकी सटीक जानकारी मिल सकेगी। इस सैटेलाइट से 500 किमी की क्षेत्र में स्कैनिंग पूरी तरह से हो पाएगी।

चंद्रमा का यह शिव शक्ति प्वाइंट हिमालय से कन्याकुमारी तक जुड़ाव का एहसास कराता है

'शिव शक्ति' होगा चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम, आईएयू से मिली मंजूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम 'शिव शक्ति' रखने की घोषणा की थी। इस ऐलान के करीब सात महीने बाद, इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू) ने 19 मार्च को इस नाम को मंजूरी दे दी। गजेटियर ऑफ प्लैनेटरी नोमेनक्लेचर के अनुसार, आईएयू वर्किंग ग्रुप फॉर प्लैनेटरी सिस्टम नोमेनक्लेचर ने चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर के लैंडिंग स्थल के लिए 'शिव शक्ति' नाम को मंजूरी दे दी है। 23 अगस्त, 2023 को विक्रम लैंडर की चंद्रमा पर ऐतिहासिक लैंडिंग के तीन दिन बाद पीएम मोदी ने बेंगलुरु में इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क में 'शिव शक्ति' नाम का ऐलान किया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि शिव में मानवता के कल्याण का संकल्प है और शक्ति हमें उन संकल्पों को पूरा करने की ताकत देती है। चंद्रमा का यह शिव शक्ति प्वाइंट हिमालय से कन्याकुमारी तक जुड़ाव का एहसास कराता है।

पौराणिक कथाओं से लिया गया शब्द

चंद्रयान-3 विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास एक जगह पर मार्कर के रूप में काम करना शुरू किया। गजेटियर ऑफ प्लैनेटरी नोमेनक्लेचर की घोषणा के अनुसार, नाम की उत्पत्ति को इस प्रकार परिभाषित किया गया है। भारतीय पौराणिक कथाओं से लिया गया शब्द जो प्रकृति के पुल्लिंग 'शिव' और स्त्रीलिंग 'शक्ति' को दर्शाता है।

23 अगस्त 2023 को विक्रम लैंडर की चंद्रमा पर लैंडिंग के

आईएयू ने 19 मार्च को दी पीएम मोदी द्वारा दिए 'शिव शक्ति'

चंद्रयान-2 की लैंडिंग प्वाइंट को मिला 'तिरंगा' नाम

चंद्रयान-3 की सॉफ्ट-लैंडिंग से पंद्रह साल पहले, भारत के चंद्रयान-1 ने मून इम्पैक्ट की जांच ने 14 नवंबर, 2008 को चंद्रमा की सतह पर असर डाला था। इस प्रभाव स्थल को जवाहर पॉइंट या जवाहर स्थल कहा जाता था। इसे अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ की ओर से नोटिफाई किया गया था। शिव शक्ति के अलावा, पीएम मोदी ने उस दिन यह भी घोषणा की थी कि जिस प्वाइंट पर चंद्रयान-2 ने अपने पैरों के निशान छोड़े थे, उसे 'तिरंगा' कहा जाएगा। उन्होंने कहा था कि यह भारत की ओर से किए जाने वाले हर प्रयास के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम करेगा और यह याद दिलाएगा कि असफलता अंत नहीं है।

भारत को गुप्त संदेश भेज रहे हैं

मोदी के 'चाणक्य' से चीनी डिप्लोमेट ने पूछा शांति पर सवाल

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन को लेकर ये मामला दुर्लभ इसलिए है, क्योंकि बिना हेड क्वार्टर के आदेशों के चीन के डिप्लोमेट्स एक शब्द भी नहीं बोलते हैं और किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दुश्मन देश से सवाल पूछना तो असंभव ही लगता है। पिछले दिनों नई दिल्ली में आयोजित मीडिया कार्यक्रम में चीनी दूतावास डिप्लोमेट झोउ योंगशेंग ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को मोदी सरकार का चाणक्य कहा जाता है, से पूछा कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसियों के रूप में कैसे समान हित को हासिल कर सकते हैं और प्रतिद्वंद्वी होने के बजाय क्या भागीदार बन सकते हैं?

समझौतों का पालन करें: जयशंकर

भारतीय विदेश मंत्री ने जवाब दिया कि मुझे लगता है कि यह हमारे सामान्य हित में है, एलएसी पर हम दोनों के इतने ज्यादा फोर्स नहीं होने चाहिए। यह हमारे साझा हित में है कि हम अपने बीच हुए समझौतों का पालन करें। आज के संदर्भ में ये सिर्फ साझा हित में नहीं, बल्कि चीन के हित में भी है। भारतीय विदेश मंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने पिछले 4 वर्षों से एलएसी के दोनों ओर मजबूत सैन्य उपस्थिति का जिक्र किया और कहा कि तनाव ने हम दोनों के लिए अच्छा काम नहीं किया है।

लोक सभा क्षेत्र
सतना
1 भाजपा प्रत्याशी
गणेश सिंह
2 कांग्रेस प्रत्याशी
सिद्धार्थ कुशवाहा

पिछली बार कौन जीता
गणेश सिंह
जीत का अंतर
2 लाख 31 हजार, 473

क्या रहेंगे मुद्दे?

सतना ऐसा लोकसभा क्षेत्र है, जहां राष्ट्रीय के साथ प्रादेशिक और स्थानीय मुद्दे भी चुनाव में असर डालते हैं। भाजपा यहां मोदी लहर पर सवार है, लेकिन सांसद गणेश सिंह से नाराजगी भी मुद्दा है। व्यक्तिगत नाराजगी के कारण ही वे विधानसभा का चुनाव हार गए। सतना में जातीय समीकरण भी मुद्दों की तरह काम करते हैं। कई समाजों की दूसरे समाजों से नहीं बनती। इसकी वजह से एक समाज एक जगह जाता है तो प्रतिद्वंद्वी समाज दूसरे दल की ओर रुख कर लेता है। भाजपा केंद्र एवं राज्य सरकार के कामों के बूते वोट मांगेगी और कांग्रेस उनकी नाकामियां गिनाएगी। कांग्रेस की अपनी गारंटियां भी चुनाव का मुद्दा हैं।

गणेश-सिद्धार्थ आमने-सामने, नारायण बिगाड़ेंगे खेल, एक बार त्रिकोणीय मुकाबले में बाजी मार चुकी बसपा

विंध्य की सतना सीट पर तीन महाबलियों में मुकाबला

विंध्य अंचल की सतना लोकसभा सीट में त्रिकोणीय मुकाबला हो सकता है। अंचल के तीन महाबली भाजपा के गणेश सिंह, कांग्रेस के सिद्धार्थ कुशवाहा और बसपा से नारायण त्रिपाठी मैदान में उतर चुके हैं। सिद्धार्थ विधानसभा चुनाव में गणेश को पराजित कर चुके हैं। अब दोनों लोकसभा चुनाव में भी आमने-सामने हैं। बसपा में हाल में शामिल पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी भी कम नहीं हैं। वे दोनों का खेल बिगाड़ने का माद्दा रखते हैं। इसीलिए अभी से यह कहना कठिन है कि पलड़ा किसका भारी है।

ग्राउंड रिपोर्ट

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

विंध्य अंचल की सतना लोकसभा सीट के लिए 1996 में हुआ चुनाव भुलाया नहीं जा सकता। तब प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सकलेचा भाजपा से और अर्जुन सिंह तिवारी कांग्रेस से मैदान में थे। बसपा ने यहां से सुखलाल कुशवाहा को प्रत्याशी बनाया था। चुनाव यादगार इसलिए है क्योंकि सुखलाल दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों अर्जुन सिंह और वीरेंद्र कुमार सकलेचा को हरा कर बाजी मार ले गए थे। सतना में एक बार फिर इसी तरह के मुकाबले के आसार हैं। भाजपा ने विधानसभा चुनाव हारने के बावजूद अपने सांसद गणेश सिंह पर फिर भरोसा किया है और कांग्रेस ने उन्हें चुनाव

गणेश सिंह

सिद्धार्थ कुशवाहा

नारायण त्रिपाठी

हरा कर विधायक बने सिद्धार्थ को ही उनके मुकाबले खड़ा किया है। बता दें कि सिद्धार्थ 1996 में अर्जुन सिंह और वीरेंद्र कुमार सकलेचा को हराने वाले सुखलाल कुशवाहा के ही बेटे हैं। बसपा की ओर से मैदान में हैं मैहर क्षेत्र से 4 बार विधायक रहे नारायण त्रिपाठी। क्षेत्र में ब्राह्मणों की तादाद सर्वाधिक लगभग साढ़े 5 लाख है। बसपा का अपना वोट बैंक है ही। इनकी दम पर नारायण भी जीत की उम्मीद कर रहे हैं। इसी आधार पर सतना में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार हैं। सतना विधानसभा चुनाव में पराजय से साफ है कि गणेश सिंह से लोग प्रसन्न नहीं हैं। गणेश सिंह मोदी लहर के भरोसे जीतने का दावा करते हैं, लेकिन लोगों की नाराजगी को काबू में करना उनके लिए बड़ी चुनौती है। कांग्रेस के सिद्धार्थ लगातार चौथा चुनाव लड़ रहे हैं। विधानसभा के दो चुनाव वे जीत चुके हैं। गांव- गांव फैला कुशवाहा समाज का वोट उनकी ताकत है। बसपा के नारायण दल बदल में अव्वल हैं। ब्राह्मण समाज में पकड़ उनकी ताकत बन सकती है।

विधानसभा के लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी

विधानसभा चुनाव में मिली सीटें और वोटों के लिहाज से सतना में भाजपा का पलड़ा भारी है। क्षेत्र की दो सीटों सतना और अमरपाटन में ही कांग्रेस का कब्जा है जबकि शेष पांच सीटें भाजपा के पास हैं। कांग्रेस से खुद सिद्धार्थ सतना से विधायक हैं और दूसरे अमरपाटन से पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र कुमार सिंह। कांग्रेस का दोनों सीटों में जीत का अंतर 10 हजार 531 वोटों का ही रहा, जबकि भाजपा ने पांचों सीटें 1 लाख, 4 हजार 74 वोटों के अंतर से जीती हैं। इस तरह भाजपा को विधानसभा चुनाव में ही लगभग 95 हजार वोटों की बढ़त हासिल है। सतना भाजपा के गढ़ के रूप में भी तब्दील है। 1998, 1999 के दो चुनाव रामानंद सिंह जीते और चार बार से गणेश सिंह सांसद हैं।

सतना जिले को मिला कर बनी लोस सीट

सतना लोकसभा सीट में कोई मिलावट नहीं है। जिले की सभी सात विधानसभा सीटें इसके तहत आती हैं। ये सीटे हैं चित्रकूट, रैगांव, सतना, नागौद, मैहर, अमरपाटन और रामपुर बघेलान। कोई दूसरा जिला इसमें शामिल नहीं है। क्षेत्र में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह और अमरपाटन से विधायक राजेंद्र सिंह भी ताकतवर हैं। अजय सिंह 2014 में यहां से चुनाव लड़ चुके हैं और लगभग 8 हजार वोटों के अंतर से ही हारे थे। उनके पिता पूर्व मुख्यमंत्री स्व अर्जुन सिंह भी यहां से सांसद रहे हैं। इस नाते उनके समर्थकों की अच्छी खासी तादाद क्षेत्र में है। यदि सिद्धार्थ को अजय सिंह और राजेंद्र कुमार सिंह का साथ मिल जाए तो वे कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

ब्राह्मण ज्यादा, पिछड़ा वर्ग भी कम नहीं

सतना लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्षेत्र में ब्राह्मण मतदाताओं की तादाद सबसे ज्यादा लगभग साढ़े 5 लाख के आसपास है। यह वर्ग गणेश सिंह से नाराज बताया जाता है। इसका लाभ बसपा के नारायण त्रिपाठी को मिल सकता है। दलितों का एक हिस्सा बसपा को वोट देता ही है। दूसरे नंबर पर लगभग डेढ़ -डेढ़ लाख पटेल और कुशवाहा समाज के मतदाता हैं। इनका क्रमशः भाजपा के गणेश और कांग्रेस के सिद्धार्थ के पास जाना तय है। इनके अलावा पिछड़े वर्ग की अन्य जातियां भी काफी तादाद में हैं। इनका भाजपा और कांग्रेस के बीच बंटवारा हो सकता है।

फर्स्ट टाइम वोटर

पहली बार वोट देंगे और अपनी मनपसंद सरकार को चुनेंगे

पहली बार वोट डालेंगे और अपनी मनपसंद सरकार को चुनेंगे। मैं अपने मतदान का प्रयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को विजयी बनाने के लिए उत्साहित हूं। इस चुनाव में युवा मत का उपयोग कर योग्य उम्मीदवार को लोकसभा तक पहुंचाएंगे। इस बार किस दल की सरकार बनेगी, यह काफी हद तक युवाओं पर निर्भर करेगा। युवा जिस दल के पक्ष में अपना मत डालेगा सरकार उसकी बनेगी।

अभिषेक श्रीवास्तव, युवा मतदाता

मेरा वोट भ्रष्टाचार, रोजगार व विकास के मुद्दों पर निर्भर रहेगा

लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान करूंगा। अपने मतदान का प्रयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को विजयी बनाएंगे। मेरा मत भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और विकास के मुद्दों पर निर्भर करेगा। जो सरकार इन मुद्दों पर खरी उतरेगी, उसी के प्रत्याशी को अपना मत दूंगा, ताकी अच्छी सरकार चुनकर सता में आए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करके मतदान प्रतिशत को बढ़ाना चाहिए। मैं खुद भी मतदान करने जाऊंगा, दूसरों को भी ले जाऊंगा।

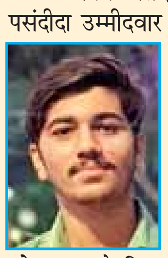

निखिल कौरव, युवा मतदाता

सी-विजिल एप पर 22 मार्च तक मिलीं 173 शिकायतें

मप्र में आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल एप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं। 22 मार्च तक प्रदेश के सभी जिलों से इस एप के माध्यम से कुल 173 शिकायतें प्राप्त हो चुकीं हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है। इस एप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि शिकायत के बाद महज एक घंटे के अंदर इस पर कार्रवाई शुरू हो जाती है। शिकायतों का निराकरण भी उसी वक्त होता है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश के नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। इसके लिए नागरिक को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा।

जैसा मैंने देखा था

चुनाव...

चुनाव सुधार को लेकर टीएन शेषण आते हैं याद, तब सत्ता पक्ष व विपक्ष एक ही कतार में आते थे नजर

भारतीय लोकतंत्र में यह समय ऐसा चल रहा है कि लोगों को ईवीएम की सत्यता पर भी संदेह होने लगा है। इसको लेकर जिम्मेदार लोगों को सत्ता पक्ष और विपक्ष की बात सुनना चाहिए और प्रयास करना चाहिए कि दोनों ही पक्ष संतुष्ट हो सकें। वर्तमान समय में वो बात नहीं रही कि जिम्मेदार लोगों की बात पर पूरी तरह से विश्वास कर लिया जाए। जबकि इन लोगों को पारदर्शिता के साथ काम करने के अलावा हर पक्ष की संतुष्ट करना चाहिए। लोकसभा चुनाव 2024 में एक बात को लेकर लोग यह सोचने को मजबूर हैं कि सही चुनाव होते भी हैं या नहीं। चुनाव को लेकर लग रहे आरोप को संबंधित लोग सत्ता पक्ष की तरह बात क्यों करते हैं। इस कारण लोगों को टीएन शेषन का समय याद आ जाता है, जब उन्होंने चुनाव सुधार इस तरह से किए कि सत्ता और विपक्ष एक कतार में ही नजर आने लगे थे। चुनाव को लेकर किसी को इतनी हिम्मत नहीं होती थी कि मतदान या आचार संहिता को लेकर किसी प्रकार का आरोप कोई लगा सके। टीएन शेषन जो बात करते थे, उस पर अमल तुरंत होता था। सत्ता और विपक्ष के बीच चुनाव के समय कोई अंतर नहीं दिखता था। उस समय किसी की हिम्मत नहीं थी कि चुनाव कार्यप्रणाली को लेकर कोई आरोप लगा सके। उस समय का ही माहौल आज के समय में तैयार करना होगा, वर्ना धीरे-धीरे लोगों का विश्वास उठता चला जाएगा।

अरुण दीक्षित
वरिष्ठ पत्रकार

जो हो न सका...

भोपाल में वेयर हाउस और लॉजिस्टिक हब बनाने की तैयारी की, पहले कार्यकाल का समय पड़ गया कम

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रचार में कई बाते सामने आ रही थीं कि राजधानी को कई सौगात देना है। इस तरह के कई काम हुए भी हैं, जिनमें निशातपुरा में उपज या अन्य प्रकार का सामान रखने के लिए वेयर हाउस का निर्माण वर्ष 2020 से 2022 के बीच हुआ। इसी तरह पूरे भोपाल व यहां के लोकसभा क्षेत्र में वेयर हाउस हब और लॉजिस्टिक हब बनाने की प्लानिंग फाइलों के अंदर दौड़ गई थी। सांसद द्वारा संबंधित विभागों के माध्यम से केंद्र सरकार के दिल्ली स्थित मंत्रालयों तक यह तय हो गया था कि भोपाल लोकसभा क्षेत्र में वेयर हाउस हब और लॉजिस्टिक हब बनाने की तैयारी करना है। कब करना है और किस तरह से होगा, इसकी चर्चा होना शेष रह गया था और सांसद को उम्मीद थी कि वर्ष 2024 से पहले यह काम पूरा नहीं हुआ तो कम से कम शुरू तो हो जाएगा। भोपाल लोकसभा क्षेत्र के लोगों की उम्मीद ही रह गई और यह काम शुरू होने की बात तो दूर दिल्ली से फाइल तक नहीं लौट पाई।

फाइल भेजी, पर लौटी नहीं

भोपाल लोकसभा क्षेत्र की सबसे पुरानी व बड़ी मांग थी कि यहां वेयर हाउस हब और लॉजिस्टिक हब बन जाए तो बैंगलुरु की तरह यहां के उत्पादकों के अलावा युवाओं व स्टार्टअप से जुड़े युवाओं को इससे लाभ मिल सके। साथ ही रोजगार बढ़ने की भी अपार संभावना थीं, लेकिन अब तो सिर्फ यही कहा जा सकता है कि जो हो न सका......।

जानिए आदर्श आचार संहिता.....

यदि मंत्री शासकीय भ्रमण पर हों और जिला मुख्यालय में सर्किट हाउस में ठहरें, तो हमेशा के अनुसार गार्ड लगाई जाए। (पचमढ़ी को जिला मुख्यालय माना जाएगा) यदि मंत्री किसी के निजी मकान पर ठहरें, तो गार्ड का प्रबंध न किया जाए। यदि मंत्री गांवों के दौरे के समय किसी रेस्ट हाउस में ठहरें, तो भी गार्ड का प्रबंध करने की जरूरत नहीं है। जहां तक मंत्री की खुद की सुरक्षा का प्रश्न है, उनके साथ बाडीगार्ड रहता ही है। यदि पुलिस अधीक्षक यह महसूस करते हैं कि किसी विशेष कारण से अतिरिक्त सुरक्षा की व्यवस्था करना आवश्यक है, तो वह बगैर वर्दी के एक या दो सिपाही लगा सकते हैं। यह पुलिस अधीक्षक के विवेक पर निर्भर करेगा कि वे सिपाही हथियार सहित रहेंगे, या बगैर हथियार के रहेंगे। नियमों में यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार निर्वाचन की घोषणा के दिनांक से लेकर निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण होने तक की अवधि में केन्द्र या राज्य शासन के कोई मंत्री ऐसे निर्वाचन क्षेत्र में शासकीय दौरा नहीं करेंगे।

शिवराज इछावर में

अरबों की दौलत के बराबर है बहन-बेटियों का आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को विदिशा लोकसभा क्षेत्र की इछावर विधानसभा के ग्राम ब्रिजिस नगर में आयोजित भगोरिया उत्सव में सहभागिता की।

पूर्व मुख्यमंत्री चौहान, भगोरिया उत्सव में पारंपरिक वेशभूषा और हाथों में तीर-कमान लेकर ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते नजर आए। इस दौरान पूर्व सीएम ने कहा कि बहनों और बेटियों की ये निधि मेरे लिए अरबों की दौलत से भी बढ़कर हैं। बहनों ने भगोरिया उत्सव के खर्च में से राशि बचाकर चौहान को भेंट की। छात्रा मुस्कान राठौर ने गुल्लक भेंट की।

जमीन के विवाद को लेकर की बड़े भाई की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

कोंडागांव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र के ग्राम डूमरपदर मैनपुर में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई पर ईंट और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जहां उपचार के दौरान बड़े भाई ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रार्थीया पांचोबाई यादव पति शिवप्रसाद ने मामला दर्ज कराई कि 22 मार्च के शाम 5 बजे आरोपी देवर शिवराज यादव घर आकर भाभी पंचो बाई के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी बातों में ही आकर उसकी पत्नी राजोबाई यादव उसे छोड़कर मायके चली गई है, इसके अलावा जिस जमीन पर पानी नही आता, ऐसी जमीन फसल करने के लिए देने की बात कहते हुए गाली गलौज करने लगा, जिस पर बड़े भाई शिवप्रसाद यादव के समझाने पर आरोपी शिवराज यादव एकाएक ईटा से शिवप्रसाद के सिर में मारने के साथ ही घर में रखे कुल्हाड़ी से बाए हाथ कंधा के पास हमला कर फरार हो गया।

घायल शिवप्रसाद को गंभीर चोट आने से अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना केशकाल में धारा 294, 323, 506, 302 भादंवि का अपराध दर्ज कर जांच में लिया गया। आरोपी की पता तलाश के लिए टीम गठित कर आरोपी के छिपने के संभावित स्थानों पर तलाश किया गया। आरोपी भागने के फिराक में था, जिसे गांव वालों की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया।

उरगा थाना क्षेत्र के गिधौरी गांव का मामला

एक ही परिवार के सात लोग हुए फूड पॉइजनिंग के शिकार, दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

कोरबा में एक ही परिवार के सात लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए, जहां एक चार साल की मासूम बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई, वहीं दो की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है जिन्हें जिला मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पूरा मामला उरगा थाना क्षेत्र के गिधौरी गांव का है जहां श्रवण कुमार का परिवार निवास करता है उसकी पत्नी राजकुमारी दो बेटा और एक बेटी हैं।

रविवार को पति पत्नी और बच्चे समेत पड़ोस में रहने वाले दो और बच्चे एक साथ रोटी और चाय का सेवन किया इसके कुछ घंटे बाद ही धीरे-धीरे उल्टी और मुंह से झाग निकलने लगा। एक के बाद एक सभी की हालत बिगड़ने लगी इसकी सूचना 112 और 108 को दी गई जहां मौके पर पहुंची संजीवनी वहां के माध्यम से सभी को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

इस घटना में श्रवण कुमार की इकलौती बेटी चार वर्षीय अमृता कंवर और बेटे अनंत कंवर की मौत हो गई है। वहीं उसकी पत्नी राजकुमारी, बेटा देवव्रत कुमार और भाई के दो बच्चे सेमकरण कंवर, तेजस्विनि कंवर जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

पीड़ित परिवार के परिजन वृंदा कंवर ने बताया कि उसे सूचना मिलने पर वह जिला मेडिकल कॉलेज पहुंची जहां जानकारी मिला कि सभी ने एक साथ रोटी और चाय का सेवन किया था इसके बाद तबीयत बिगड़ने लगी और अस्पताल में भर्ती किया। जिला मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर जीएस कंवर ने बताया कि एक ही परिवार के सात लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार हुए हैं सभी का इलाज तत्काल शुरू कर दिया गया है। कोरबा लोकसभा की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने जिला अस्पताल पहुंचकर सभी प्रभावितों का हाल जाना। सांसद ने मृतक मासूम अमृता व आनंद के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया।

सीएम डॉ.यादव ने रतलाम में प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा-

सबका साथ-सबका विकास के सूत्र वाक्य पर चलते हैं पीएम मोदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है। 2024 का लोकसभा चुनाव कार्यकर्ताओं की ताकत से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की विशेषता है कि वह छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को सम्मान देती है। भाजपा का कार्यकर्ता होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात रतलाम के रूद्र पैलेस में प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए कही।

खास बातें

- कार्यकर्ताओं की ताकत से सभी सीटें जीतेगी भारतीय जनता पार्टी
- भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल

भाजपा का परिवार लगातार बढ़ रहा है: सीएम डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद कई विकास और लोककल्याणकारी कार्य किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी सबका साथ-सबका विकास के सूत्र वाक्य पर चलते हैं और हमें भी प्रदेश को आगे ले जाना है। भाजपा का परिवार लगातार बढ़ रहा है और हमें सबको साथ लेकर चलना है।

गरीबों का अपमान नहीं सहेगी भाजपा सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों का अपमान किसी को करने नहीं दिया जाएगा और बहनों के मान-सम्मान में भी कोई कमी नहीं आएगी। भाजपा की सरकार गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों की सरकार है। हर कार्यकर्ता को मोदीजी बनना है और घर-घर जाकर भाजपा के लिए वोट मांगना है। आप खुद को प्रत्याशी समझकर चुनाव लड़ेंगे तो निश्चित रिकार्ड मतों से जीतेंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष शर्मा बोले-

कार्यकर्ता घर-घर जाकर मोदी गुलाल लगाएंगे, मोदी की राम-राम पहुंचाएंगे, 64523 बूथों पर होगा होली मिलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के सभी 64523 बूथों पर 25 मार्च को होली मिलन आयोजन करेगी। पार्टी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ पर बूथ समिति, पन्ना प्रमुखों व वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ होली मिलन का कार्यक्रम करेंगे।

कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को मोदी गुलाल लगाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से लोगों को होली की राम-राम कहेंगे। होली मिलन का यह अभियान प्रदेशभर में होली के असर पर चलाया जाएगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कही। शर्मा ने कहा कि बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले होली मिलन अभियान में मोदी गुलाल' भी होगा और गुजिए भी होंगे। भाजपा एक परिवार है और हम सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परिवार हैं।

रंगों का मदमस्त होली का त्यौहार आज

आज होगी रंगों की बौछार उड़ेगा रंग गुलाल

जबलपुर। रंगों का मदमस्त रंग रंगीला त्यौहार होली सोमवार 25 मार्च को धुरेड़ी के दिन रंग अबीर के साथ परंपरागत तरीके से मनाया जाएगा। गिले शिकवे भूलकर लोग आज एक दूसरे से गले मिलेंगे और रंगों से सराबोर होंगे। पिछले कुछ वर्षों से होली का यह मदमस्त त्यौहार अराजक तत्वों ने उत्पात मचाकर बदरंग बनाने की कोशिशें कीं जिससे यह त्यौहार धीरे-धीरे परंपरागत से हटकर औपचारिक होकर रह गया है। अब नन्हे-मुन्ने बच्चे ही उत्साह और उमंग के साथ रंग गुलाल उड़ाते हैं।

सियासी रंग भी नजर आएंगे

इस बार लोकसभा चुनाव होने के कारण होली में सियासी रंग भी नजर आएंगे। बाजारों में मोदी मुखौटा, मोदी पिचकारी और टीशर्ट भी खूब बिकी। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये पिछले 1 हफ्ते से ही थाना संभाग स्तर पर फ्लैग मार्च निकाले, ताकि गुंडे, बदमाशों में भय रहे और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना बनी रहे।

होली मिलन समारोह पर आयोग की नजर

होली के पवन पर्व पर सामाजिक संगठनों द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है।राजनीतिक दल भी होली मिलन समारोह के माध्यम से समाजों तक पहुंचने का प्रयास करेंगे।बैनर तो समाज का होगा, वास्तव में होली मिलन समारोह राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों द्वारा प्रायोजित होगा। इसके लिए राजनीतिक दलों से जुड़े कार्यकर्ताओं के माध्यम से होली मिलन समारोह आयोजित करने की पूरी तैयारी की जा रही है। आदर्श संहिता लगी होने के कारण इस बार सामाजिक संगठनों के होली मिलन समारोह पर चुनाव आयोग की नजर रहेगी।

सेन्ट्रल जेल में नहीं मनेगी भाईदूज!

जबलपुर।

होली के बाद भाईदूज पर बहनें यदि जेल में बंद भाइयों को माथे पर टीका करने जाने की सोच रही हैं तो उनके लिए अच्छी खबर नहीं है। लोकसभा चुनाव के चलते इस बार भी आचार संहिता लागू है और भाईदूज का त्योहार जेल में नहीं मनाया जाएगा। दीपावली की दौज पर भी विधानसभा चुनाव के चलते बहनें निराश होकर लौटी थीं। बहनों ने सेन्ट्रल जेल के बाहर हंगामा भी किया था। पर जेल प्रशासन का कहना था कि उनको विभाग से आदेश नहीं मिला है। इस बार भी अभी तक आदेश नहीं आए हैं।

सेन्ट्रल जेल में सजा काट रहे बंदियों को इसबार होली के त्योहार के बाद भाईदूज पर बहनों से मिलना नहीं हो पाएग। उनका माथा चुनाव आचार संहिता के चलते सूना ही रह जाएगा। बीते तीन साल से कोरोना महामारी के चलते जेल में भाई-बहन की मिलाई पर प्रतिबंध था, लेकिन पिछले साल यह मिलाई होली पर ही शुरू हुई थी। होली और रक्षा बंधन पर बहनों ने भाइयों के माथे पर टीका भी किया और मिठाई भी खिलाई, लेकिन इस बार होली पर लोकसभा चुनाव के चलते आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू है। ऐसे में जेल के बंदर मिलााई पर रोक है।

आचार संहिता के चलते इस बार भी सूना रहेगा जेल में बंद भाइयों का माथा

दीपावली पर भी नहीं हुई थी मिलाई

इससे पहले विगत साल 2023 में दीपावली पर विधानसभा चुनाव के चलते आचार संहिता लागू होने पर जेल में बहनें अपने भाइयों के माथे पर मंगल टीका नहीं कर पाई थीं। उन्हें उम्मीद थी कि होली पर भाइयों से मुलाकात कर इसकी भरपाई कर लेंगी, लेकिन होली से पहले ही आचार संहिता लग गई। आचार संहिता लगते ही बहनें मायूस है कि इस बार भी वह भाइयों से नहीं मिल पाएंगी और उनका माथा सूना रहेगा।

प्रदेश सरकार ने शुरू कराई थी भाईयों से मिलाई

पहले मुख्य त्योहारों पर बहनें खुले मैदान में अपने भाइयों से मिलाई करती थीं, कोरोना महामारी आने पर आमने-सामने की मिलाई बंद कराकर जेल प्रबंधन ने कांच की दीवार बनाकर टेलीफोन से बातचीत की व्यवस्था की थी। गत वर्ष रक्षाबंधन पर मिलाई ना होने से जेल में भाइयों की कलाई सुनी रहने का पता चलते ही प्रदेश सरकार ने दूसरे दिन रक्षाबंधन का पर्व जेल में मनवाया था और खुले मैदान में मिलाई कराकर बहनों ने भाइयों की कलाई पर प्रेम का धागा बांधा था।

टास्क कंपनी का एजेंट बनकर किया करोड़ों का फर्जीवाड़ा

फायनेंस कराकर एग्रीमेंट के बाद बेच देते थे नई कारें

जबलपुर।

कंपनी में लक्जरी कारों को अटैच करने के नाम पर वाहन मालिकों से धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग एक करोड़ की आठ नई कारे बरामद की है। पकड़े गए आरोपी टास्क कंपनी का अभिकर्ता बताकर कंपनी में अनुबंध के माध्यम से लग्जरी कार अटैच कराने के नाम पर धोखाधड़ी करते थे। पुलिस कंट्रोल रूम में इस मामले में खुलसा करते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सुश्री सोनाक्षी सक्सेना ने पत्रकारों को बताया कि विगत दिनों पहले इस मामले में खईपुरा खेरमाई वार्ड निवासी सत्येंद्र सिंह ने ओमती थाने में शिकायत कर बताया था कि पीयूष नायडू, पंकज खत्री, नवीन खत्री, अरुण मसीह और रेशू मसीह ने अपने आप को उसे कंपनी का अभिकर्ता बताया। आरोपियों ने उसे बताया कि वह उसकी नई कार कंपनी में अटैच करवा देंगे। आरोपियों के झांसे में आते हुए सत्येंद्र सिंह ने अपनी नई स्विफ्ट कार पीयूष नायडू से एग्रीमेंट करके उसे सौंप दी। सत्येंद्र सिंह ने ओमती थाने में शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि पहले तो सब कुछ ठीक रहा लेकिन थोड़े दिन वह बाद उसे पता चला कि उसकी कार आरोपियों ने मिलकर गुजरात के सूरत शहर में जाकर बेच दी है। इस मामले की जानकारी लगते ही ओमती थाने की पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की गई। जहां पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश करते हुए पंकज खत्री पीयूष नायडू और नवीन खत्री को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से बेची गई एक अर्टिगा कार, बलेनो कार एवं टाटा टिगोर कार जब्त की गई थी। इस मामले के दो आरोपी अरुण मसीह और रेशु मसीह अभी फरार हैं।

2 आरोपी फरार है

पुलिस द्वारा जब आरोपियों को थाने लाकर सघन पूछताछ की गई तो उन्होंने दूसरों को बेची गई अन्य पांच कारो के बारे में बताया। इस प्रकार पुलिस ने कुल आठ कारे लगभग एक करोड़ की जब्त करते हुए फरार आरोपी अरुण मसीह और रेशु मसीह की तलाश शुरू कर दी है।

आदतन अपराधियों की जमानत निरस्त करायें

समीक्षा बैठक में थाना प्रभारियों को एसपी के निर्देश

जबलपुर।

पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने कहा है कि आगामी होली पर्व व लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए आदतन अपराधियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करें। यदि कोई आदतन अपराधी जमानत पर रिहा हुआ है तो उसकी जमानत निरस्त करायें। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह यहां कंट्रोल रूम में जिले में पदस्थ पुलिस राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों की बैठक ले रहे थे। एसपी श्री सिंह ने बैठक में राजपत्रित पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे चुनाव आयोग व पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि होली पर्व के दौरान सूचना तंत्र को मजबूत करें। इसके लिए थाना स्तर पर होलिका उत्सव समितियों एवं शांति समिति की बैठक के दौरान जो सुझाव आये हैं। उस पर अमल करें तथा जो समस्यायें आई हैं उनका निराकरण करें। पुलिस अधीक्षक ने आदर्श आचार संहिता को देखते हुए सभी शास्त्र लायसेंस दारानों के लायसेंस निरस्त कर दिए गये हैं। थाना क्षेत्र के सभी शस्त्र लायसेंसधारियों से शास्त्र आवश्यक रूप से जमा करवा लें। जिन्होंने शस्त्र जमा नहीं करे हैं। उनके विरुद्ध धारा 188 के तहत कार्यवाही करें। बैठक में एएसपी शहर सुश्री सोनाक्षी सक्सेना, एएसपी अपराध समर वर्मा व एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा मौजूद रहे।

अभी तक 102 शिकायतों का निराकरण

जबलपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता एवं संपत्ति विरूपण अधिनियम से संबंधित अभी तक प्राप्त 116 शिकायतों में से 102 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। इनमें सी-विजिल एप पर अभी तक प्राप्त सभी तीन शिकायतें भी शामिल है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार सी विजिल एप पर अभी तक तीन शिकायतें ही प्राप्त हुई हैं। इन सभी शिकायतों का एफएसटी दलों द्वारा तय समय सीमा के भीतर निराकरण किया जा चुका है। सी विजिल एप के अलावा निर्वाचन से संबंधित ऑफ लाइन प्राप्त 21 शिकायतों में से 13 को निराकृत कर दिया गया है तथा आठ पर कार्यवाही जारी है। इसी प्रकार जिला संपर्क केंद्र के टोल फ्री नम्बर 1950 पर प्राप्त 71 शिकायतों, सूचनाओं एवं सुझावों में से सभी का तथा एनजीएसपी 2.0 पोर्टल पर प्राप्त 21 शिकायतों में से 15 का निराकरण किया जा चुका है।

नोटिस बोर्ड पर लगाना होगी दाखिल नामांकन पत्रों की सूची

जबलपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन की सूचना जारी होने के बाद नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया के दौरान नामांकन दाखिल करने वाले अभ्यर्थियों की प्रतिदिन की सूची रिटर्निंग अधिकारी कक्ष के बाहर लगे नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करनी होगी । प्रारूप तीन क में प्रदर्शित की जाने वाली इस सूची में नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों के नाम, पिता या पति का नाम, आयु, निवास, नामांकन राजनैतिक दल की ओर से भरा गया है या निर्दलीय तथा नामांकन के दाखिल किये गये सेट की संख्या से संबंधित जानकारी शामिल रहेगी।

ईव्हीएम की हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी दी जायेगी

लोकसभा चुनाव : मतदान कर्मियों का पहले चरण का प्रशिक्षण 28 से

जबलपुर।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तहत मतदान दल में शामिल अधिकारियों-कर्मचारियों को पहले चरण का प्रशिक्षण 28 मार्च से 1 अप्रैल तक पीएसएम कॉलेज और मॉडल स्कूल में दिया जायेगा । प्रशिक्षण पाँचो दिन तीन-तीन सत्र में सुबह 8 से 10.30 बजे तक, सुबह 11.30 से दोपहर 2 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित किया जायेगा। पहले चरण में लगभग 14 हजार मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण प्रभारी उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास रवि आम्रवंशी के अनुसार पहले चरण के प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं व्हीव्हीपेट मशीन की हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी दी जायेगी । मतदान कर्मियों को पीएसएम कॉलेज के 10 तथा मॉडल स्कूल के 16 कक्षों में प्रशिक्षण दिया जायेगा । प्रत्येक कक्ष में 40-40 मतदान कार्मिकों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान की प्रक्रिया की बारीकियां बताई जायेंगी तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से अवगत कराया जायेगा । मतदान कार्मिकों को ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट की हैंड्स ऑन ट्रेनिंग देने प्रत्येक कक्ष में तीन-तीन ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनें भी रखी जायेगीं । इनके अलावा पीएसएम कॉलेज के दो हॉल में 20-20 और मॉडल स्कूल के एक हॉल में एक साथ 50 ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनें हैंड्स ऑन ट्रेनिंग के लिये रखी जायेंगी।

निर्वाचन कर्त्तव्य प्रमाण पत्र के लिये आवेदन भी भरवाये जायेंगे

प्रशिक्षण प्रभारी श्री आम्रवंशी ने बताया कि पहले चरण के प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक मतदान कर्मी से निर्वाचन कर्त्तव्य प्रमाण पत्र (ईडीसी) जारी करने निर्धारित प्रारूप में आवेदन भी भरवाये जाएंगे । उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के पहले चरण में भरे हुये आवेदन प्राप्त करने के बाद सात अप्रैल से प्रारम्भ होने वाले दूसरे चरण के प्रशिक्षण में मतदान कर्मियों को निर्वाचन कर्त्तव्य प्रमाण पत्र (ईडीसी) जारी किये जायेंगे ताकि वे इनके माध्यम से मतदान के दिन ड्यूटी वाले मतदान केंद्र पर ही अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें।

प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने पर होगी कठोर कार्यवाही

उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास ने बताया कि प्रशिक्षण में मतदान दलों में शामिल सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना द्वारा दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि मतदान कर्मियों को तय समय के पूर्व प्रशिक्षण के निर्धारित स्थल पर उपस्थित होना होगा। उनकी उपस्थिति दर्ज करने अलग से अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण स्थल पर तैनात किया जा रहा है। प्रशिक्षण से अनुपस्थिति को निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति गम्भीर चूक और लापरवाही माना जायेगा तथा ऐसे अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम एवं मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

बेरिकेट्स और मंच आदि का खर्च प्रत्याशी के खाते में जुड़ेगा

जबलपुर। कोई भी राजनैतिक नेता दलीय प्रचार से हटकर किसी अभ्यर्थी के पक्ष में प्रचार-प्रसार करता है तब उस कार्यक्रम पर किया गया व्यय उम्मीदवार के खाते में डाल दिया जायेगा। दलों और आयोजकों के द्वारा किये जाने वाले कार्यक्रम सुरक्षा प्रबंध को ध्यान में रखते हुए सरकारी एजेन्सियों द्वारा बैरीकेट या मंच इत्यादि का निर्माण किया जाता है, तब उस निर्वाचन क्षेत्र से लड़ रहे उम्मीदवार के खाते में व्यय डाला जायेगा। यदि उस कार्यक्रम में अन्य क्षेत्र के अभ्यर्थी भी सम्मिलित होते हैं तो उनका व्यय भार समान रूप में बांटा जायेगा। बेरीकेट या मंच आदि पर सरकारी एजेन्सियों द्वारा किये गये व्यय की जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा तीन दिवस में उम्मीदवार को दी जायेगी जिसे उनके खाते में डाला जाएगा।जब उम्मीदवार, राजनैतिक नेता अथवा आयोजक स्वयं के खर्चे से मंच अथवा बेरीकेट का निर्माण करता है तो उस कार्यक्रम में उपस्थित उम्मीदवार के खाते में राशि दर्शायी जायेगी इस राशि का सत्यापन नामित अधिकारी द्वारा किया जायेगा। जहां सरकारी एजेन्सियों द्वारा मंच आदि का निर्माण किया जाता है। ऐसी स्थिति में उम्मीदवार, राजनैतिक नेता अथवा आयोजक पूर्व से अनुमानित राशि जमा करेगा।

अब 1 अप्रैल से ऑफलाइन भर पाएंगे आईटीआर

वित्त मंत्रालय ने कितनी तरह का जारी किया सहज-सुगम फॉर्म

जबलपुर। इनकम टैक्स विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 यानी एसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए जेसन सुविधा यानी ऑफलाइन फॉर्म आइटीआर-1 (सहज) और आइटीआर-4 (सुगम) जारी कर दिया है। इनका उपयोग टैक्सपेयर 01 अप्रेल, 2024 से इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए कर सकते हैं। जेसन सर्विस का इस्तेमाल पहले से भरे हुए डिटेल्स को ऑफलाइन फार्मेट में डाउनलोड या इंपोर्ट करते समय किया जाता है। साथ ही इसका उपयोग ऑफलाइन तरीके से भरी गई आइटीआर को जेनरेट करते समय भी किया जाता है।

इनकम टैक्स विभाग आइटीआर को ऑनलाइन या आंशिक ऑफलाइन मोड के जरिए दाखिल करने की अनुमति देता है। ऑनलाइन तरीके से आरटीआर भरते समय जरूरी ट्रांजैक्शन, टैक्स का ब्योरा और अन्य जानकारियां पहले से ही भरी होती हैं। विभाग यह विवरण फॉर्म-16 और फॉर्म-26एएस से लेता है और आरटीआर में ऑटोमटिक तरीके से दर्ज कर देता है। टैक्सपेयर को केवल उन्हें सत्यापित करना होता है। इसके बाद फॉर्म का जमा कर ई-सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होती है।

ऑफलाइन आईटीआर के लिए जेसन माध्यम

जेसन सर्विस का इस्तेमाल कर आइटीआर फॉर्म को ऑफलाइन तरीके से भरा जाता है। इसके लिए जेसन यूटिलिटी फॉर्म डाउनलोड करना होगा। इसके बाद टैक्सपेयर को फाइनेंशियल ईयर के लिए लागू आय और अन्य आवश्यक विवरण खुद से भरने होंगे। यह सुविधा उन करदाताओं के लिए है, जिनके आयकर और लेनदेन विवरण अधिक होते हैं और फॉर्म-26एएस में नहीं दिखते हैं। इसके लिए करदाता को खुद से विवरण अपडेट करने की सुविधा दी जाती है। एक बार सभी जानकारी भरने के बाद इसे ई-फाइलिंग वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है।

देर रात हुये होलिका दहन के साथ आज रंगो की ठिठोली

आज उड़ेगा रंग और गुलाल

फागुन पूर्णिमा पर बुराई की प्रतीक होलिका दहन के बाद आज उमंग उत्साह के साथ रंग अबीर की बौछारें छूटेगीं, लोग एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर सभी रागद्वेष भूल जायेगें।

हरिभूमि सिहोरा।

नगर में दर्जनों स्थानों में विभिन्न मुद्राओं में होलिका की प्रतिमा स्थापित की गई थी जिनका दहन देर रात तक चलता रहा और उमंग का पर्व आज नगर में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। गत देर रात होलिका दहन के पश्चात ही रंग गुलाल उडऩे के साथ रंगो के पर्व का शुभारम्भ हो गया है। और इस पांच दिवसीय रंगोत्सव के पहले दिन रंग उड़ाने और होली खेलने बच्चे बेतावी से इंतजार कर रहे थे।

धुरेड़ी आज अनेक कार्यक्रम आयोजित

आज जगह जगह होली मिलन समारोह के अलावा बाजार सहित सघन बस्तियों में सामुहिक होली कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें और आज सोमवार को रंगो की बौछार के साथ धुरेड़ी का पर्व मनाया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्रो में भी फाग के गीतो के साथ रंग ही रंग उड़ता दिखाई देगा। होली के पर्व को देखते हुये जहाँ लोगो ने अपनी पूरी तैयारी कर ली है वही कुछ लोग कल रात तक बाजारो में रंग और पिचकारी खरीदने पहुँचे। धुरेड़ी के दिन भी रंगो की दुकान सजी रहेगी। एक दिन पहले शराब के साथ भांग की दुकानों में भी भारी भीड देखी गई।

त्यौहार शांति पूर्वक सपन्न कराने पुलिस मुस्तेद

होली का त्यौहार शांतिपूर्वक संपन्न कराने पुलिस पूरी तरह से मुस्तेद है। सिहोरा थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया सभी लोग एक दुसरे के साथ मिलकर त्यौहार मनाये इस समय चुनाव की आचार संहिता प्रभावशील है और रमजान पर्व भी चल रहा है इसलिए कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे दुसरो को परेशानी हो और पुलिस को कार्यवाही करने बाध्य होना पड़े।आगे बताया नगर में 3 एंव ग्रामीण क्षेत्र में 5 पेट्रोलिग पार्टियां तैनात की गई है जो लगातार भ्रमण करेगी और आशांति फैलाने वालो के ऊपर कार्यवाही करेगी। इसी तरह सात फिक्स प्वाइंट बनाये है। जिसमें बाबाताल, कटरा मोहल्ला,गढिया मोहल्ला, झंडा बाजार, आजाद चौक,गौरीतिराहा, पुराना बस स्टेंड पोस्ट आफिस तिराहा आदि शामिल है यहां पर पुलिस बल तैनात रहेगा।

चेरीताल में डम्पर की चपेट में आए अज्ञात व्यक्ति की मौत

जबलपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत पुराने कांजी हाउस के सामने निर्माणाधीन फ्लाईओवहर के नीचे एक डम्फर की चपेट में आकर अज्ञात व्यक्ति की मृत्यू हो गई। यहां फ्लाईओव्हर के नीचे सड़क निर्माण चल रहा है वहीं दूसरे साईड में यातायात बंद है। सिर्फ निर्माण कंपनी में लगे वाहन ही काम कर रहे हैं, ऐसा बताया जा रहा है कि निर्माण कंपनी के वाहन की टक्कर लगने से ही यह दुर्घटना हुई है। कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराने कांजी हाउस चेरीताल में दोपहर 1.30 बजे के लगभग एक सफेद रंग डम्फर क्रमांक एमएच 27 बी एक्स 4539 के चालक रामचंद्र विश्वकर्मा ने डम्फर को चालू किया और पीछे की तरफ बैक किया। तभी एक 35 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति उसकी चपेट में आ गया। जिससे उक्त व्यक्ति की मौके पर मृत्यु हो गयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिये भिजवाते हुये।

लोकसभा चुनाव के लिए तीन प्रत्याशियों की घोषणा की

जबलपुर। इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी की चुनाव समिति की बैठक राष्ट्रीय पं. पुरूषोत्तम तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में मध्यप्रदेश अध्यक्ष इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी पन्नालाल त्रिपाठी के द्वारा प्रथम चरण के लोकसभा चुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा की गई, जिसमें सीधी से राजकुमार श्रीवास्तव, शहडोल से दुर्गा मौसी किन्नर, जनपद सदस्य, गगन सिंह ठाकुर मण्डला का नाम प्रस्तावित किया गया। प्रस्तावित नामों को सर्वसम्मति से लोकसभा प्रत्याशी बनाये जाने का निर्णय किया गया। बैठक में मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष पन्नालाल त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ फूलचन्द पटेल प्रदेश सचिव राजकुमार बक्शी, प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ गोविन्द पटेल, महामंत्री बलराम श्रीवास्तव, संगठन मंत्री राहुल वर्मा आदि उपस्थित थे।

मप्र में कैसे सुधरे की शिक्षा व्यवस्था

कहीं स्कूलों में शिक्षक नहीं, तो कही छात्र नहीं

जबलपुर। मप्र में स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए सरकार कई स्तरों पर काम कर रही है। इसके लिए निजी स्कूलों का मुकाबला करने के लिए सीएम राइज स्कूल खोले जा रहे हैं। लेकिन शिक्षकों की कमी और मॉनीटरिंग के अभाव में शिक्षण व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के करीब 3726 स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है, वहीं सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहां शिक्षक तो हैं लेकिन छात्र नहीं है। ऐसे में मप्र की शिक्षा व्यवस्था कैसे सुधरेगी?

दरअसल, मप्र में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी है। आलम यह है कि शहरी क्षेत्रों में तो शिक्षकों की भरमार है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक जाने को तैयार नहीं है। सबसे ज्यादा दयनीय स्थिति आदिवासी जिले बड़वानी व धार की है। दोनों जिलों के जीरो टीचर वाले स्कूलों की संख्या 516 है। हालात ऐसे हैं कि पचास फीसदी स्कूलों में प्राचार्य ही नहीं हैं। शिक्षा विभाग के जनवरी 2024 जारी आंकड़ों में सामने आया था कि प्रदेश के 74 हजार सरकारी स्कूलों में से पौने चार हजार में एक भी शिक्षक नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के 3726 सरकारी स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है, जबकि 895 स्कूलों में एक भी बच्चे का नामांकन नहीं हुआ है, लेकिन यह स्कूल चल रहे हैं। इतना ही नहीं प्रदेश के 460 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जिनमें एक भी बच्चा व एक भी टीचर नहीं है, लेकिन बिना बच्चों व टीचरों के खाली पड़े स्कूल चालू है।

70 हजार शिक्षकों की कमी

सीएम राइज स्कूलों के नाम का तमगा लगाए स्कूल शिक्षा विभाग के हाल-बेहाल है। प्रदेश में 70 हजार शिक्षकों की कमी है। दरसअल प्रदेश में करीब 74 हजार स्कूल हैं। इसमें कुल शिक्षकों की संख्या ढाई लाख के आसपास है। स्कूलों में खाली पदों के विरुद्ध लगभग 70 हजार अतिथि शिक्षक रखे जाते हैं। यानि इतने ही पद खाली हैं। विभाग ने खाली पदों के विरुद्ध वर्ष 2018 से अब तक लगभग दस हजार पद ही भरे है। प्रदेश में करीब 9200 हाईस्कूल व हायर सेकंडरी स्कूल हैं। इसमें पचास फीसदी पदों पर प्राचार्य ही नहीं है। प्राचार्य का जिम्मा पढ़ाने के साथ शिक्षकों को ही दे रखा है। दोहरी जिम्मेदारी से शिक्षक दोनों ही काम सही से नहीं कर पा रहे हैं, जबकि स्कूल शिक्षा विभाग में शैक्षणिक सत्र 2023 का पूरा साल उच्च पद के प्रभार के नाम पर ट्रांसफर पोस्टिंग में निकल गया। इससे स्कूलों में पढ़ाई पूरी रह ठप रही। स्कूल शिक्षा विभाग के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के 5569 शासकीय व अशासकीय स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं हैं, लेकिन यह स्कूल चल रहे हैं। जबकि 2396 शासकीय व प्रायवेट स्कूलों में एक भी बच्चे का नामांकन नहीं हुआ है। जीरो नामांकन व जीरो टीचर वाले शासकीय व प्राइवेट स्कूलों की संख्या 1307 है। प्रदेश में सबसे ज्यादा बड़वानी जिले की स्थिति खराब है। यहां जीरो टीचर वाले स्कूलों की कुल संख्या 435 है। इसमें 341 सरकारी स्कूल है। इसके बाद धार जिले के 269 स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है। इसमें 175 सरकारी स्कूल शामिल है।

14 जिलों में शिक्षकों की सबसे अधिक कमी

जानकारी के अनुसार, प्रदेश के 14 जिले ऐसे हैं, जिनमें ज्यादा सरकारी स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है। इनमें अलीराजपुर के 148, बड़वानी के 341, छिंदवाड़ा के 156, देवास के 104, धार के 175, होशंगाबाद के 130, कटनी के 145, खरगौन के 139, रतलाम के 105, रीवा के 128, सतना के 129, सिवनी के 111, शिवपुरी के 143, सिंगरौली के 143 स्कूल शामिल है। भोपाल में जीरो टीचर वाले चल रहे 29 स्कूल भोपाल जिले के 859 स्कूलों में करीब साढ़े पांच हजार शिक्षकों के स्वीकृत पद है। इन पदों की तुलना में करीब एक हजार शिक्षक ज्यादा है। बावजूद इसके भोपाल में ही 29 सरकारी स्कूल ऐसे है, जिनमें एक भी शिक्षक नहीं है। भोपाल में जीरो नामांकन वाले शासकीय व प्राइवेट स्कूलों की कुल संख्या 242 है। इसमें 9 शासकीय व 233 प्रायवेट स्कूल हैं। जीरो टीचर वाले शासकीय व प्रायवेट स्कूलों की कुल संख्या 223 है। इसमें 29 शासकीय व 194 प्रायवेट स्कूल है। जीरो नामांकन व जीरो टीचर वाले कुल प्राइवेट व शासकीय स्कूल 76 हैं, इसमें 5 शासकीय व 71 प्रायवेट स्कूल हैं। दरअसल दो साल पहले स्कूल शिक्षा विभाग में नवीन स्थानांतरण नीति बनाई थी। समय निकल जाने के कारण वर्ष 2022 में इस नीति के अनुसार स्थानांतरण नहीं किए गए। पिछले साल 2023 में नवीन स्थानांतरण नीति के अनुसार अधिकारियों व शिक्षकों के तबादले होना थे, लेकिन चुनावी साल में भी नई नीति लागू होने से पहले घात हो गई। नवीन नाती को हो भ जमे शिक्षकों को ग्रामीण इलाकों साथ नहीं भर्ती के शिक्षकों की पदस्थापना ग्रामीण इलाको में खाली पड़े स्कूलों में की जाना थी, लेकिन इस नीति में भी संशोधन कर दिया कर दिया गया। नतीजा यह निकला कि ग्रामीण जिलों के स्कूल खाली पड़े रहे और शहरी क्षेत्रों में शिक्षकों की भरमार हो गई है। इसके साथ ही दो बार हुए ऑनलाइन स्थानांतरण के कारण शिक्षकों ने मनचाही जगहों पर तबादले करा लिए। इस कारण भी ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल खाली हो गए। स्कूल शिक्षा विभाग में अधिकारियों की गलत नीतियों के कारण बड़ी संख्या में मामले कोर्ट में पहुंचते हैं। इतना ही नहीं कोर्ट आयुक्त लोक शिक्षण व संचालक को कड़ी फटकार भी लगा चुका है। विभाग की बात करें, तो उसके पास शिक्षकों की सही ग्रेडेशन लिस्ट तक नहीं है, जिस कारण यूडीटी के उच्च पद के प्रभार की प्रक्रिया रुकी हुई है। विभाग की भर्ती प्रक्रिया में भी गड़बड़ी है। अब भर्ती प्रक्रिया में ईडब्ल्यूएस के पदों पर भर्ती नहीं देने के कारण हाईकोर्ट ने हाल ही में नई भर्ती पर रोक लगा दी है।

होली में समाचार पत्र वितरक लुफ्त उठायेंगे खजुराहो छतरपुर का

जबलपुर। अख़बार विक्रेता सुबह इतनी जल्दी में रहता है की उसको अपने संगी साथियों से मिलने बातचीत करने का मौका बहुत ही कम मिल पाता है।इसी बात को मद्देनजर रखते हुए सुहाने न्यूज एजेंसी के संचालक राकेश सुहाने ने होली के दो दिवसीय अवकाश का सदुपयोग करते हुए समस्त समाचार पत्र विक्रेताओं को स्पेशल बस द्वारा खजुराहो छतरपुर जटाशंकर भीमकुंड और शाहगढ़ ले जाया जायेगा। इसमे शहर के विभिन्न इलाकों से लगभग 110 पत्र विक्रेता दो 55 सीटर बसो से 25 मार्च की रात्रि 9 बजे रवाना होगै।इसके पूर्व इसी प्रकार होली के अवसर पर राकेश सुहाने द्वारा समाचार पत्र वितरको को दिल्ली ,कान्हा ,तथा अमरकंटक ,की यादगार यात्रा सफलतम कराई गई है। समाचार पत्र विक्रेताओं के पास सुबह सुबह वक्त कम रहता है जिसके कारण वो एक बिजनेस में होने के बाद भी एक दूसरे से बहुत कम मिल पाते है।राकेश सुहाने के इस प्रयास से वो दो दिन एक साथ छुट्टी का सदुपयोग कर लेते है। समाचार पत्र विक्रेताओं के अलावा इस बार खजुराहो सभी प्रेस के प्रतिनिधि तथा सुहाने न्यूज एजेंसी के कर्णधार कैलाश नामदेव ,विनोद चाचा,जगदीश रूसिया भी अपनी अपनी टीम के साथ समाचार पत्र विक्रेताओं का सहयोग करेंगे एवं उनके साथ ही खजुराहो घूमेंगे। समाचार पत्र विक्रेता अजय राजपूत, अशोक कोरी, अज्जू जैन, वीरेंद्र लखेरा, छोटू कजरवारा, अपना वरिष्ठ होने का दायित्व निभायेंगे।जबलपुर लोकसभा प्रत्यासी आशीष दुबे दिनेश यादव, विधायक अभिलाष पण्डे, पूर्व विधायक विनय सक्सेना के साथ महापौर जगत बहादुर अन्नू इनको सुखद यात्रा की शुभकामनाये देंगे। राकेश सुहाने ने सभी प्रेस मालिकों और उनके अधिकारियों से कचनार सिटी स्थित निवास में समाचार पत्र विक्रेताओ को शुभ यात्रा और शुभ प्रस्थान देने आने का आव्हान किया है।

श्रीमती अनीता कुशवाहा- तिलहरी निवासी श्री आनंदीलाल कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता कुशवाहा (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम सिंह माकिन- शक्तिनगर निवासी श्री राम सिंह माकिन (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती हीरा बाई- करमचंद चौक शुक्ला बाड़ा निवासी श्री प्रेम लाल की धर्मपत्नी श्रीमती हीरा बाई (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जीत राजपूत- इंद्रा बस्ती मदनमहल निवासी श्री जीतन लाल राजपुत के पुत्र श्री जीत राजपूत (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती काशी बाई- दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री कंधी लाल की धर्मपत्नी श्रीमती काशी बाई का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अजय सिंह राजपूत- सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री अजय सिंह राजपूत (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रशांत गर्ग- घमापुर चौक के निकट निवासी श्री शरद गर्ग के पुत्र श्री प्रशांत गर्ग (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विजय सिंह ठाकुर- बड़ी खेरमाई बकरा मार्केट के पास निवासी श्री विजय सिंह ठाकुर (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कुसुम बाई गवई- छापर विजयनगर रामपुर निवासी श्री बाबूराव गवई की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम बाई गवई (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव- न्यू रामनगर अमखेरा निवासी श्री महेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजकुमार दुल्हानी- सी ब्लाक, दत्त टाउनशिप तिलहरी निवासी श्री राजकुमार दुल्हानी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री यशवंत यादव- महानद्दा रोड गोरखपुर निवासी श्री यशंवत यादव (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री छोटे लाल बर्मन- ग्वारीघाट निवासी श्री छोटे लाल बर्मन (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कैलाश सिंह ठाकुर- छोटी ओमती निवासी श्री कैलाश सिंह ठाकुर (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम सनेही उपाध्याय- पार्वती नगर महाराजपुर निवासी राम सनेही उपाध्याय (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शकुंतला तिवारी- मदनमहल निवासी श्री द्वारका प्रसाद तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला तिवारी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सोनू उरेहा- इंद्रा नगर व्हीकल निवासी श्री गयादीन उरेहा के पुत्र श्री सोनू उरेहा (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम लाल विश्वकर्मा- बाबू लाइन पोलीपाथर निवासी श्री राम लाल विश्वकर्मा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री जयश्री शरद नायडू- राजुल विहार राइट टाउन निवासी श्री जयश्री शरद नायडू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चंदू बडग़ैंया- गढ़ा रोड निवासी श्री राजाराम बडग़ैंया के पुत्र श्री चंदू बडग़ैंया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लेक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

खबर संक्षेप

बीते सप्ताह सभी तेल की कीमतों में रही गिरावट

नई दिल्ली। देश की प्रमुख मंडियों में सरसों की नई फसल की आवक बढ़ने के बीच बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहनों पर दबाव रहा और इनकी कीमतें हानि दर्शाती बंद हुईं। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान मंडियों में लगभग 13 लाख से 16 लाख बोरी तक सरसों की आवक हुई। हालांकि यह आवक ज्यादातर छोटी जोत वाले किसानों की थी जिन्हें पैसों की आवश्यकता थी। बड़े किसान अब भी सरकार की ओर से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों की खरीद होने का इंतजार करते दिखे।

हिंदुस्तान जिंक के विभाजन की योजना हुई खारिज

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा कंपनी को विभिन्न इकाइयों में विभाजित करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार के पास कंपनी में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 'हम प्रस्ताव से सहमत नहीं हुए।' हिंदुस्तान जिंक ने पहले अपने बाजार पूंजीकरण को बढ़ाने के लिए जस्ता और चांदी के कारोबार को अलग-अलग इकाइयों में विभाजित करने की योजना की घोषणा की थी।

यूनो मिंडा का स्टारचार्ज एनर्जी के साथ गठजोड़

नई दिल्ली। ऑटो कलपुर्जा निर्माता यूनो मिंडा ने शुक्रवार को कहा कि उसने देश में इलेक्ट्रिक वाहन आपूर्ति उपकरणों के निर्माण और बिक्री के लिए स्टारचार्ज एनर्जी के साथ गठजोड़ किया है। कंपनी ने घरेलू चार्जिंग के लिए डिजाइन किए गए वॉल-माउंटेड एसी चार्जर के लिए स्टारचार्ज एनर्जी पीटीई के साथ एक तकनीकी लाइसेंस समझौता किया है। ''यह सहयोग ''मेक इन इंडिया'' के प्रति हमारे समर्पण और एक टिकाऊ और विद्युतीकृत भविष्य के लिए हमारे समर्पण को और मजबूत करता है।

क्रिएटिव ग्राफिक्स का 28 मार्च को खुलेगा आईपीओ

नई दिल्ली। पैकेजिंग क्षेत्र की कंपनी क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस इंडिया लिमिटेड ने कहा कि उसका प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 मार्च को खुलेगा। आईपीओ का आकार 54.4 करोड़ रुपये है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक निर्गम चार अप्रैल को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 27 मार्च को एक दिन के लिए खुलेगी। आईपीओ के बाद, कंपनी के शेयरों को एनएसई के इमर्ज पर सूचीबद्ध किया जाएगा - जो छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक मंच है।

बायजू ने अपने 30 ट्यूशन सेंटर को बंद किया

नई दिल्ली। वित्तीय संकट का सामना कर रहे बायजू ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न लिमिटेड ने अपने 292 ट्यूशन सेंटर में से 30 को बंद कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म ने कहा कि बायजू ने खर्च कम करने के उपायों के तहत इन ट्यूशन सेंटर को बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने अपने संचालन के तीसरे वर्ष में अधिकांश केंद्रों को मुनाफे में लाने का लक्ष्य रखा है। बायजू ने एक बयान में कहा कि उसे अपने शिक्षकों के समर्पण और अपने छात्रों के प्रदर्शन पर बेहद गर्व है।

सोने में तेजी का भारतीयों ने उठाया फायदा, 53 लाख किलो सोने पर लिया गोल्ड लोन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- 15 लाख करोड़ रुपए का देश में गोल्ड लोन का बाजार है

2020 में देश में कोरोना महामारी के दस्तक देने के बाद सभी प्रकार के लोन सस्ते हो गए थे जिसमें गोल्ड लोन भी शामिल है। तब सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक 7.50 फीसदी के दर पर गोल्ड लोन ऑफर कर रहा था।

एक तरफ गोल्ड लोन सस्ते दर पर मिल रहा था तो सोने की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखी जा रही थी।तब सस्ते दर पर गोल्ड लोन का लोगों ने जमकर फायदा उठाया। बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने सोने को लेकर हाल ही में एक रिपोर्ट जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय परिवारों ने 5300 टन यानि 53 लाख किलो सोना गिरवी रखकर वित्तीय संस्थानों से गोल्ड लोन लिया है।

भारतीय परिवारों के पास 27,000 टन सोना होने का अनुमान

60 फीसदी बाजार पर असंगठित क्षेत्र का कब्जा

देश में गोल्ड लोन मार्केट में संगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी केवल 40 फीसदी है जो कि 6 लाख करोड़ रुपए के करीब है। जबकि बाकी 60 फीसदी गोल्ड लोन बाजार पर असंगठित क्षेत्र का कब्जा है। यानि देश में ज्यादातर लोग गोल्ड लोन के लिए अभी भी सुनार या साहूकारों पर निर्भर हैं। कुल 9 लाख करोड़ रुपए के गोल्ड लोन मार्केट पर इनका कब्जा है।

गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने बढ़ाई सरकार की चिंता : गोल्ड लोन की डिमांड बढ़ी है लेकिन बैंकों के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने सरकार और वित्त मंत्रालय की चिंता भी बढ़ा दी है। सरकार ने बैंकों की ओर से गोल्ड लोन देने में रेग्यूलेटरी नियमों के अनुपालन में उल्लंघन का मामला पाया है। हाल ही में वित्त मंत्रालय ने सभी सरकारी बैंकों को गोल्ड लोन पोर्टफोलियो के समीक्षा करने के आदेश दिए हैं।

गोल्ड लोन लेने का बढ़ा चलन

भारतीय परिवारों के पास 27,000 टन सोना होने का अनुमान है। जिसमें से करीब 20 फीसदी सोना बैंकों के पास गिरवी पड़ा है जिसपर लोगों ने गोल्ड लोन लिया है। 15 लाख करोड़ रुपए का देश में गोल्ड लोन का बाजार है जो सालाना 17 फीसदी के दर से ग्रोथ दिखा रहा है और अगले 5 वर्षों यानि 2029 तक इसके 12.22 फीसदी के दर से बढ़ने का अनुमान है।

बैंकों ने जमकर बांटे गोल्ड लोन

31 दिसंबर 2023 तक एसबीआई का गोल्ड लोन पोर्टफोलियो 30,881 करोड़ रुपए का रहा है। पंजाब नेशनल बैंक का 5315 करोड़ रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा का 3682 करोड़ रुपए का गोल्ड लोन पोर्टफोलियो है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक बैंक या फिर एनबीएफसी सोने की ज्वैलरी के कुल वैल्यू का 75 फीसदी तक गोल्ड लोन दे सकते हैं।

सरकार दे रही पर्यावरण अनुकूल परिवहन नीति को प्रोत्साहन

कई बड़ी कंपनियां आगामी वर्षों में नए इलेक्ट्रिक वाहन उतारने की तैयारी में

- मारुति, हुंडई, टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियां कर रही मांग पूरी
- महिंद्रा आने वाले पांच वर्षों में नए बैटरी वाहन पेश करेगी
- मारुति बिजली चालित वाहनों के लिए गंभीर निवेश कर रही

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार द्वारा नई नीति के अनावरण के जरिये पर्यावरण अनुकूल परिवहन को प्रोत्साहन देने की वजह से आज भारतीय वाहन उद्योग तेजी से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल उतारने की तैयारी कर रहा है।

वाहन क्षेत्र की मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी बड़ी कंपनियां विभिन्न खंडों की मांग को पूरा करने के लिए नए बिजलीचालित मॉडल लाने की तैयारी में हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वाहन क्षेत्र नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि कंपनी आने वाले वर्षों में पांच नए बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेगी।

सभी वर्ग के उपभोक्ताओं की जरूरत होगी पूरी

इसकी शुरुआत जनवरी, 2025 से होगी। उन्होंने कहा, ये इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) महिंद्रा के नवोन्मेषी आईएनजीएलओ मंच पर बनाए जाएंगे। हमारा लक्ष्य विविधता वाली श्रृंखला के जरिये विभिन्न वर्गों के उपभोक्ताओं की जरूरत को पूरा करना है।

मारुति पोर्टफोलियों बढ़ाने पर देगी ध्यान

इन एसयूवी को उतारने का मकसद इलेक्ट्रिक वाहन खंड में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। 2027 तक हमारे पोर्टफोलियो का 20 से 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के कार्यकारी अधिकारी (कॉरपोरेट मामले) राहुल भारती ने कहा कि हम बिजलीचालित वाहन क्षेत्र में 'गंभीर' निवेश कर रहे हैं।

हुंडई दस साल में करेगी 26 हजार करोड़ का निवेश

कंपनी की योजना तमिलनाडु में अगले 10 साल में 26,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की है। इस निवेश में राज्य में बैटरी असेंबली संयंत्र की स्थापना भी शामिल है। टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य 2026 तक अपने बिजलीचालित मॉडल की संख्या को 10 करने का है।

ईवी की हिस्सेदारा 2030 तक होगी 20 फीसदी : गर्ग ने कहा कि कई उद्योग अनुमानों के अनुसार, ईवी का 2030 तक भारत के वाहन बाजार में हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें भरोसा है कि बिजलीचालित वाहन जल्द मुख्यधारा का हिस्सा होंगे।

लक्जरी कंपनियां भी ईवी क्षेत्र में दिखा रही रूचि

कंपनी की योजना कर्व ईवी और हैरियर ईवी सहित चार और ईवी मॉडल पेश करने की है। लक्जरी वाहन कंपनियां भी ईवी क्षेत्र में रुचि दिखा रही है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी योजना 2024 में 12 नए उत्पाद उतारने की है। इनमें से तीन नए बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) होंगे।

550 किमी रेंज की ईवी उतारेगी मारुति

भारती ने कहा, 'हम वित्त वर्ष 2024-25 में 550 किमी रेंज के साथ ईवी के रूप में नए सिरे से डिजाइन हाई-स्पेक बिजलीचालित वाहन का उत्पादन शुरू करेंगे। अगले सात-आठ साल में हमारे छह इलेक्ट्रिक वाहन होंगे।'

सभी प्रौद्योगिकियों पर काम करने प्रतिबद्ध

भारती ने कहा कि कार्बन और कच्चे तेल के आयात में कटौती करने के लिए देश को हाइब्रिड-इलेक्ट्रिक, सीएनजी, बायो-सीएनजी, एथनॉल फ्लेक्स ईंधन आदि जैसी कई और प्रौद्योगिकियों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, 'हम ऐसी सभी प्रौद्योगिकियों पर भी काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

हुंडई ने लंबी रेंज की एसयूवी कोना उतारी

हुंडई मोटर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा कि हम देश में पहले मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) में से है जिसने पूर्ण लंबी रेंज वाली एसयूवी 'कोना' 2019 में उतारी थी। पिछले साल कंपनी ने अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी आईओएनआईक्यू 5 पेश की थी।

भारत का कोयला आयात बढ़कर 21.22 करोड़ टन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सालाना आधार पर 1.65 फीसदी की मामूली वृद्धि

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में देश में कोयला आयात सालाना आधार पर 1.65 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 21.22 करोड़ टन हो गया है।

अंतरव्यापारिक ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की इसी अवधि में भारत का कोयला आयात 20.87 करोड़ टन था। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले के आयात की मात्रा 13.64 करोड़ टन थी, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान आयातित 13.69 करोड़ टन से थोड़ा कम है। अप्रैल-जनवरी 2023-24 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 4.73 करोड़ टन था, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 4.60 करोड़ टन से अधिक है। कोयला आयात बढ़कर 1.98 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष के समान महीने में 1.69 करोड़ टन से अधिक था।

ताप बिजली संयंत्रों के लिए पर्याप्त कोयला

खदानों और ताप बिजली संयंत्रों में घरेलू कोयले की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए उम्मीद है कि यह प्रवृत्ति मार्च में भी जारी रहेगी। सरकार के अंतरिम आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जनवरी अवधि में देश का कोयला उत्पादन 78.41 करोड़ टन हो गया है, जो 2022-23 में इसी अवधि के दौरान 69.89 करोड़ टन से कहीं अधिक है।

महिलाओं की कुल 37 प्रतिशत आबादी रोजगार में : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- प्रतिभा समाधान प्रदाता करियरनेट ने जारी की रिपोर्ट
- पिछले वर्ष दो से पांच फीसदी की वृद्धि देखी गई

भारत में लगभग 69.2 करोड़ महिलाओं की कुल आबादी में से 37 प्रतिशत सक्रिय रूप से रोजगार में हैं। प्रतिभा समाधान प्रदाता करियरनेट की 'भारत में महिला रोजगार की स्थिति।' रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर महिलाओं को रोजगार देने के मामले में शीर्ष पर हैं। इसमें कहा गया कि 2023 में कनिष्ठ पेशेवर भूमिकाओं और कार्यकारी बोर्ड में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में पिछले वर्ष की तुलना में दो से पांच प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट कहती है कि 2023 में शिक्षण संस्थानों से भर्ती होने वाले नए कर्मियों में 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसमें कहा गया कि 0-3 वर्ष और 3-7 वर्ष का अनुभव रखने वाली महिला अभ्यार्थियों की संख्या उनके संबंधित कार्यक्षेत्र की कुल नियुक्तियों में 20-25 प्रतिशत है।

सबसे ज्यादा भर्ती हैदराबाद में

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को छोड़कर अधिकांश शहरों में महिलाओं के नियुक्ति अनुपात में मामूली वृद्धि हुई है। दिल्ली-एनसीआर में गिरावट देखी गई है। भर्ती अनुपात सबसे ज्यादा 34 प्रतिशत हैदराबाद में, इसके बाद पुणे में 33 प्रतिशत, चेन्नई में 29 प्रतिशत है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में यह अनुपात 2022 की तुलना में दो प्रतिशत गिरकर 20 प्रतिशत रह गया है।

एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 38,000 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों में 38,000 करोड़ रुपये से अधिक डाले हैं। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार और घरेलू मोर्चे पर मजबूत वृहद आर्थिक परिदृश्य के बीच एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में निवेश कर कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। कुल मिलाकर इस साल अबतक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में 13,893 करोड़ रुपये डाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण या बॉन्ड बाजार में 55,480 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफपीआई मार्च में उल्लेखनीय खरीदारी कर रहे हैं।

वैश्विक संकेतकों से तय होंगी शेयर बाजार की गतिविधियां

- विदेशी निवेशकों की भूमिका होगी महत्वपूर्ण
- बाजार में भी कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शेयर बाजारों की दिशा आगामी कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में वैश्विक रुझानों तथा विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि गुरुवार को मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। इस सप्ताह बाजार में सिर्फ तीन कारोबारी सत्र होंगे। शेयर बाजार सोमवार को 'होली' के मौके पर और शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के अवसर पर बंद रहेंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, 'छुट्टियों की वजह से इस सप्ताह में कारोबार की मात्रा कम रहेगी। हालांकि, वित्त वर्ष का अंतिम सप्ताह होने तथा वायदा एवं विकल्प खंड में निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।' बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 188.51 अंक या 0.25 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 73.4 अंक या 0.33 प्रतिशत चढ़ गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का है।

एसएलईएल नया संयंत्र चालू करने की तैयारी में ...

नई दिल्ली। ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एसएसईएल) जुलाई-सितंबर तिमाही तक आंध्र प्रदेश में 300 करोड़ रुपये का अपना नया संयंत्र चालू करना चाहती है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एन विश्वेश्वर रेड्डी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसएसईएल 300 करोड़ रुपये की लागत से आंध्र प्रदेश के वाईएसआर जिले में कंडक्टर बनाने का संयंत्र लगा रही है। उन्होंने कहा कि 300 टन की वार्षिक क्षमता वाला संयंत्र आठ एकड़ में स्थापित किया जा रहा है। रेड्डी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही तक संयंत्र को चालू करने की योजना है। कंडक्टर पारेषण लाइन परियोजना का एक प्रमुख तत्व हैं। उन्होंने आगे कहा कि एसएसईएल पारेषण ईपीसी परियोजनाओं में भी शामिल है और उक्त संयंत्र से कंडक्टर उत्पादन का लगभग 50 प्रतिशत कंपनी के पारेषण व्यवसाय में इस्तेमाल होगा।

मदर डेयरी गर्मियों में 30 नए उत्पाद करेगी पेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद : प्रबंध निदेशक
- उपभोक्ता मांग में 30 फीसदी वृद्धि की उम्मीद

मदर डेयरी इन गर्मियों में मुख्य रूप से आइसक्रीम और दही श्रेणियों में 30 नए उत्पाद पेश करेगी। कंपनी को उपभोक्ता मांग में 25 से 30 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही।

दिल्ली-एनसीआर की अग्रणी दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी के पास कंपनी के स्वामित्व वाले नौ डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र हैं जिनकी कुल क्षमता 50 लाख लीटर प्रतिदिन से अधिक की है। मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने साक्षात्कार में कहा, 'गर्मी हमारे कारोबार के लिए सबसे प्रतीक्षित मौसम है, खासकर आइसक्रीम, दही और पेय पदार्थों जैसी श्रेणियों के लिए। उन्होंने कहा, 'भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की इस साल सामान्य से अधिक तापमान और भीषण गर्मी के पूर्वानुमान के साथ हम इन श्रेणियों की मांग में कई गुना वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। बंदलिश ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में आइसक्रीम की बिक्री में पहले की वृद्धि देखनी को मिल रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी इस बढ़ती मांग से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और इसने अपने उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और क्षमता बढ़ाने के लिए 50 करोड़ रुपये तक का निवेश किया है। एमडी ने कहा, 'जैसे ही हम सीजन में प्रवेश कर रहे हैं, हम अपने उपभोक्ताओं को स्वर्ण जयंती वर्ष में 30 से अधिक नए आनंददायक उत्पादों की श्रृंखला की पेशकश के लिए तैयार हैं।

आगामी श्रृंखला में लगभग 20 नए आइसक्रीम उत्पाद शामिल होंगे। बंदलिश ने कहा, हमें उम्मीद है कि हमारे डेयरी उत्पादों की मांग पिछले साल की तुलना में 25-30 प्रतिशत तक अधिक रहेगी।'

एफएंडवी में विस्तार की घोषणा

मदर डेयरी ने डेयरी और फलों और सब्जियों (एफएंडवी) व्यवसाय के लिए अपनी विस्तार योजना की भी घोषणा की है। कंपनी दूध और फल-सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए दो नए संयंत्र स्थापित करने के लिए 650 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह अपने मौजूदा संयंत्रों की क्षमता का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये का निवेश करेग, जिससे कुल पूंजीगत व्यय 750 करोड़ रुपये हो जाएगा।

नए फीचर का नाम एआई स्पैम ब्लॉकिंग दिया गया

ट्रूकॉलर लाया कॉल ब्लॉक करने का जबर्दस्त फीचर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- स्पैम कॉल्स को एआई की मदद से ऑटोमैटिकली ब्लॉक किया जाएगा

कॉलर आईडी और स्पैम ब्लॉकिंग ऐप ट्रूकॉलर यूजर्स के लिए बड़े काम का फीचर लाया है। इस नए फीचर का नाम- एआई स्पैम ब्लॉकिंग है। यह फीचर यूजर्स के फोन पर आने वाले सभी स्पैम कॉल्स को एआई की मदद से ऑटोमैटिकली ब्लॉक करेगा। ट्रूकॉलर का यह 'मैक्स' अपडेट केवल ऐंड्रॉयड डिवाइसेज के लिए रोलआउट हुआ है। कंपनी ने इस फीचर को अभी अपने प्रीमियम सब्सक्राइबर्स के लिए रोलआउट किया है। यह फीचर एआई की मदद से स्पैम कॉल्स करने वाले उन नंबर्स को भी ब्लॉक कर देता है, जो ट्रूकॉलर के डेटाबेस में मौजूद नहीं हैं।

अपडेट करना होगा ऐप

ट्रूकॉलर के नए फीचर के लिए आपको इस ऐप के वर्जन नंबर 13.58 की जरूरत पड़ेगी। फीचर को ऐक्टिवेट करने के लिए ऐप की सेटिंग्स में दिए गए ब्लॉक ऑप्शन में जाना होगा। ट्रूकॉलर ने कुछ हफ्तों पहले की एआई पावर्ड कॉल रिकॉर्डिंग फीचर को रोलआउट किया था। यह फीचर इंडियन यूजर्स के लिए आया है।

लगेगा सब्सक्रिप्श चार्ज

आईओएस कॉलर आईडी ऐप्स को स्पैम कॉल्स की ऑटोमैटिक ब्लॉकिंग की परमिशन नहीं देता। ट्रूकॉलर के इस फीचर के लिए यूजर्स को प्रीमियम प्लान को सब्स्क्राइब कराना होगा। भारत में ट्रूकॉलर का मंथली सब्सक्रिप्शन चार्ज 75 रुपए है। वहीं, इसके ऐनुअल सब्सक्रिप्शन के लिए आपको 529 रुपए खर्च करने होंगे।

आईओएस के लिए रोलआउट किया गया

नए फीचर को लेकर ऐसी संभावना भी है कि यह नॉन-स्पैम कॉल्स को भी ब्लॉक कर सकता है। इस बारे में कंपनी ने कहा कि ऐसा नहीं होगा और इसे पक्का करने के लिए यूजर इनपुट का भी सहारा लिया जाएगा। यह फीचर आईओएस के लिए रोलआउट नहीं किया जा रहा।

बातचीत रिकॉर्ड कर सेव कर सकेंगे

इसे कंपनी आईओएस के साथ ही ऐंड्रॉयड डिवाइसेज पर भी ऑफर कर रही है। इस फीचर की मदद से यूजर ट्रूकॉलर ऐप के अंदर ही यूजर इनकमिंग और आउटगोइंग कॉल्स को रिकॉर्ड कर सकते हैं। इस फीचर की मदद से यूजर जरूरी बातचीत को रिकॉर्ड करके सेव कर सकते हैं।

चिंतन

होली के समरसता संदेश से सीखे देश की राजनीति

इस बार महापर्व होली इस समय है, जब देश भी लोकतंत्र का महापर्व मना रहा है। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजा हुआ है, चुनाव प्रक्रिया जारी है, यूं तो इस बार लंबी प्रक्रिया है, लेकिन देश के दलों को, देश की राजनीति को और देश के नेताओं को रंगोत्सव होली के सदभाव, सौहार्द व भाईचारा संदेश पर अमल करने की सबसे अधिक जरूरत है। होली सदभाव व भाईचारे का त्योहार है, सामाजिक प्रेम, पारिवारिक प्रेम की अभिव्यक्ति का त्योहार है। हाल के दशक में भारतीय राजनीति में कटुता, वैमनष्यता और मनभेद जैसी बुराइयां बढ़ती गई है। न संसद में स्वस्थ बहस होती है, न विरोध की सीमा रही है, न नेताओं की भाषा की मर्यादा रही है, न राजनीतिज्ञों के बीच सदभाव व प्रेम रह गए हैं, सभी दल एक दूसरे के प्रति वैचारिक मतभेद के बजाय मनभेद पाले रहते हैं, अपने भाषणों में नेता अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करते हैं। देश में राजनीतिक माहौल इतने खराब हो गए हैं कि इससे देश के सामाजिक माहौल बिगड़ने लगे हैं। राजनीतिक वैमनष्यता के चलते देश में सामाजिक असहिष्णुता बढ़ती गई है। देश में पहले से ही सामाजिक विसंगतियां हैं, जाति-उपजाति व धार्मिक खांचे में सामाज में विभाजन है, ऐसे में अगर राजनीतिक विभाजन भी बढ़ता जाएगा तो राष्ट्र की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता आदि खतरे में पड़ सकते हैं। होली जैसे त्योहार सभी नागरिकों को आपसी मतभेद मिटाकर प्रेम से जीने के सामाजिक संदेश देते हैं। संयोग की बात है कि अभी रमजान का पाक महीना भी चल रहा है, इस त्योहार का संदेश भी सामाजिक भाईचारा बढ़ाने का है। रमजान की समाप्ति पर देश में ईद मनाई जाएगी, उस दौरान भी देश में लोकसभा चुनाव जारी रहेगा। ऐसे में देश के नेताओं को होली व ईद से सामाजिक सौहार्द व भाईचारा सीखने की जरूरत है। अपनी संकुचित राजनीति के लिए अगर कोई नेता, या दल सामाजिक व धार्मिक विभाजन को बढ़ावा देता है, तो आवाम को ऐसे नेता, ऐसे दल का बहिष्कार करना चाहिए। लोकतंत्र के असली सूत्रधार नागरिक हैं, इसलिए नागरिकों में राष्ट्रीय मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति चेतना होनी चाहिए। नागरिकों में यह समझ होनी चाहिए कि नेता व दल अगर गलत बोल रहे हैं, गलत कर रहे हैं, तो ऐसों को किनारा करना जरूरी है। नागरिक अपने क्षेत्र, परिवार, समाज, देश आदि के प्रति जितना अधिक सचेत होंगे, गलत लोग लोकतांत्रिक सिस्टम से उतने बाहर होंगे। इसलिए होली का समाज को जोड़कर रखने का संदेश देश की राजनीतिक, दलों, नेताओं व नागरिकों, सबके लिए अनुकरणीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को रंगों के त्योहार होली की शुभकामनाएं दी हैं, जिसमें उन्होंने कहा है कि स्नेह और सद्भाव के रंगों से सजा यह पारंपरिक पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह लेकर आए। पीएम के संदेश व्यापक अर्थ में है, इस अर्थ के मर्म को सरकार को भी समझना चाहिए, सत्ता पक्ष को भी समझना चाहिए, विपक्ष को भी समझना चाहिए, देश की राजनीति को भी समझना चाहिए और सभी स्वायत्त निकायों को भी समझना चाहिए। आज देश में राजनीतिक सदभाव, राजनीतिक भाईचारा, राजनीतिक समरसता, स्वस्थ राजनीति की अधिक जरूरत है। होली के बहाने देश की राजनीति के रंग को सौहार्दपूर्ण बनाने की जरूरत है और सामाजिक व सांस्कृतिक समरसता बढ़ाने की आवश्यकता है।

होली पर्व
डॉ. विनोद कुमार यादव

होली के बहाने फूहड़ता न हो

होली पर्व का सीधा संबंध मनुष्य-जीवन की जीवंतता से है। होली एकमात्र ऐसा महोत्सव है, जिसमें परंपरागत रीति-रिवाज, पौराणिक मान्यताएं, फाग की मस्ती और होरी-गायन सब रंग मौजूद हैं। दुनिया के तमाम मुल्कों में जितने पर्व मनाए जाते हैं, उनमें होली जैसा निराला उत्सव ढूंढने से भी नहीं मिलता। ब्रजमंडल के बरसाना व नंदगांव को होली-सेलिब्रेशन का कुंभ माना जाता है। गिले-शिकवे त्यागकर निश्छल अपनापन और मैत्री को विस्तार देने वाला त्योहार और दूसरा नहीं है। हमें मिलकर गंभीरता से सोचना चाहिए कि होली के सुअवसर पर किसी न किसी बहाने फूहड़ता और अश्लीलता फैलाने वालों पर लगाम कैसे कसी जाए।

होली पर्व का सीधा संबंध मनुष्य-जीवन की जीवंतता से है। असलियत में होली के सेलिब्रेशन में इतनी समग्रता मौजूद है कि इसके रंगों में तमाम तरह के भेदभाव, पुरानी कटुता, वर्जनाएं व पूर्वाग्रह घुलकर मस्ती भरे मैत्री-अनुराग में तब्दील हो जाते हैं। होली के रंग शरीर के अलावा आत्मा को भी भिगोते हैं। होली एकमात्र ऐसा महोत्सव है, जिसमें परंपरागत रीति-रिवाज, पौराणिक मान्यताएं, फाग की मस्ती और होरी-गायन सब रंग मौजूद हैं। दुनिया के तमाम मुल्कों में जितने पर्व मनाए जाते हैं, उनमें होली जैसा निराला उत्सव ढूंढने से भी नहीं मिलता। दरअसल, राग-रंग, प्रेम और सौहार्द का यह पर्व वसंत ऋतु का संदेशवाहक भी है। वसंत ऋतु के फागुन मास में जब पूरा प्राकृतिक परिवेश नए सृजन से सज धजकर, रंग-बिरंगे फूलों की छटा बिखेरता हुआ मदमासी बयार से स्त्री-पुरुषों के चित्त को स्पर्श करता है तो यह एहसास होने लगता है कि होली के उत्सव का आगाज हो चुका है।

गौरतलब है कि ब्रजमंडल के बरसाना व नंदगांव को होली-सेलिब्रेशन का कुंभ माना जाता है। असल में कृष्ण का व्यक्तित्व बहुआयामी है। उनका पूरा जीवन संघर्षों से भरा पड़ा है, इसके बावजूद भी वह जिंदगी के हरेक पड़ाव का पूरा लुफ्त उठाते हैं, और पूरे फागुन महीने तक नंदगाव से बरसाना राधा व उसकी सखियों से हास-परिहास करने, रास-रंग खेलने व फागुनी मस्ती करने आते हैं। आज भी नंदगांव के पुरुष हुरियारे बनकर कृष्ण के प्रतिनिधि के तौर पर बरसाने की महिलाओं से पानी की बाल्टी में घुली हुई पीली मिट्टी से व लट्ठमार होली खेलने आते हैं, और तमाम तरह के जातिगत व लिंग आधारित भेदभावों को दरकिनार करते हुए होली के रस-रंग में डूबे रहते हैं, और खुशी-खुशी ब्रजनारियों की लाठियों के प्रहारों को सहते हुए यह लोकगीत गाते हैं- 'फाग खेलने बरसाने आए नटवर नंदकिशोर। छाय रही छवि घटा रंगीली, ढोल-मृदंग बजाए हैं बंशी की घनघोर। बरसाने की लट्ठमार होली का आयोजन एक तरह से पुरुष-प्रधान समाज में पुरुषों के वर्चस्व को तोड़ते हुए समाज में महिलाओं की मजबूत स्थिति का परिचायक है। दरअसल, कृष्ण पहले समाज-सुधारक हैं, जो इस उत्सव के आयोजन के बहाने नारी जाति को उन सामाजिक बंधनों से मुक्ति दिलाने का अवसर प्रदान कर रहे हैं, जिनकी वजह से नारीशक्ति अबला बनकर बेचारगी की जिंदगी बसर कर रही थी। कृष्ण ऐसे प्रखर मनोचिकित्सक भी हैं, जो यह भली भांति समझते हैं यदि स्त्री-पुरुषों के अवचेतन में वर्षभर के दौरान संग्रहीत होने वाले कामजनित भावों को विरेचन का पर्याप्त अवसर न मिले तो समाज में कदाचार फैलता है, लोगों के पथभ्रष्ट होने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए ब्रजमंडल की महिलाओं और पुरुषों ने फागुनी मस्ती में तमाम वर्जनाओं को दरकिनार कर, स्वच्छंद होकर 'गालियों' को भी इस पर्व की परंपरा से जोड़ा है। कृष्ण गोपियों के साथ उधम मचाकर उन्हें गालियां देने के लिए विवश करते हैं, गोपियां गीत गाती हुई कहती हैं-'मत मार श्याम पिचकारी, अब देऊंगी तोय गारी'। होली की ऐतिहासिकता यह दर्शाती है कि इसकी मदहोशी के रंगों

से सिर्फ वही तरबतर होता है जिसने खोखली धर्मांधता और अतिवादी सोच को तिलांजलि दे दी है। जीवन के रंग और जीने के ढंग के लिए जरूरी है होली जैसी उत्सवधर्मिता। होली के इस निराले स्वरूप का भरपूर मजा मुगल बादशाहों ने भी लिया।

इतिहास में भी दर्ज है कि अकबर फागुन का महीना शुरू होते ही रंगोत्सव की तैयारी प्रारंभ करवा देता था। होली के दिन अकबर के दरबान सोने- चांदी के बड़े- बड़े कलशों को केसर और टेसू का रंग घोलकर भर देते, और दिनभर बादशाह महल के परिसर में अपनी बेगमों व सगे-संबंधियों से रंगों की होली खेलने में व्यस्त रहता, तमाम हिंदू-मुस्लिम मेहमानों का स्वागत उम्दा ठंडाई व मिठाइयों से किया जाता। जहांगीर भी अपने महल में होली के अवसर पर महफिल-ए-होली उत्सव का आयोजन करता था, इस मौके पर मुशायरा और कव्वालियों की महफिल सजती थी। इतना ही नहीं मुगल शासक शाहजहां होली को ईद-ए-गुलाबी यानी रंगों की बौछार के रूप में धूमधाम से मनाता था। मुगलकालीन इतिहास से ज्ञात होता है कि होली के अवसर पर लाल किले के पिछवाड़े यमुना नदी के किनारे होली के अवसर पर पारस्परिक सौहार्द के प्रतीक के रूप होली-मिलन मेले का आयोजन होता था। दरअसल, अतीत की परंपरागत व पुरातनपंथी मान्यताओं से हटकर, होली हर्षोल्लास, हास-परिहास व मदमस्त होकर नर्तन करता हुआ एक ऐसा सतरंगी उत्सव है जो मथुरा के ब्रजमंडल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्व भारत के सुदूर पूर्वी प्रांतों-मणिपुर, असम, नगालैंड व मेघालय से लेकर कैरीबियन देशों-गुआना, सूरीनाम, ट्रिनिडाड व टोबैगो में बड़ी धूमधाम और मौज मस्ती के साथ मनाया जाता है।

गौरतलब है कि कैरिबियन देशों में सूरीनाम की 37 फीसदी आबादी और गुआना की 33 फीसदी आबादी हिंदू है। असलियत में होली का त्योहार अपने भीतर इतनी जीवंतता लिए हुए है कि इसकी उत्सवधर्मिता को किसी विशेष जाति, धर्म या राष्ट्र की परिधि में बांधना बेहद मुश्किल है। होली के दिन गुआना में नेशनल होलिडे रहता है, और उत्तर प्रदेश व बिहार की शैली में गुआना के शहरी क्षेत्र से लेकर गांवों तक यहां के निवासी अबीर-गुलाल, रंग- पिचकारी, नृत्य और संगीत के जरिये 'फगुआ' मनाते हैं। दरअसल, गुआना व सूरीनाम के प्रवासी हिंदुस्तानियों के वंशज 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूर के तौर पर उत्तर प्रदेश व बिहार से वहां जाकर बसे थे। ट्रिनिडाड व टोबैगो में भी होली का आयोजन भारतीय अंदाज में होता है। होली की मस्ती का आलम कैरिबियाई देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नेपाल व श्रीलंका में में लोग अबीर-गुलाल, व पिचकारी में रंग भरकर फाग खेलते हैं।

थाईलैंड के बौद्ध समाज में होली मनाने का ढंग बिल्कुल हिंदुस्तानी है, बस यहां की बौद्ध सोसायटी मंक होली पालि में एक अलग नाम 'सांग्क्रान' के रूप में पॉपुलर है। इस अवसर पर थाईलैंड के निवासी एक-दूसरे पर रंगों की बौछार करते हैं और मठों में जाकर भिक्षुओं को दान देते हैं। नेपाल की तराई में होली फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, नेपाल में होली मनाने का तरीका ठीक उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और राजस्थान जैसा ही है, जिस तरह से भारत के इन प्रांतों में होली का आगाज फाल्गुन पूर्णिमा से आठ दिन पहले गांव के बीच में एक स्थान विशेष पर लकड़ी का डंडा गाड़कर होता है, जिसे स्थानीय भाषा में होली का डंडा कहा जाता है। वैसे ही नेपाल में एक तालाब के किनारे होली से आठ दिन पहले होली का डंडा गाड़ कर इस उत्सव की तैयारी शुरू हो जाती है। गिले-शिकवे त्यागकर निश्छल अपनापन और मैत्री को विस्तार देने वाला त्योहार और दूसरा नहीं है। हमें मिलकर गंभीरता से सोचना चाहिए कि होली के सुअवसर पर किसी न किसी बहाने फूहड़ता और अश्लीलता फैलाने वालों पर लगाम कैसे कसी जाए।

(लेखक सामाजिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

विशेष

डॉ. घनश्याम बादल

बचाने होंगे मर्यादा के रंग

अपनत्व और खुशी के रंगों से सराबोर करने की परम्परा का नाम है होली। सही मायनों में समझें तो होली केवल रंग बिखेरने या गुलाल लगा देने भर का त्यौहार नहीं वरन वैर भाव को धो डालने वाला जश्न है। ऐसा जश्न जो ऊंच-नीच, बड़े-छोटे, अपने-पराए के अंतर को मिटा देता है। यदि ऐसे हम होली मनाते हैं तो वह अंग्रजी का 'होली ' यानी पावन पर्व बन जाता वरना तो बस परंपरा निवर्हण मात्र है। यह कैसी होली! एक निगाह डालिए अपने चारों तरफ क्या सच में हम अनुराग और प्रेम की होली मना रहे हैं ? क्या किसी भी तरह से हम मिथकों में वर्णित प्रहलाद रूपी भक्ति व भलाई को जला देने के लिए अपने वरदान का दुरुपयोग करने वाली होलिका का दहन अपने मन से कर पा रहे हैं? क्या हम चाहते हैं कोई पड़ोसी या अजनबी हमारे घर होली पर आए? हमारी बहनों, भाभियों या बहू बेटियों के साथ रंग खेले? शायद नहीं। अब नहीं क्यों? इसका जवाब भी हम जानते ही हैं। अगर होली को सच में 'होली भाव' से मनाने की मानसिकता हम विकसित कर लें तो बहुत सी अनैतिकता की बीमारियां तो स्वयमेव ही जल जाएंगी। अब होली जैसे रंग, मस्ती और प्रेम के पर्व यूं ही नहीं बनाए गए थे। हमारी संस्कृति में पर्व हमें अपनों और प्रकृति के समीप लाने का मौका देते थे। एक समय था जब होली के पर्व से करीब सवा महीने पहले वसंत पंचमी को होली का उपला रख दिया जाता था। फिर गांव गलियों में मस्तों की टोलियां 'फगवा' 'कामण' या 'धमाल' गाते हुए घर-घर जाती और होली का ईंधन इकट्ठा करती थी। इसका भी एक सबब था सबका सहयोग लेना सबका योगदान पाना और इकट्ठे होकर मन के सारे पापों, गिले शिकवों को होली की आग में जला डालना होता था तब होली का मतलब। आज क्या है सोचिए। चलिए चालीस, पचास या साठ के दशक की होली की एक झलक की कल्पना करें। फगवा के गीतों के नाम पर कितनी गालियां बरसती थी तब पर कोई बुरा नहीं मानता था, क्योंकि तब ये गालियां प्रेम पगी होती थी। मन के साफ गंगाजल से नहा कर आती थी। उनमें खुन्नस या किसी के अपमान का भाव नहीं, अपनापन था। अलग प्रदेशों में अलग अलग ढंग से होली आधार की स्थापना की जाती है पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पांच उपले रख कर तो राजस्थान के जयपुर, सीकर, चुरु व झुंझुनूं सहित शेखावाटी में एक मोटा डंडा गाड़ कर प्रहलाद के रूप में होलिका का आधार रखा जाता है और फिर प्रतिदिन सवा महीने तक प्रतिदिन ईंधन जमा करके लोकगीत व नृत्य 'गींदड़' आयोजित किए जाते हैं डांडिया रास से मिलता जुलता नृत्य और मुंह में दो अलगोजे लेकर जब वातावरण में मधुर स्वर लहरी गूंजती है तो पूरा वातावरण ही सरस हो उठता है। वैसे ऐसा भी नहीं है कि होली के नाम पर बस गंदगी हो आज भी कुछ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध इलाकों में वहां के लोग होलिका के पर्व की महत्ता को जानते हैं। यही वजह है कि आज भी बृज की लठ्ठमार होली, बस्तर की पत्थरमार होली, हरियाणा की कोड़ामार होली, राजस्थान की गाढ़े गुलाबी रंग की 'गैर' मथुरा की राधाकृष्ण होली व पंजाब के होलामहला का रंग आज भी सर चढ़कर बोलता है और वातावरण में 'होली आई रे कन्हाई, रंग बरसे बजा दे बांसुरी जैसे सुमधुर गीत सुनाई देते हैं। होली जहां एक और मनोविकारों के दहन का पर्व माना जाता है वहीं ओझा, तांत्रिक व टोने -टोटके वाले भी इस दिन मायाजाल फैलाते हैं, इसलिए इस दिन अपने बच्चों का खास ख्याल रखना जरूरी है। उत्तर भारत के बहुत से गांवो में आज भी उल्लास के साथ न केवल होलीपूजन होता है वरन वहां अब भी रात में होली के गीत की गूंजते हैं। होलिका को सूत की डोर से बांधकर हल्दी, बेर, बताशे आदि से पूजा जाता है और रात्रि में शुभ मुहुर्त में होलिका दहन किया जाता है। वहां आज भी माना जाता है कि होलिका के दहन करने से मनुष्य के सारे पाप उसकी अग्नि में जल जाते हैं। आज के ही दिन नए अनाज की प्रथम आहुति भी अग्निदेव को अर्पित करते हैं, मगर खेद का विषय है कि होलिका के पर्व का असली जश्न अब वाले उन्ही अंचलों में रह गया है जहां अभी भौतिक प्रगति के पांव पूरी तरह से नहीं पड़े हैं। अधिकांश क्षेत्रों में तो होलिका का पर्व हो-हुल्लड़ या फिर धींगा मस्ती का पर्याय बन कर रह गया है। रंगों की जगह कैमिकल्स, गोबर कीचड़ व अन्य हानिकारक पदार्थों ने होली की गरिमा को लगातार कम किया है वहीं बढ़ती शराबखोरी, भांग व ड्रग्स का इस्तेमाल इस पावन पर्व को अपवित्र कर रहा है। होली के बहाने छेड़छाड़.व अश्लीलता पर रोक लगाने का प्रयास अगर नहीं किया गया तो होली का आनंद व पर्व दोनों ही संकट में पड़ जाएंगे। होली के मान, मर्यादा व मस्ती के बीच संतुलन बनाना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से सभी दुखों को खत्म किया जा सकता है

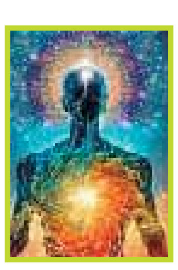

संकलित
दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी।

लक्ष्मी जी कहां निवास करतीं हैं

संकलित
प्रेरणा

एक बार की बात है, राजा बलि समय बिताने के लिए एकान्त स्थान पर गधे के रूप में छिपे हुए थे। देवराज इन्द्र उनसे मिलने के लिए उन्हें ढूँढ रहे थे। एक दिन इन्द्र ने उन्हें खोज निकाला और उनके छिपने का कारण जानकर उन्हें काल का महत्व बताया। साथ ही उन्हें तत्वज्ञान का बोध कराया। तभी राजा बलि के शरीर से एक दिव्य रूपात्मा स्त्री निकली। उसे देखकर इन्द्र ने पूछाः दैत्यराज! यह स्त्री कौन है? देवी, मानुषी अथवा आसुरी शक्ति में से कौन-सी शक्ति है? राजा बलि बोलेः देवराज! ये देवी तीनों शक्तियों में से कोई नहीं हैं। आप स्वयं पूछ लें। इन्द्र के पूछने पर वे शक्ति बोलीं: देवेन्द्र! मुझे न तो दैत्यराज बलि जानते हैं और न ही तुम या कोई अन्य देवगण। पृथ्वी लोक पर लोग मुझे अनेक नामों से पुकारते हैं। जैसे- श्री, लक्ष्मी आदि। इन्द्र बोलेः देवी! आप इतने समय से राजा बलि के पास हैं लेकिन ऐसा क्या कारण है कि आप इन्हें छोड़कर मेरी ओर आ रही हैं? लक्ष्मी जी बोलीं: देवेन्द्र! मुझे मेरे स्थान से कोई भी हटा या डिगा नहीं सकता है। मैं सभी के पास काल के अनुसार आती-जाती रहती हूँ। जैसा काल का प्रभाव होता है मैं उतने ही समय तक उसके पास रहती हूँ। अर्थात मैं समयानुसार एक को छोड़कर दूसरे के पास निवास करती हूँ। इन्द्र बोलेः देवी! आप असुरों के यहाँ निवास क्यों नहीं करतीं? लक्ष्मी जी बोलीं: देवेन्द्र! मेरा निवास वहीं होता है जहाँ सत्य हो, धर्म के अनुसार कार्य होते हों, व्रत और दान देने के कार्य होते हों।

सटाका

आज की पाती

वन हैं तो हम हैं

21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया। दुनिया भर में इस उपलक्ष्य में प्रोग्राम आयोजित किए गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 नवंबर 2012 को हर वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। तब से हर वर्ष की 21 मार्च को यह दिवस मनाया जाता है। वन हैं तो हम हैं। जो वृक्ष हमें फल नहीं देते हैं, वो भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि ये हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन बिना किसी मूल्य के देते हैं। लेकिन बहुत अफसोस है कि अब वनों की संभाल के लिए लापरवाही बरती जा रही है।

- रमेश त्यागी, महासमुंद

ट्रेंड

तत्काल रिहाई का समय

गाजा के लोगों पर भय और भुखमरी का संकट मंडरा रहा है। कोई भी और हमला सब कुछ बदतर बना देगा। फिलिस्तीनी नागरिकों के लिए, बंधकों के लिएइससे भी बदतर। यह तत्काल मानवीय युद्धविराम और बंधकों की तत्काल रिहाई का समय है।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

ऐसा नहीं होने दूंगा

डोनाल्ड ट्रंप अफोर्डेबल केयर एक्ट को रद करने से सिर्फ एक वोट दूर थे।अब, वह इसे "समाप्त" करने के लिए फिर से प्रयास करने और मेडिकेयर और सामाजिक सुरक्षा में कटौती करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।

-जो बाइडेन, अमेरिकी राष्ट्रपति

हिस्सेदारी न्याय लाई कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी हिस्सेदारी न्याय क्यों लाई है? भारत के एक प्रतिशत सबसे अमीर लोग राष्ट्रीय आय का 22.6 प्रतिशत का लुत्फ़ उठाते हैं। ये मोदी सरकार में हुआ है। 2014 और 2022 के बीच अरबपतियों की नेट संपत्ति 280% से अधिक बढ़ी है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

रामलीला मैदान गवाह बनेगा

इंडिया यानी भारत एकजुट होकर केजरीवाल की राजनीतिक गिरफ्तारी का विरोध करेगा। सभी भारतीय दल 31 मार्च को एक संयुक्त मेगा रैली आयोजित करेंगे। रामलीला मैदान लोकतंत्र को बचाने एकजुटता के साथ खड़े होने के लिए लाखों लोगों को एक साथ आने का गवाह बनेगा।

-राघव चड्ढा, आप सांसद

करंट अफेयर

गाजा में सहायता भेजने की आवश्यकता है : गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने गाजा जाने का इंतजार कर रहे ट्रकों की लंबी कतार के पास खड़े होकर शनिवार को कहा कि यह गाजा को अधिक से अधिक मात्रा में जीवनरक्षक सहायता देने का समय है और उन्होंने इजराइल एवं हमास के बीच तत्काल संघर्ष विराम का आग्रह किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने गाजा के रफह शहर के निकट मिस्र की सीमा में यह बात कही। इजराइल तमाम चेतावनियों के बावजूद रफह में जमीनी हमला शुरू करने की योजना पर काम कर रहा है। गाजा की आधी से ज्यादा आबादी ने वहां शरण ले रखी है। गुतारेस ने कहा कि आगे कोई भी हमला हालात को और भी बदतर बना देगा। उन्होंने कहा कि हालात सिर्फ फलस्तीनी नागरिकों के लिए बदतर नहीं होंगे, बल्कि बंधकों और क्षेत्र के सभी लोगों के लिए भी बदतर होंगे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल संघर्ष विराम के लिए अमेरिका प्रयोजित प्रस्ताव पर सहमति नहीं बनने के एक दिन बाद यह बात कही। गुतारेस ने गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाने में आ रही दिक्कतों को बार-बार रेखांकित किया जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसी इजराइल को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। उन्होंने कहा, 'हम मायूसी देख रहे हैं.. सीमा के एक ओर रुके हुए ट्रकों की लंबी कतार है और दूसरी तरफ भुखमरी का साया।'

ऑफ बीट

तापमान बढ़ने से दक्षिण की और जा रही प्रजातियां

पारिस्थितिकी विज्ञानियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्नों में से एक यह समझना है कि जलवायु के तेजी से बदलने के साथ पारिस्थितिकी तंत्र कैसे बदलेगा। हम पहले ही देख रहे हैं कि पौधों और पशुओं की कई प्रजातियां बढ़ते तापमान के कारण ऊपरी स्थानों और ध्रुवों की ओर जा रही हैं। इसकी बहुत ज्यादा संभावना है कि ज्यादातर प्रजातियां अपने पसंदीदा तापमान वाले स्थानों की तलाश में निकलेंगी। लेकिन अजीब बात यह है कि कई प्रजातियां मौजूदा तापमान से कहीं अधिक तापमान में भी जीवित रह सकती हैं। हम अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि तापमान पारिस्थितिकी तंत्र को इतनी दृढ़ता से क्यों प्रभावित करता है। इस पहेली पर प्रकाश डालने के लिए हमारे नए शोध में ऑस्ट्रेलियाई पौधों की नयी श्रृंखला का इस्तेमाल किया गया और प्रत्येक प्रजाति की न्यूनतम व अधिकतम तापमान प्राथमिकताओं की गणना की गयी है। ये आंकड़े हमें बताते हैं कि औसतन वार्षिक तापमान में 15 डिग्री सेल्सियस से 16 डिग्री सेल्सियस तक बदलाव के कारण कितनी प्रजातियां खो चुकी हैं या पैदा हुई हैं। परिणाम आश्चर्यजनक हैं। ऑस्ट्रेलिया के नमी वाले पूर्वी तट में तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने पर औसतन 19 फीसदी और प्रजातियां मिली और 14 प्रतिशत प्रजातियां लुप्त हो गयीं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

हरिभूमि रण भूमि लोकसभा सत्ता संग्राम-2024

> विधानसभा चुनावों में हाईप्रोफाइल सीट रही राजनांदगांव अब लोकसभा चुनाव में भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मैदान में उतरने से रोचक हो गई है। प्रदेश के साथ ही देशभर की नजरें इस सीट पर बनी हुई है। भाजपा जहां मौजूदा सांसद संतोष पांडे को दोबारा मैदान में उतारकर मोदी मैजिक के सहारे जीत दर्ज करने में लगी हुई है। वहीं कांग्रेस ओबीसी वर्ग से आने वाले पूर्व सीएम भूपेश बघेल के सहारे पिछले दो दशक से अभेद राजनांदगांव सीट पर अपनी वापसी करना चाहती है।

जातिगत समीकरण बेअसर, 15 सांसदों में सामान्य वर्ग के 14

राजनांदगांव लोकसभा

सात दशकों में सिर्फ एक महिला ही बनीं सांसद | राजनांदगांव लोकसभा में सर्वाधिक है ओबीसी वर्ग की जनसंख्या | एक बार ही ओबीसी वर्ग के उम्मीदवार ने जीती यह सीट

सत्यम शर्मा ▶▶| राजनांदगांव

मौजूदा राजनीति में जातिगत समीकरण को बहुत महत्व दिया जाने लगा है। राजनीतिक पार्टियों से लेकर सर्वे करने वाले भी परिणाम का आंकलन उस क्षेत्र में जाति के लोगों की संख्या देखकर करने लगे हैं, लेकिन राजनांदगांव लोकसभा सीट इस समीकरण के विपरीत परिणाम देती रही है।

राजनांदगांव लोकसभा में ओबीसी वर्ग की जनसंख्या सर्वाधिक है। यहां साहू समाज से लेकर लोधी, चंद्रवंशी, यादव और अन्य ओबीसी समाज के वोटरों की संख्या अधिक है। आदिवासी जनसंख्या भी लाखों में है,

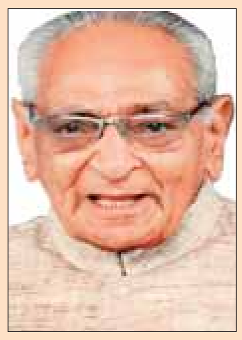

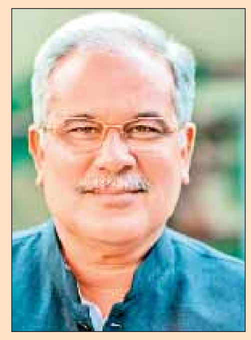

लेकिन इसके बावजूद पिछले सात दशकों में इस सीट से सामान्य वर्ग का उम्मीदवार ही सांसद बनते आया है। 1952 में पहली बार हुए लोकसभा के आम चुनाव से लेकर अब तक केवल एक दफा ही ओबीसी वर्ग के उम्मीदवार ने इस सीट से जीत दर्ज कर पाई है।

इकलौती महिला सांसद रही हैं पद्मावती देवी

राजनांदगांव लोकसभा से अब तक केवल एक ही महिला ने जीत हासिल की है। करीबन पांच दशक पहले 1967 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से उम्मीदवार बनाई गई पद्मावती देवी ने सीपीआई के प्रत्याशी रहे पी. राय को लगभग 86 हजार मतों से हराया था। इसके बाद 1971 में भी वे चुनावी मैदान में थी, लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस से उम्मीदवार बनाए गए राम सहाय पांडे के हाथों उन्हें शिकस्त मिली। इस चुनाव के बाद से कभी महिला प्रत्याशी ने जीत हासिल नहीं की है।

ये रहे अब तक के सांसद

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के पहले सांसद 1957 में कांग्रेस के राजा बहादुर सिंह रहे, 1962 में भी इन्हें ही जीत मिली। 1967 में कांग्रेस प्रत्याशी रही पद्मावती देवी, 1971 में कांग्रेस प्रत्याशी रहे राम सहाय पांडे, 1977 में जनता पार्टी के प्रत्याशी मदन तिवारी, 1980 और 1984 में कांग्रेस के शिवेंद्र बहादुर सिंह, 1989 में भाजपा प्रत्याशी धर्मपाल सिंह गुप्ता, 1991 में कांग्रेस के शिवेंद्र बहादुर सिंह, 1996 में भाजपा के अशोक शर्मा, 1998 में कांग्रेस के मोतीलाल वोरा, 1999 में भाजपा के डॉ. रमन सिंह, 2004 में भाजपा के प्रदीप गांधी, 2007 के उपचुनाव में कांग्रेस के देवव्रत सिंह, 2009 में भाजपा के मधुसूदन यादव, 2014 में भाजपा के अभिषेक सिंह और 2019 में भाजपा के संतोष पांडे सांसद बने।

तीन मुख्यमंत्रियों का रहा नाता

राजनांदगांव लोकसभा सीट काफी पहले से ही हाईप्रोफाइल सीटों में शामिल रही है। इस सीट से तीन मुख्यमंत्रियों का नाता रहा है। अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके कांग्रेस के दिग्गज नेता मोतीलाल वोरा ने इस सीट से 1998 और 1999 में लोकसभा चुनाव लड़ा। जिसमें 1998 में उन्हें जीत मिली थी। ऐसे ही 1999 में दिग्गज नेता मोतीलाल वोरा को हराने वाले डॉ. रमन सिंह भी मुख्यमंत्री की गद्दी तक पहुंचे और 2003 से 2018 के मध्य 15 साल तक छत्तीसगढ़ के सीएम रहे। अब पांच साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल भी इस सीट से चुनावी मैदान में उतर चुके हैं।

आमने/सामने

लखमा बने बलि का बकरा : साय

बस्तर लोकसभा सीट से कवासी लखमा को प्रत्याशी बनाए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तंज कसते हुए कहा, लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे। कांग्रेसी नेता चुनाव के लिए मिला हुआ टिकट वापस कर रहे हैं। बस्तर में कोई नहीं मिला तो कवासी लखमा को बलि का बकरा बना रहे हैं।

बस्तर की जनता मेरे लिए भगवान : लखमा

बस्तर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने कहा, बस्तर की जनता मतदाता नहीं, मेरे लिए भगवान है। बस्तर लोकसभा में कवासी लखमा नहीं, बल्कि हर मतदाता उनके लिए लड़ रहा है। हम पूरे दम-खम से चुनाव लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे।

मोदी से मुलायम तक नेताओं के बयानों की हुई देशभर में चर्चा

बयान... जिनसे किसी को मिली सत्ता, तो कोई गंवा बैठा प्रतिष्ठा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव अपने पूरे रंग में आ चुका है। पिछले चुनाव के वक्त नेताओं के बयान और भाषणों पर पहले भी खूब चर्चाएं हुईं। मुरादाबाद की धरती से भी खूब बयान और भाषण दिए गए हैं, जिसकी चर्चा देश भर में हुई। पीएम मोदी ने मुरादाबाद में एक जनसभा के दौरान कहा कि मैं फकीर हूं झोला उठाकर चला जाऊंगा। इतना ही नहीं मुलायम सिंह ने लड़के हैं गलती हो जाती है वाला बयान भी मुरादाबाद में ही दिया था। कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान में भाजपा से सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर आपित्तजनक टिप्पणी की थी। जिसे लेकर प्रदेश भर में खूब हंगामा और बवाल हुआ था। अभिनेत्री एवं पूर्व सांसद जयाप्रदा पर सपा सासंद डॉ. एसटी हसन ने अभद्र टिप्पणी कर दी थी।

हम तो फकीर हैं झोला उठाकर चल देंगे : मुरादाबाद। आठ नवंबर 2016 को नोटबंदी का कड़ा फैसला करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन दिसंबर 2016 को मुरादाबाद में रैली को संबोधित करने पहुंचे थे। कुछ वक्त बाद यूपी के विधानसभा चुनाव होने थे। उन्होंने मंच से से कहा था हमेशा राशन की लाइनों में लगे हो, जगह - जगह कतारें लगाई हैं, बस एक आखिरी बार इन कतारों को और झेल लो। इसके बाद देश बदल जाएगा। इसी बीच उन्होंने कहा था कि मैं तो फकीर हूं, झोला उठाकर चल दूंगा। पीएम नरेंद्र मोदी यह बयान खूब चर्चित हुआ था। खासकर पाकिस्तानी मीडिया में मोदी के इस डायलॉग को खूब दिखाया गया था।

मुलायम सिंह ने कहा था, लड़के हैं गलती हो जाती है

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने 10 अप्रैल 2014 को मुरादाबाद में एक रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा, लड़कियां पहले दोस्ती करती हैं। लड़के-लड़की में मतभेद हो जाता है। मतभेद होने के बाद उसे दुष्कर्म का नाम दे देती हैं। लड़कों से गलतियां हो जाती हैं। क्या दुष्कर्म के केस में फांसी दी जाएगी। उनके इस बयान का देश भर में खूब विरोध हुआ था।

रीता बहुगुणा जोशी हुई थी गिरफ्तार : कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्तमान में भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी 15 जुलाई 2009 में मुरादाबाद आई थीं। नया मुरादाबाद स्थित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर रेप की घटनाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उस वक्त मायावती प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं। बयान मीडिया की सुर्खियां बनीं तो पुलिस हरकत में आई और रीता बहुगुणा जोशी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया था। मायावती समर्थकों ने रीता का घर जला डाला था।

जयाप्रदा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी

सपा नेता आजम खां ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान रामपुर में भाजपा की प्रत्याशी जयाप्रदा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। चुनाव के बाद मुरादाबाद में मुस्लिम डिग्री कॉलेज में सपा की ओर से एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। यहां आजम ने जया पर तंज कसते हुए कहा था कि जिसे मैं रामपुर लेकर आया था, उसकी असलियत जानने में आप लोगों को 17 साल लगे। मैं 17 दिनों में ही जान गया था कि इनके नीचे का जो अंडरवियर है वह ख़ाकी रंग का है।

कलक्टर-पलक्टर से मत डरियो

2019 में सपा और बसपा ने गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ा था। रामपुर सीट सपा के खाते में आई थी और सपा ने आजम खां को प्रत्याशी बनाया था। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खां ने एक सभा में लोगों से कहा था कि सब डटे रहो, कलक्टर-पलेक्टर से मत डरियो, ये हैं तनखैया.. हम इनसे नहीं डरते हैं। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।

हैदराबाद के लिए कुछ नहीं किया ओवैसी ने : लता

हैदराबाद। तेलंगाना की चर्चित हैदराबाद सीट पर भाजपा ने इस बार कोम्पेला माधवी लता को उतारा है। फिलहाल, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इस सीट पर सांसद हैं। हैदराबाद सीट पर सन 1884 से ही ओवैसी परिवार का कब्जा रहा है। इसे ओवैसी का गढ़ माना जाता है। चुनावी मैदान में उतरने के बाद से माधवी लता लगातार ओवैसी पर निशाना साध रही हैं। उन्होंने एक बार फिर दावा किया की ओवैसी ने इस निर्वाचन क्षेत्र को केवल पीड़ा, भय और अन्याय दिया है, हैदराबाद के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया है। साथ ही यह भी दोहराया कि वह उनकी भव्य छवि से परेशान नहीं हैं। भाजपा की 49 वर्षीय युवा उम्मीदवार लता भरतनाट्यम डांसर और उद्यमी हैं। हैदराबाद में वह सामाजिक कामों के लिए भी जानी जाती हैं। अब वह 13 मई को होने वाले आम चुनावों में ओवैसी से उनके गढ़ में मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

चंदन तस्कर वीरप्पन की बेटी भी लोस चुनाव में ताल ठोक रहीं

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

कुख्यात चंदन तस्कर वीरप्पन की बेटी विद्या रानी तमिलनाडु में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में अपना भाग्य आजमाएंगी। वह नाम तमिझार काची (एनटीसी) की तमिल राष्ट्रवादी पार्टी के टिकट पर कृष्णागिरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। पेशे से वकील, विद्या रानी जुलाई 2020 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं थीं। यहां उन्हें तमिलनाडु बीजेपी युवा शाखा के उपाध्यक्ष का पद मिला था, लेकिन हाल ही में अभिनेता-निर्देशक सीमान के नेतृत्व वाले एनटीके में शामिल होने के लिए उन्होंने बीजेपी छोड़ दी थीं।

पेशे से हैं वकील चलाती हैं स्कूल

बच्चों का स्कूल चलाती हैं विद्या

पेशे से वकील विद्या रानी, कृष्णागिरि में बच्चों का एक स्कूल चलाती हैं और बेंगलुरु से उनका गहरा नाता है क्योंकि उन्होंने शहर में पांच साल का लॉ कोर्स किया था। यहां उनके कई दोस्त भी हैं। हालांकि वह अपने पिता वीरप्पन से केवल एक बार मिली है। विद्या रानी कहती हैं कि पिता वीरप्पन ने ही उनके जीवन को नई दिशा दी। वह कहती हैं कि जब वह तीसरी कक्षा में थीं तब तमिलनाडु-कर्नाटक सीमा पर गोपीनाथम में अपने दादा के घर पर अपने पिता से पहली और आखिरी बार मिलीं थीं।

पिता वीरप्पन को देती हैं कामयाबी का श्रेय

विद्या रानी कहती हैं कि मैंने पिता से मुलाकात में करीब 30 मिनट तक उनसे बात की और वह बातचीत अब भी मेरे दिमाग में ताजा है। उन्होंने मुझे पकड़कर डॉक्टरी की पढ़ाई करने और लोगों की सेवा करने के लिए कहा था। उन्होंने मुझे मेहनत करके नाम कमाने के लिए कहा था। आज मैं अपनी जिंदगी में जहां हूं वहां तक पहुंचाने में उनकी उन्हीं बातों ने अहम भूमिका निभाई है।

येदियुरप्पा के बेटे के खिलाफ एफआईआर

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बेटे राघवेंद्र येदियुरप्पा मुश्किलें बढ़ सकती हैं। चित्रदुर्ग में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुआ है। पूर्व सीएम के बेटे बीवाई राघवेंद्र शिवमोग्गा से मौजूदा सांसद है। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए इस सीट से इस बार भी टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा है।

भूपेश, महंत और टीएस एक साथ करेंगे दौरा

रायपुर (हो.स.)। भाजपा के सत्ता में वापस लौटने के बाद नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव दबाव में हैं। तीनों ही अपने राजनीतिक जीवन की कठिन राह से गुजर रहे हैं। भूपेश के सामने राजनांदगांव सीट जीतने के साथ भाजपा सरकार के कानूनी फंदे से निपटने की चुनौती है। श्री महंत के सामने कोरबा सीट बचाने की। वहीं श्री सिंहदेव राजनीतिक जीवन को पटरी पर लाने की जद्दोजहद में जुटे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव एक साथ दौरा करेंगे। लोकसभा चुनाव में दौरा करने के लिए एक हेलिकाप्टर चंदा करके किराए पर लिया जाएगालोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ाने का निर्णय लिए जाने के बाद कई पदाधिकारी चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया था। टीएस सिंहदेव ने व्यक्तिगत कारणों से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने के अपने निर्णय से हाइकमान को अवगत करा दिया है। ऐसे में कांग्रेस के प्रदाधिकारी मान रहे हैं कि चुनाव हारने के बाद टीएस प्रदेश के नेताओं से दूरी बना लिया है। पिछले चुनाव में जय-वीरू के नाम से चर्चित जोड़ी ने ही विधानसभा चुनाव में जीत दिलाई थी। अब लोकसभा में कांग्रेस भाजपा को हराने फिर उन्ही के सहारे पार्टी में जान फूंकने की तैयारी कर रही है।

प्रत्याशी चयन में भी तीनों से सलाह

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने कई विधायकों की टिकट काट दी चुनाव के समय काट दी थी। उनमें से कई लोगों ने असंतोष व्यक्त करते हुए संगठन के पदाधिकारियों पर आरोप लगाए। उनमें से कई को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था। उनके क्षेत्र में कांग्रेस हार गई, उन स्थानों पर अब कांग्रेस को लगने लगा है कि लोकसभा चुनाव में वहां से जीतना मुश्किल है। ऐसे में वहां पर प्रत्याशी खोजने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इसमें भी कांग्रेस के त्रिमूर्ति भूपेश-महंत और टीएस को आगे किया जा रहा है।

द्रमुक सांसद गणेशमूर्ति अस्पताल में भर्ती

इरोड। तमिलनाडु के इरोड से मौजूदा लोकसभा सांसद द्रमुक के गणेशमूर्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई है। इस बारे में पुलिस ने बताया कि आज सुबह करीब साढ़े नौ बजे गणेशमूर्ति को बेचैनी महसूस हुई थी, जिसके बाद उन्हें एक एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। शुरुआती जांच के बाद उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर वेंटिलेटर पर रखा गया था। बाद में गणेशमूर्ति को पास के कोयंबटूर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

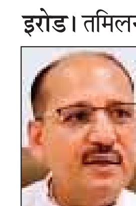

पप्पू यादव का लालू-कांग्रेस को अल्टीमेटम

'पूर्णिया से चुनाव लड़ूंगा वरना कहीं से नहीं'

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के 40 लोकसभा सीटों पर अभी तक कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीट बंटवारे का पेंच नहीं सुलझा है। इस बीच पूर्णिया के रुपौली से विधायक बीमा भारती ने जेडीयू से इस्तीफा देने के बाद लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ज्वाइन कर लिया है। बीमा भारती के आरजेडी में शामिल होने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी उन्हें पूर्णिया सीट से लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बना सकती है।

आरजेडी पर भड़के

पूर्णिया पर अपने ट्वीट को लेकर कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने कहा, 'मैं एक परिवार के विश्वास, आशीर्वाद और पार्टी की विचारधारा से प्रेरित हूं। ये सारी जिम्मेदारियां अब उस पार्टी के नेतृत्व की हैं। मैं कोसी में काम कर रहा हूं।' पिछले 2 सालों से सीमांचल और 5 सालों से पूरे बिहार की सेवा में लगा हुआ हूं। पप्पू यादव ने कहा, 'लालू यादव चाहते थे कि मैं मधेपुरा से चुनाव लड़ूं लेकिन मैंने उन्हें मना कर दिया था, मैंने उनसे कहा था कि मैं पूर्णिया नहीं छोड़ सकता।

राजनांदगांव के सांसद और लोकसभा प्रत्याशी संतोष पांडेय से डा. हिमांशु द्विवेदी की बातचीत

भूपेश पाटन से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ें, दावा है कि उनका आखिरी चुनाव होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजनांदगांव के सांसद और लोकसभा के प्रत्याशी संतोष पांडेय ने कहा, मैं भूपेश बघेल को चुनौती देता हूं। वे पाटन से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ें। राजनांदगांव के लोकसभा का चुनाव उनका अंतिम चुनाव होने वाला है। राजनांदगांव की जनता कभी स्वीकार करने वाली नहीं है। यहां से उनको बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। जहां पर भाजपा का सवाल है तो भाजपा में उनके जैसे व्यक्ति के लिए कोई स्थान नहीं है। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से चुनावी संवाद के प्रमुख अंश।

▶▶ कितने परेशान और हैरान हैं, उम्मीदवारी से?

▶▶ ▶▶ कोई हैरानी नहीं है, कोई आश्चर्य नहीं, कोई परेशानी नहीं है। भूपेश बघेल हों या कोई भी हो, कोई फर्क नहीं पड़ता है। आपने देखा होगा कवर्धा में विधानसभा चुनाव में हमारे युवा मोर्चा के अध्यक्ष रहे और प्रदेश संगठन के महामंत्री विजय शर्मा ने किस तरह से मो. अकबर हो हराने का काम किया। वापस मौदहापारा जाना पड़ा। ईश्वर साहू ने रवींद्र चौबे को निपटा दिया। कांग्रेस में स्थिति यह है कि कांग्रेस के नेता तो चुनाव लड़ने से मना कर रहे हैं। धक्का मारकर खड़ा किया गया है इसलिए आ गए हैं, ये लोग क्या कर सकते हैं। भूपेश बघेल क्या हैं, कांग्रेस का कोई भी राष्ट्रीय नेता आकर यहां से चुनाव लड़ लें, कोई फर्क नहीं पड़ता है।

▶▶ प्रदेश 9 सांसदों में से सात के टिकट कट गए, लेकिन आपको टिकट मिल गया आखिर ये करिश्मा कैसे हो गया?

▶▶ ▶▶ मैंने जो भी काम किया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षा के अनुरूप किया है। चाहे रेलवे, सड़क, स्वास्थ्य में हो। इसी के साथ नीचे तक प्रचार-प्रसार सब किया गया। जनता का जो मुझे आशीर्वाद मिला है। केंद्रीय और प्रदेश के संगठन ने मुझे फिर से प्रत्याशी बनाया है। मैं कांग्रेस के लिए भी आभारी हूं कि उन्होंने भूपेश बघेल को राजनांदगांव से मौका दिया है। राजनांदगांव की जनता के लिए यह शानदार अवसर है। अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे।

▶▶ संतोष पांडेय जो भूपेश बघेल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, क्या मान कर चलें, हम किससे बात कर रहे हैं, क्या भावी मुख्यमंत्री से?

00 मैं अपनी औकात जानता हूं। जिस गांव जाना नहीं है उसकी मैं अपेक्षा भी नहीं करता हूं। किसी भी प्रकार की मन में कोई आकांक्षा नहीं है।

▶▶ लोकप्रिय मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल के चुनाव लड़ने से कितना खबरा रहे हैं?

▶▶ ▶▶ कोई लोकप्रिय नहीं कुख्यात मुख्यमंत्री रहे हैं। कुख्यात किसके लिए प्रयोग होता है, जो लूटता है। छत्तीसगढ़ को लूट लिया है उन्होंने। भ्रष्टाचार में कई अधिकारी जेल में हैं। शराब घोटाले में रायपुर के महापौर के भाई को जेल जाना पड़ा, कोई जवाब नहीं है इनके पास। भगवान शंकर महादेव को भी इन्होंने नहीं छोड़ा। देश भर में महादेव एप मामले की गूंज हैं। छत्तीसगढ़ की अस्मिता को तो भूपेश बघेल ने तार-तार कर दिया है। छत्तीसगढ़ की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया है। भूपेश बघेल के लिए यह आखिर चुनाव होगा, मैं चुनौती देता हूं, भूपेश बघेल पाटन से इस्तीफा देकर आ जाएं मैदान में अगर उनमें दम है तो।

▶▶ भूपेश बघेल चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे तो प्रत्याशी कैसे बन गए, क्या संतोष पांडेय ने कोई खेल किया कांग्रेस के अंदर?

▶▶ ▶▶ भूपेश बघेल हो या ताम्रध्वज साहू या फिर विकास उपाध्याय कोई भी चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं, इनको जबरदस्ती हाई कमान ने प्रत्याशी बना दिया है। इसमें संतोष पांडेय का तो नहीं है, कई मंत्री विधानसभा चुनाव में निपट गए अब उनका जरूर इसमें कुछ हो सकता है।

▶▶ कांग्रेसी आपके लिए कितनी मेहनत कर रहे हैं, ये क्या खेल है?

▶▶ ▶▶ ये रण क्षेत्र है जो भी हमारे पाले में आने को तैयार हैं उनका स्वागत है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी कहा है जो आना चाहते हैं उनका भी स्वागत है, तो समर्थन करना चाहते हैं उनका भी स्वागत है।

▶▶ भूपेश बघेल के लिए भी भाजपा के द्वार खोल दिए हैं क्या?

▶▶ ▶▶ सनातन धर्म के विरोध में काम करने वालों और छत्तीसगढ़ की अस्मिता से खिलवाड़ करने वालों का स्वागत नहीं है। इनको छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरा देश जानता है कि इन्होंने क्या किया है। भूपेश बघेल के लिए भाजपा में कोई स्थान नहीं है।

▶▶ मो. अकबर, नवाज खान चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रहे हैं, ये कमाल कैसे हुआ है?

▶▶ ▶▶ इनको चुनाव प्रचार में घूमना चाहिए, ये क्यों नजर नहीं आ रहे हैं कांग्रेस जाने। मैं पूछना चाहता हूं भूपेश बघेल से कि क्यों नहीं घुमा रहे हैं इनको अपने साथ। ये ही तो बड़े नेता थे विधानसभा के चुनाव में।

देर रात तक चला होलिका प्रतिमाओं का दहन

कहीं महंगाई युक्त तो कहीं प्रदूषण मुक्त होली जली

जबलपुर।

रंगों का अलमस्त त्यौहार होलिकोत्सव पर शहर में स्थापित की गई सैकड़ों होलिका प्रतिमाओं का रविवार की रात दहन किया गया। अनेक स्थानों पर एक दिन पूर्व ही होलिका स्थापित कर दी गई थी। शाल ढलते ही बाजार गुलजार हो गये थे लोगों ने रंग पिचकारी मेवा मिष्ठान की खरीदी की और इसके बाद रात नौ बजे के बाद सड़कों पर होली के हुलियारे शराब के नशे में मदमस्त होकर हुड़दंग मचाने लगे थे। खासकर जहां पर होलिका प्रतिमाएं रखी गई थी वहां डीजे साउंड लगाकर हुलियारे नाचते गाते रहे। रात 10 बजे के बाद पुलिस ने सख्ती प्रारंभ की। जिला दण्डाधिकारी द्वारा त्यौहारों एवं चुनावों के मद्देनजर प्रतिबंधात्मक धारा 144 लागू कर दी गई थी जिससे पुलिस ने रात 10.30 बजे के बाद होलिका प्रतिमाओं का दहन प्रारंभ करवा दिया था। इक्का-दुक्का स्थानों को छोड़कर सभी मुख्य मार्ग पर रखी गई होलिका प्रतिमाओं का दहन रात 12 बजे तक कर दिया गया। वैसे भी होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात 10.30 बजे से 12.30 बजे तक था लेकिन शांति समिति की बैठक में होलिका दहन की समय सीमा रात 11 बजे तय की गई थी। लिहाजा पुलिस ने 11 बजे से होलिका दहन कराने के लिए दबाव बनाना प्रारंभ कर दिया था। तमाम प्रतिबंध के बावजूद गली कूचों और कालोनियों में डीजे साउंड बजते रहे। छुटपुट घटनाओं को छोड़कर आमतौर पर शांतिपूर्ण माहौल में होलिका प्रतिमाओं का दहन किया गया। पुलिस ने लगातार पेट्रोलिंग की और फिक्स प्वाइंटों पर चहल कदमी करते रहे।

होली पर भी छाया महंगाई बेरोजगारी का साया

बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक होलिकोत्सव पर इस बार महंगाई और बेरोजगारी का साया छाया रहा। एक तरफ बाजारों में मंदी छायी रही वहीं होलिका प्रतिमाओं को कहीं मंहगाई के प्रतीक में कहीं बेरोजगारी के प्रतीक में कहीं पर्यावरण संरक्षण का संदेश की झांकी के रूप में स्थापित किया गया था। गढ़ाफाटक में मंहगाई, बेरोजगारी की झांकी रखी गई थी, वहीं गुलौआ चौक में बच्चों ने ही ऐसा प्रयास किया था, वहीं कछियाना में प्रदूषण और हानिकारक पॉलीथीन की होलिका प्रतिमा का दहन किया। हालांकि गत वर्ष के मुताबिक इस वर्ष होलिका कम रही, अधिकांश स्थानों पर भूसा, कंडे, लकड़ी एकत्रित कर होलिका के रुप में जलाई गई।

झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ पूरी ताकत से करेगा चुनाव का शंखनादः दीपक नाहर

जबलपुर। जिला जबलपुर ग्रामीण भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बाबू सिंह ठाकुर के नेतृत्व में कार्यशाला बैठक हुई संपन्न। बैठक के दौरान भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक दीपक नाहर ने बताया की प्रदेश स्तरीय महा संपर्क अभियान के तहत भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल निर्देशानुसार प्रदेश स्तरीय महा संपर्क अभियान मध्य प्रदेश के सभी जिलों में चलाया जा रहा है इसी क्रम में बस्ती बस्ती में जाकर नव मतदाताओं को पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के लोकसभा संयोजक एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू ब्रिज ने भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में लाभार्थी हितग्राहियों के घर पहुंच कर उनसे चर्चा करने के बाद उन तक भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा पहुंचाई गई राम राम उन तक पहुंचाया गया जिसे पाकर सभी नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया, जिसमें आशीष शुक्ला ने बैठक को संबोधित करते हुए सभी भाजपा पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। झुग्गी झोपडी प्रकोष्ठ जिला ग्रामीण में महासपर्क अभियान के तहत नगर निगम के अध्यक्ष रिंकू विज, प्रदेश सह संयोजक दीपक नाहर जिला संयोजक ठा. बाबू सिंह,जिला सह संयोजक आशीष शुक्ला, राजा नाहर (पार्षद), सोनू सोनी, अनिल राय (पूर्व पार्षद), सहसंयोजक वीरेंद्र दुबे, शेलेन्द्र बघेल, प्रशांत दुबे, प्रकाश केवतजी, हरिशंकर साहू, नरेंद्र सिंह तोमर, अमर दुबे, मोनू सिंह चौहान, श्याम सुंदर अग्रवाल, राजा नाहर (पार्षद), अखिलेश नामदेव (महामंत्री), प्रिन्स पटैल, नीरज मार्वे, दिपेश कोंडे, अजय पारस, जित्तू शुक्ला और भाजपा के ज्येष्ठ और श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

अयोध्या में 11 दिनों तक भंडारा चलाने वाली चलित प्रसादम समिति का जोरदार स्वागत

जबलपुर। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में दर्शनार्थियों को लगातार 11 दिनों तक सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि का भोजन बड़े प्रेम एवं सेवाभाव से करने वाली संस्कारधानी का नाम रोशन करने वाली श्री चलित सेवा प्रसादम समिति के अध्यक्ष शरद अग्रवाल, डॉ. सुधीर अग्रवाल, एड. सचिन अग्रवाल पूरे परिवार सहित सभी सेवाधारियों का आज जबलपुर आगमन हुआ। टेलीग्राफ हनुमान मंदिर में वरिष्ठ पत्रकार रवि वाजपेयी, हिंदू उत्सव समिति के अखिलेश दीक्षित, राजेंद्र चौधरी, भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक मनीष जैन कल्लू, अमन बिंद्रा, सचिन सोनकर, मयंक मतानी, ऋषि राय, अरुण मासाब, नर्मदा पंचकोशी समिति के डॉ. शिवशंकर पटेल, श्याममनोहर पटेल आदि ने पवनसुत हनुमान जी महाराज के चरणो में नमन किया, इस सफल सेवा के लिए आभार व्यक्त किया, इसके बाद ढोल, धमाल, फूलमाला से सभी सेवाधारियों का अभिनंदन किया गया और शरद अग्रवाल के निवास पर सभी को भोजन करवाकर यथा योग्य विदाई भेंट की गई।

जबलपुर की मातृशक्ति व श्रद्धालुओं ने बागेश्वर धाम की यात्रा की

जबलपुर।

जगदीश मंदिर गढ़ा फाटक से 21 मार्च को 09 बसों से मातृशक्तियों के साथ लगभग 600 श्रद्धालु धार्मिक यात्रा में बागेश्वरधाम पहुंचे। भीमकुण्ड, जटाशंकर, बागेश्वरधाम, खजुराहो के मतंगनाथ भोलेशंकर, पन्ना के जुगलकिशोर मंदिर में सभी ने आरती कर प्रसाद प्राप्त किया। रात्रि विश्राम के बाद प्रमुख रूप से बागेश्वर धाम पहुंचे श्रद्धालुओं ने बागेश्वरजी, साधुजी, संन्यासी बाबा से आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा की संयोजिका सीमा तिवारी के आग्रह पर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। उन्होंने दो महिला व एक पुरुष का पर्चा निकाला, साथ ही सभी को मुट्ठी बंधाकर मनोकामना पूर्ण होने का आशीर्वाद दिया। इस यात्रा में सीमा तिवारी, प्रमोद पटेल कुशवाहा, नीतू केशरवानी, वर्षा केशरवानी, पूजा कश्यप, ज्योति श्रीवास्तव, ज्योति सेन, आराधना दुबे, रेखा दुबे, प्रेम पटेल, सुषमा पटेल, प्रतिभा पटेल सहित अन्य शामिल हुए।

गीत नाटक व प्रदर्शनी के माध्यम से दिया मतदान जागरूकता का संदेश

जबलपुर। भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर द्वारा गुरू तेग बहादुर ख़ालसा महाविद्यालय महानद्दा जबलपुर में महाविद्यालय व जिला स्वीप सेल के संयुक्त तत्वाधान में मतदाता जागरूकता विषय पर विशेष जागरूकता प्रचार के अंतर्गत मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहले दिन पोस्टर रंगोली एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं मतदाता जागरूकता हेतु एक विशाल रैली निकाली गई। जो महाविद्यालय से आरंभ होकर छोटी लाइन फाटक से होते हुए महाविद्यालय में आकर संपन्न हुई। द्वितीय दिवस कार्यक्रमों के अंतर्गत महाविद्यालय में संगोष्ठीव्याख्यान मालाए चित्र प्रदर्शनी गीत नाटक कार्यक्रम प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें 18 वर्ष पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों को वोटर आईडी बनवाने मतदान करने हेतु एवं मतदान के दौरान की जाने वाली विशेष व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की गई एवं बताया गया कि हर विद्यार्थी इस जानकारी को अपने परिवारजनों एवं आस-पास के लोगों को अवश्य बताए। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य ने सभी को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा की मतदाताओं को जागरूक रहने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में जिला स्वीप समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव जिला यूथ समन्वयक प्रो.अरूण शुक्ल स्वीप को.आर्डिनेटर डॉ. एमके रिछारिया प्रभारी क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर एस के चौकसे की उपस्थिति रही। डॉ प्रमोद श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को मजबूत लोकतंत्र बनाने में मतदान का योगदान विषय पर एवं वोटर आईडी बनवाने संबंधित सभी जानकारियों प्रदान की । प्रोण अरूण शुक्ल ने यूथ वोटर को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। एस के चौकसे द्वारा विद्यार्थियों को मतदान का महत्व बताते हुए मतदान के प्रति जागरूक करने को कहा। कार्यक्रमों के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में स्लोगन में प्रथम ललित यादव, द्वितीय अंकित काछी तथा वंदना गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली में प्रथम सोनम प्रजापति, द्वितीय माधुरी विश्वकर्मा एवं तृतीय स्थान निहारिका झारिया ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में कुमारी काजल ने प्रथम एवं अनमोल सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दी गई जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी की गई जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में महाविद्यालय प्राचार्य ने सभी को मतदान करने की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार से श्रीमती शिखा पाराशर डॉ मनीष शाह, डॉ शिवमणि मिश्रा, श्रीमति प्रकृति बिस्वास, डॉ अंजू पाठक डॉ विपिन राय, डॉ शशि दुबे, डॉ संध्या कोष्टा, जी एस वालिया, डॉ रोहित वर्मा, रत्नेश नामदेव, संजय गुप्ता, डॉ आरती शुक्ला, डॉ मनीष तिवारी, श्रीमति कांति काछी, आसिफ बेग एवं सभी प्राध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सविता तिवारी के द्वारा किया गया। मंच संचालन डॉ. हर्षिता शुक्ला ने किया।

अमर शहीदों को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की

जबलपुर। कमला नेहरू नगर कार्यालय में व्यापारी संघ द्वारा मौन श्रद्धांजलि देकर अमर शहीदों को भारत रत्न दिये जाने, पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा सभी क्लासों की पुस्तक में उनकी जीवनी प्रकाशित करने की मांग की गई, इनके जीवन की आधारशिला को रचनात्मक ढंग से हमारे युवा पीढ़ी को अवगत कराया जाए। कमला नेहरू नगर व्यापारी संघ मांग करता है अमर शहीदों को भारत रत्न से भी बड़ा अगर कुछ दिया जा सकता है तो शहीदों के परिवारों को ढूंढकर यथा योग संभवतः राष्ट्रीय हित में उन्हें सम्मानित किया जाए, सरकार कोई भी हो एक नेक काम होना चाहिए। कमला नेहरू नगर व्यापारी संघ आप सब से करबद्ध निवेदन करता है अमर शहीद अमर रहे धनंजय बाजपेई, विजय गुप्ता, अखिलेश मेहता, विवेक कोहली, निशांत स्वागतिपति, रावेंद तिवारी आदि ने पुष्पांजलि दीप प्रज्वलित करके शहीदों को याद किया।

जागरूक अधिकारी कर्मचारी संघ एवं क्रिश्चियन मंच ने स्टेनली नॉर्बट को दी श्रद्धांजलि

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि संघठन के कर्मचारी हितेषी सक्रिय प्रांतीय सचिव श्री स्टेनली नार्बट कार्यस्थल स्कूल बरगी से जबलपुर आते समय 12.3.24 को दुर्घटना ग्रसित हो गए थे जिनका 20.3.24 देवहसान हो गया जिस हेतु कर्मचारियों ने दुख व्यक्त करने के लिए सिविक सेंटर मढ़ाताल गार्डन में भारी संख्या में उपस्थित होकर उनकी आत्मा की शांति के लिए परमात्मा से प्रार्थना की तथा 2 मिनट का मौन रखा गया। संगठन के प्रदेष अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, मीनुकांत शर्मा, जियाउर्रहीम, राकेष श्रीवास, मुकेश विश्वकर्मा, दिनेश गोंड ,फिलिप अन्थोनी,गुडविन चार्ल्स, क्लेमेंट पायस, अलबर्ट ऐंथोनी, हेमंत ठाकरे,कुलदीप सिंह ,तेजभान सिंह, राजकुमार यादव, संजय महार, अशोक द्विवेदी, मनमोहन चैधरी, रऊफ खान, मनीष मिश्रा, सुरेन्द्र चौधरी, राकेश गुप्ता, एनोस विक्टर, सुरेन्द्र चैधरी, उमेष सिंह ठाकुर, एवं परिवार के सदस्यों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि दी।

गौ माता को बचाने मैदान में आए साधु संत

जबलपुर। गौ-माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के उद्देश्य रविवार को साधु संत एवं को गौ प्रेमी गौ-माता चौक पर एकत्रित हुए। संपूर्ण भारत ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष आचार्य कमलेश शास्त्राr ने बताया कि जो गौ माता समुद्र मंथन से अवतरित हुई एवं जिन गौ माता की वजह से पूरे देश में खुशहाली फैली, आज उन्ही की स्थिति अपने देश में दयनीय है। उन्होंने बताया कि गौ माता के अंदर 35 करोड़ देवी देवताओं का वास होता है, साथ ही उनके मूत्र में गंगा जी एवं गोबर में लक्ष्मी जी का वास होता है। लेकिन इसके बावजूद भी उनकी अपेक्षा हो रही है। आचार्य कमलेश शास्त्राr ने बताया कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए ज्योतिष पीठाधीश्वर श्री जगतगुरु शंकराचार्य गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा कर वृंदावन से दिल्ली की ओर संसद भवन तक पदयात्रा कर रहे हैं। कुछ लोग बिना खड़ाऊ के कड़ी धूप में दिनभर 8 से 10 किलोमीटर की पैदल पदयात्रा कर रहे हैं। जो आगामी 28 मार्च को संसद भवन पहुंचकर गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग करेंगे। उन्ही के समर्थन में आज राइट टाउन स्थित गौ माता चौक पर सभी एकत्रित हुए है।

कल बंद रहेंगी शराब दुकानें

जबलपुर। जिला प्रशासन ने होली के मद्देनजर धुरेंडी के दिन सुबह से लेकर शाम 5 बजे तक शराब दुकान बंद रखने के आदेश जारी किये। जिला दंडाधिकारी दीपक सक्सेना ने 22 मार्च को ही इस संबंध में आदेश जारी कर दिए थे। आबकारी विभाग को निर्देश दिए गए है कि धुरेंडी के दिन शाम 5 बजे तक शराब दुकानों को बंद रखने के लिए आदेश के पालन सुनिश्चित किए गए है। इस अवधि में मदिरा का क्रय विक्रय अवैध संग्रहण पूर्णता निसिद्ध रहेगा। दुकानदानों द्वारा नोटिस टांग दिये जाने से शराब प्रेमियों ने स्टॉक कर शराब को रखा।

जीसीएफ में संयुक्त सलाहकार समिति गठित

जबलपुर।

पिछले दिनों सभी आयुद्ध निर्माणियों में सदस्यता सत्यापन चुनाव हुए चुनाव के परिणामों से निर्माणियों में सदस्यों की संख्या के आधार पर यूनियन को जेसीएम सदस्य पद मिले जिसमें जीसीएफ में मजदूर संघ हथोड़ा को चार पद सीडीआरए (सिद्रा) को एक पद मिले। मजदूर संघ हथोड़ा ने एक बार पुन उत्तम विश्वास को जेसीएम 4 पद पर नियुक्त किया। साथ ही साकेत बनर्जी, अमरेश एवं कृष्ण कुमार शर्मा को भी जेसीएम 4 पद पर नियुक्त किया। सिड्रा से अजय रजक को भी जेसीएम 4 पद में नियुक्त किया। गौरतलब है कि उत्तम विश्वास मजदूर संघ हथोड़ा के वर्तमान में मीडिया प्रभारी भी हैं और अजय रजक वर्तमान में नेशनल काउंसिल मेंबर भी हैं। यूनियन एवं संगठन द्वारा इन सभी संयुक्त सलाहकार समिति सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

रंग गुलाल के बीच निकली नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से प्रतेयक माह की पूर्णिमा को निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा फागुन पूर्णिमा पर संकीर्तन के साथ 428 वी परिक्रमा 9 चरणों में निकली। रंग गुलाल खेलते हुए संकीर्तन करते हुए राधा रानी हर हर महादेव के जय कारे करते हुए बड़े उत्साह से भक्त सुबह से ही छोटे छोटे जत्थों में परिक्रमा कर रहे थे। परिक्रमा हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से पंचवटी 64 योगनी धुआंधार होते हुए लामेटाघाट नाव पार करके शनि मंदिर इमलिया न्यू भेड़ाघाट होते हुए सरस्वती घाट से नाव पार कर हरे कृष्णा आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। हरे कृष्णा आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज ने सभी भक्तों को बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र प्रसाद स्वरूप भेंट किया। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ शिवशंकर पटेल पंडित मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल आदि उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना का एमओयू साईन

टैली प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट की बनी व्यवस्था

जबलपुर।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग, जबलपुर के संभागीय नोडल अधिकारी प्रो. अरूण शुक्ल ने बताया है कि स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग, जबलपुर एवं लक्ष्मी एजुकेशन संस्था के मध्य एक एमओयू संपन्न हुआ है। जिसमें लक्ष्मी एजुकेशन संस्था द्वारा जबलपुर संभाग के टैली प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियो को सौ प्रतिशत प्लेसमेंट दिया जायेगा।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर में उन्नति फाउण्डेशन द्वारा 30 दिवसीय 'सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण' का समापन किया गया। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग, जबलपुर ने बताया कि शासन का प्रयास है कि विद्यार्थी स्किलड बने। महाविद्यालय के स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने उक्त प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षक श्रीमति नेहा मेहता द्वारा विद्यार्थियो को सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण के अंतर्गत लाइफ स्किल, वैल्यू एडेड के साथ इंटरव्यू की तैयारी, स्पोकन इंग्लिश, एम्प्लॉयविलिटी स्किल का प्रषिक्षण दिया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा, नीरज खण्डेवाल, डॉ. नीलिमा, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. शैलेन्द्र भवदिया, डॉ. तरूणेन्द्र साकेत आदि के साथ महाविद्यालय 30 विद्यार्थी उपस्थित रहें।

तीस साल से दुनिया से कटा हुआ है ये देश, खूबसूरती देख दीवाने हो जाते हैं लोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर कोरिया के अलावा एक ऐसा देश भी है जो दुनिया के हर देश से अलग-थलग पड़ गया है। इस देश का नाम तुर्कमेनिस्तान है। दरअसल, तुर्कमेनिस्तान पिछले 28 सालों से बाकी दुनिया से कटा हुआ है। यहां भी उत्तर कोरिया जैसी तानाशाही है। तुर्की मध्य एशिया में स्थित एक देश है। इस देश को तुर्कमेनिस्तान के नाम से भी जाना जाता है। यह देश 1991 तक सोवियत संघ का एक घटक गणराज्य था। लेकिन अब इस देश के लोग न तो खुलकर बोल सकते हैं और न ही उन्हें कहीं भी आने-जाने की आजादी है।

जनसंख्या लगभग 50 लाख

तीन दशक से दुनिया से कटा हुआ है ये देश, खूबसूरती देख दीवाने हो जाते हैं लोग

तुर्कमेनिस्तान की जनसंख्या लगभग 50 लाख है। 1991 में सोवियत संघ से अलग होने के बाद सपरमारुत नियाज़ोव ने तुर्कमेनिस्तान की सत्ता संभाली। इसके बाद नियाज़ोव ने इस देश में तानाशाही शुरू कर दी। इसके कारण यहां के लोगों ने अपने बुनियादी अधिकारों के लिए लड़ना शुरू कर दिया।

आने जाने पर प्रतिबंध

तानाशाही का आलम यह हो गया कि लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। वे खुलकर बोल भी नहीं पाते। ऐसा लगता है कि यहां के लोग न तो मीडिया के जानकार हैं और न ही फोटोग्राफी के। लेकिन यहां आपको हर जगह राष्ट्रपति के पोस्टर दिख जाएंगे।

पर्यटकों को करता है आकर्षित

हालांकि तुर्कमेनिस्तान बाकी दुनिया से अलग है, लेकिन यह दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करता है। हालांकि, इस देश में लोगों को मुफ्त प्राकृतिक गैस समेत कई सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन अपने नागरिकों को सीमित कानूनी अधिकार देने के लिए देश की हमेशा आलोचना की जाती रही है।

खोज

रहस्यमयी वस्तुएं देखकर खोजकर्ता हैरान

हजारों साल पुरानी गुफा में मिले दीये-खोपड़ियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रहस्यों से भरी इस धरती पर अक्सर ऐसी चीजें देखने को मिल जाती हैं, जो हैरान कर देती हैं। ऐसा ही कुछ इजराइल के येरुशलम में देखने को मिला। पुरातत्वविदों को यहां एक प्राचीन द्वार मिला है। हजारों साल पुरानी इस गुफा के अंदर जब वैज्ञानिक गए तो हैरान रह गए। अंदर तेल के लैंप, खोपड़ियां, लैंप, सिक्के और कलाकृतियां मिलीं। हार्वर्ड थियोलॉजिकल रिव्यू में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यहां ऐसे साक्ष्य हैं जो रोमन युग में नेक्रोमेंसी या मौत के जादू की प्राचीन प्रथा की ओर इशारा करते हैं। यहां के लोग आत्माओं से सीधे संवाद करने की कोशिश करते थे।

गुफा में नेक्रोमेंसी समारोह आयोजित किए गए

शोधकर्ताओं के अनुसार, रोमन काल के दौरान गुफा में नेक्रोमेंसी अनुष्ठान होते थे। यहां देवी-देवताओं का आह्वान किया गया। लेकिन बार कोखबा विद्रोह के पतन के बाद, पूरे क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन आया। पहले यह एक यहूदी इलाका था। लेकिन बाद में रोमन साम्राज्य ने यहां के अधिकांश यहूदी लोगों को या तो नष्ट कर दिया या विस्थापित कर दिया। ऐसा माना जाता है कि ये अनुष्ठान उन्हीं के द्वारा किए जाते हैं। जादू-टोना करने के लिए तेल के लैंप, चीनी मिट्टी और कांच के कटोरे और बर्तन, कुल्हाड़ी और खंजर का उपयोग किया जाता था। इसीलिए इस दुर्गम गुफा को मृत आत्माओं से संपर्क का प्रवेश द्वार माना जाता था। यहां के लोगों का मकसद भविष्यवाणी करना और मृत आत्माओं को जगाना था।

मृतकों से संवाद करने की कोशिश

येरुशलम से लगभग 30 किमी पश्चिम में पहाड़ियों में टोमिम गुफा है, जिसका अध्ययन 1873 से किया जा रहा है। विशेषज्ञों को लंबे समय से संदेह है कि यहां बहने वाले भूमिगत झरने के पानी का उपयोग 4 हजार ईसा पूर्व और चौथी शताब्दी के बीच यहां रहने वाले लोगों द्वारा उपचार के लिए किया जाता था। इस जगह का इस्तेमाल मृतकों से संवाद करने की कोशिश के लिए किया जाता था। यानी एक तरह से समझा जाए तो तांत्रिक क्रियाएं होती थीं। इस गुफा का उपयोग दूसरी शताब्दी ईस्वी में बार कोखबा विद्रोह के दौरान यहूदी विद्रोहियों के लिए ठिकाने के रूप में किया गया था। यह गुफा बहुत गहरी है। इसीलिए इसका संबंध मृत्युलोक से माना जाता है। और इसी वजह से यहां तांत्रिक क्रियाएं की जाती हैं।

चट्टानों की दरारों में छिपा हुआ

पुरातत्वविद येरुशलम के हिब्रू विश्वविद्यालय के गुफा अनुसंधान केंद्र के सहयोग से गुफा की खुदाई कर रहे हैं। उन्हें कई अप्रत्याशित चीजें मिलती हैं। उन्होंने कई दिलचस्प वस्तुएं दिखाईं, जिनमें तेल के दीपक से लगभग 2 हजार साल पहले के तीन मानव खोपड़ी के टुकड़े, 120 तेल के दीपक, प्राचीन मिट्टी के बर्तन और कांस्य युग के हथियार शामिल थे। वे व्यवस्थित रूप से चट्टानों की दरारों में छिपे हुए थे। बार इलान विश्वविद्यालय के पुरातत्वविद् और अध्ययन के सह-लेखक डॉ. बोअज़ जीसस ने कहा कि नेक्रोमेंसी की प्रथा भी तब शुरू हुई जब नई बुतपरस्त आबादी यहां रहने आई। हाल की खुदाई से वहां किए जाने वाले प्राचीन अनुष्ठानों के बारे में दिलचस्प जानकारी मिली है।

दूध की प्रति व्यक्ति खपत के मामले में फिनलैंड

इस देश में हर व्यक्ति साल में पी जाता है 430 किलो दूध

नई दिल्ली। यूएन ने हाल में खुशहाल देशों की एक लिस्ट जारी की थी। इसमें फिनलैंड को लगातार सातवें साल पहला स्थान मिला है। फिनलैंड नॉर्डिक इलाके का देश है। नॉर्डिक क्षेत्र उत्तरी यूरोप और नॉर्थ अटलांटिक का भौगोलिक और सांस्कृतिक इलाका है। इसमें डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। फिनलैंड के बारे में एक फैक्ट यह भी है कि दुनिया में दूध की प्रति व्यक्ति सबसे ज्यादा खपत इसी देश में है। इस देश में दूध की सालाना प्रति व्यक्ति खपत 430 किलो है। यानी हर आदमी रोजाना एक किलो से अधिक दूध पी जाता है। अगर भारत के हिसाब से देखें तो फिनलैंड में दूध की प्रति व्यक्ति खपत करीब पांच गुना ज्यादा है।

खबर के मुताबिक प्रति व्यक्ति दूध के खपत के मामले में फिनलैंड के बाद दूसरे नंबर पर मोंटेनेग्रो है। इस देश में दूध की पर कैपिटा सालाना खपत 249 किलो है। मिल्क कंजम्पशन में टॉप 10 देशों में नौ देश यूरोप के हैं। नीदरलैंड में प्रति व्यक्ति सालाना दूध की खपत 341 किलो, स्वीडन में 341 किलो, स्विट्जरलैंड में 318 किलो, अल्बानिया में 303 किलो, लिथुआनिया में 295 किलो, आयरलैंड में 291 किलो, कजाखस्तान में 288 किलो, एस्तोनिया में 284 किलो, डेनमार्क में 277 किलो और नॉर्वे में 261 किलो है।

भारत का हाल

भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले नंबर पर है। दुनिया के कुल दुग्ध उत्पादन में 24.64% हिस्सेदारी है। पिछले नौ साल में इसमें सालाना 5.85% की रफ्तार से तेजी आई है। 2014-15 में देश में दूध का उत्पादन 146.31 मिलियन टन था जो 2022-23 में 230.58 मिलियन टन पहुंच गया। लेकिन प्रति व्यक्ति खपत के मामले में भारत दुनिया में काफी पीछे है। देश में दूध की प्रति व्यक्ति खपत 84 किलो है। पाकिस्तान इस मामले में भारत से कहीं आगे है। वहां प्रति व्यक्ति दूध की सालाना खपत 183 किलो है।

बृहस्पति पर दिखा पृथ्वी से बड़ा 'लाल धब्बा', 13 हजार किमी दूर से आया फोटो

नई दिल्ली। हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति कई रहस्यों से घिरा हुआ है। इस गैसीय ग्रह की पहचान करने और इसके बारे में और अधिक जानने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कुछ अंतरिक्ष यान भेजे हैं। वे बृहस्पति ग्रह का चक्कर लगा रहे हैं और उसकी खोज कर रहे हैं। इसी क्रम में बृहस्पति पर पृथ्वी से भी बड़ा 'लाल धब्बा' देखा गया है। उन्होंने वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया। नासा के जुनाओ अंतरिक्ष यान ने 13 हजार किलोमीटर दूर से यह तस्वीर ली है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर में लाल धब्बा आसानी से देखा जा सकता है। नासा के मुताबिक जूनो अंतरिक्ष यान ने यह तस्वीर 13917 किलोमीटर की दूरी से ली है। जानकर हैरानी होगी कि यह लाल धब्बा एक तूफान है, जो पिछले 350 सालों से बृहस्पति पर बन रहा है। नासा की छवि में ग्रेट रेड स्पॉट देखा जा सकता है। इसमें भूरे, नारंगी रंग की सर्पीन आकृति भी दिखाई दे रही है। नासा का कहना है कि बृहस्पति के वायुमंडल में एक उच्च दबाव वाला क्षेत्र 350 से अधिक वर्षों से एंटीसाइक्लोनिक तूफान पैदा कर रहा है।इसके बारे में पहली बार 1979 में पता चला था। वोयाजर अंतरिक्ष यान ने लाल धब्बा देखा था। तब से यह तूफ़ान छोटा होता जा रहा है। इसकी ऊंचाई और चौड़ाई दोनों में कमी देखी गई है। ग्रेट रेड स्पॉट का आकार पृथ्वी से दोगुना है। यह तूफ़ान बृहस्पति के बादलों से लगभग 300 किमी नीचे मौजूद है। बृहस्पति पर ठोस ज़मीन न होने के कारण तूफ़ान कमज़ोर नहीं पड़ रहा है। यहां करीब 643 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जूनो अंतरिक्ष यान को साल 2011 में लॉन्च किया गया था। यह एक बास्केटबॉल कोर्ट जितना बड़ा अंतरिक्ष यान है। इसने 4 जुलाई 2016 को बृहस्पति की कक्षा में प्रवेश किया।

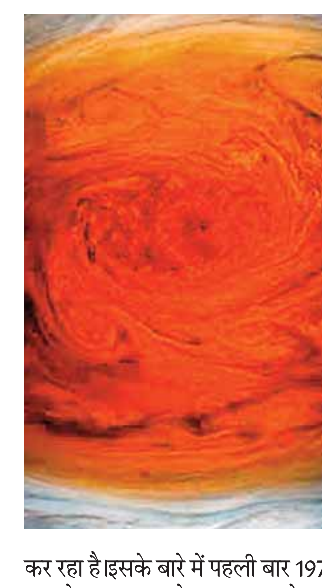

कीस डीम्ड विश्वविद्यालय को मिला एनएएसी का 'ए' ग्रेड का दर्जा

भुवनेश्वर। कीस डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा मान्यता के पहले चक्र में 'ए' ग्रेड के रूप में मान्यता दिया गया है।एन ए ए सी द्वारा मान्यता प्राप्त करने के अपने पहले ही प्रयास में यह उपलब्धि हासिल करने वाला कीस विश्वविद्यालय देश का पहला संस्थान है। एन ए ए सी द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता कीस विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति समर्पण का प्रमाण है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने 2017 में कीस को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया था।कीस और कीट के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने कहा, यह आदिवासी बच्चों के लिए हमारे पूरी तरह से निःशुल्क, आवासीय विद्यालय के लिए एक शैक्षणिक शिखर का प्रतीक है। यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि कीस को 2017 में डीम्ड यूनिवर्सिटी स्टेटस की मान्यता के बाद अपने पहले चक्र में एन ए ए सी 'ए' ग्रेड मिला है। उसने कहा, कीस दुनिया का एकमात्र विश्वविद्यालय है जो आदिवासी छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है।अकादमिक समुदाय ने इस उपलब्धि को हासिल करने पर खुशी और गर्व व्यक्त किया है, इस मान्यता का श्रेय डॉ. सामंत, उनके समर्पण और दृढ़ता को दिया है।यह मान्यता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। समय पर आवेदन और एन ए ए सी द्वारा 'ए' ग्रेड संस्थान के रूप में सफल मान्यता को कीस विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है।डॉ. सामंत ने कीस विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और समर्थकों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस सम्मान को प्राप्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सफलता से विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और आदिवासी समुदायों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

राशिफल

मेष – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह – आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे

कन्या – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च

तुला – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक – मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ – मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

समुद्र की गहराई में मिली 5 हजार साल पुरानी कलाकृतियां

एजेंसी ▶▶| एथेंस

यूरोपीय शोधकर्ताओं ने हाल ही में ग्रीक के समुद्र में कई प्राचीन जहाजों के टुकड़े खोजे हैं। इनमें से कुछ हजारों साल पुराने हैं। यह इतिहास किसी खजाने से कम नहीं है। ग्रीक संस्कृति मंत्रालय के एक विभाग की ओर से एक विज्ञप्ति जारी की गई। इसमें बताया गया कि मलबे कासोस द्वीप के आसपास के पानी में पाए गए। सर्वेक्षण अक्टूबर 2023 में पूरा हुआ था। विज्ञप्ति में कहा गया कि अधिकारियों को कुल 10 जहाजों के मलबे मिले थे। इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण खोज की गई है।

पानी के नीचे मिले अलग-अलग समयकाल के 10 जहाज के मलबे, सबसे पुराने डूबे हुए जहाज के टुकड़े 3000 ईसा पूर्व के

ओटोमन साम्राज्य के समय के मलबे और कलाकृतियां मिलीं

साइट पर सबसे पुराने डूबे हुए जहाजों से टुकड़े 3000 ईसा पूर्व के हैं। वहीं सबसे नया जहाज दूसरे विश्वयुद्ध का है। इसमें क्लासिकल पीरियड (460 ईसा पूर्व) हेलेनिस्टिक ग्रीस (100 ईसा पूर्व से 100 ईस्वी) और रोमन ग्रीस (200 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी) के जहाज के टुकड़े पाए गए। शोधकर्ताओं को मध्ययुगीन काल और ओटोमन साम्राज्य के समय के मलबे और कलाकृतियां मिलीं। मलबे की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं ने 154 फीट की गहराई तक गोता लगाया।

प्राचीन जहाजों के डूबे हुए अवशेष मिले

ग्रीक संस्कृति मंत्रालय ने कहा, 'कलाकृतियों के अध्ययन ने इतिहास के पहलुओं के साथ-साथ भूमध्य सागर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में नई जानकारी और पुरातात्विक डेटा दिया है।' स्पेन, इटली, अफ्रीका और तुर्की के तटों से माल लेकर आने वाले प्राचीन जहाजों के डूबे हुए अवशेष मिले हैं। ग्रीक और विदेशी शोधकर्ताओं और प्रोफेसरों की एक टीम ने इनका पता लगाया। तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए शोधकर्ताओं ने पानी के नीचे 20000 से ज्यादा तस्वीरें खींचीं, जिनका इस्तेमाल निष्कर्षों का अध्ययन करने के लिए किया गया था।

कर्नाटक सरकार ने दायर की याचिका, मांगा अनुदान

सुप्रीम कोर्ट से गुहार, हम सूखे से परेशान, सुन नहीं रहा केंद्र

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर केंद्र को गंभीर सूखे की स्थिति से जूझ रहे राज्य को राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत तुरंत अनुदान जारी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। उन्होंने केंद्र पर गंभीर सूखे की चपेट में होने के बावजूद कर्नाटक को धनराशि जारी करने संबंधी आग्रह पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर है। सिद्धरमैया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पांच महीने के इंतजार के बाद आज कर्नाटक सरकार ने केंद्र के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में रिट याचिका दायर की। उन्होंने बताया कि याचिका भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत भारत सरकार को एनडीआर धनराशि तुरंत जारी करने का निर्देश देने के लिए दायर की गई।

शब्द पहेली - 5463

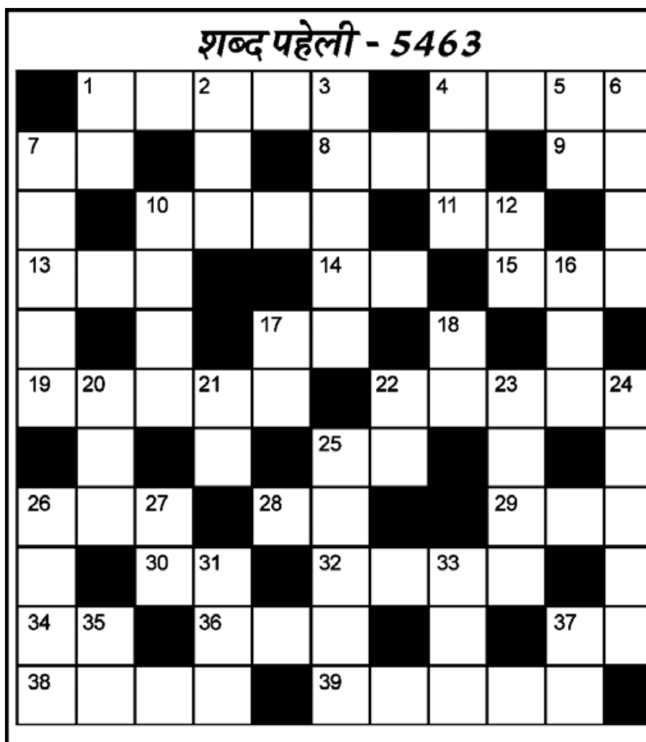

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 5462 का हल

सूडोकू नवताल- 5474

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल- 5473 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

आएगा सत्यप्रेम की कथा का सीक्वल

मुंबई। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' पिछले साल प्रदर्शित हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला था, जिसकी बदौलत इसने न सिर्फ अपनी लागत वसूलने में कामयाबी पाई अपितु निर्माता और वितरकों को मुनाफा भी हुआ। इस फिल्म से पहले कार्तिक और कियारा 'भूल भुलैया 2' में भी साथ काम कर चुके थे। उनकी केमेस्ट्री सबको अच्छी लगी। यह जोड़ी 'सत्यप्रेम की कथा' के सीक्वल में दोबारा दिखाई दे सकती है। फिल्म की प्रोड्यूसर शरीन मंत्री ने अपने एक इंटरव्यू में फिल्मों के कई पहलुओं पर चर्चा की और 'सत्यप्रेम की कथा 2' के बारे में भी बात की।

लाइफ Style

उर्वशी
ऋषभ संग शादी पर दिया जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला का नाम जब भी लिया जाता है, तो अपने आप ही लोगों की जुबान पर क्रिकेटर ऋषभ पंत का नाम आ जाता है। उर्वशी ने अपने काम से ज्यादा क्रिकेटर संग अपनी कंट्रोवर्सी से सुर्खियां बटोरी है। मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 का टाइटल जीतने वाली उर्वशी जल्द ही फिल्म जेएनयू में नजर आने वाली है और एक्ट्रेस अपनी फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रही हैं।

मुंबई। इस फिल्म के प्रमोशन के बीच उर्वशी ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में सुष्मिता सेन के उनसे मिस यूनिवर्स इंडिया 2012 का टाइटल छीनने को लेकर बड़ा खुलासा किया था। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी ऋषभ पंत से शादी के सवाल पर रिएक्शन दिया है। दरअसल, उर्वशी ने हाल ही में इंटरव्यू के दौरान अपने फैंस के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान एक्ट्रेस से वो सवाल पूछे गए, जो अक्सर ही फैंस उनसे करते रहते हैं। पहले तो उर्वशी रौतेला ने काफी आराम से होस्ट को उनका सवाल पूरा करने दिया। इस सवाल पर हर कोई उर्वशी के जवाब का इंतजार कर रहा था। होस्ट से लेकर फैंस सभी उम्मीद लगाकर बैठे थे कि एक्ट्रेस क्रिकेटर संग शादी के सवाल पर क्या बोलेंगी। मगर उर्वशी ने सभी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उर्वशी ने ऋषभ पंत संग शादी के सवाल पर जवाब में बोली, 'कोई कमेंट नहीं।' उर्वशी और ऋषभ का रिश्ते की सच्चाई क्या है, ये तो दोनों स्टार्स ही अच्छे से जानते हैं। मगर एक समय पर दोनों के रिलेशनशिप की खबरों ने खूब तूल पकड़ा था। लेकिन तब दोनों ने ही इन्हें अफवाह बताया था। साल 2018 में इन दोनों कई बार एक जगह पर स्पॉट किया गया है, फिर उस साल के बाद दोनों ने एक-दूसरे को व्हाट्सएप पर ब्लॉक तक दिया था। सोशल मीडिया पर दोनों क्रिप्टिक नोट लिखकर एक-दूसरे पर अपनी भड़ास भी निकालते रहे हैं, लेकिन जब ऋषभ का एक्सीडेंट हुआ था।

एमिली ने शो की डाइवोर्स रिंग

लॉस एंजेलिस। आपने इंगेजमेंट रिंग के बारे में तो सुना है, लेकिन क्या कभी डाइवोर्स रिंग के बारे में सुना है। बदलते ट्रेंड में अब ये अब ये एक चीज भी जुड़ गई है। इसका श्रेय जाता है एक्ट्रेस एमिली रताजकोस्की को। एमिली ने अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करते हुए इंगेजमेंट की अंगूठी को नया लुक देकर उसे अपने तलाक से जोड़ा है। बता दें कि एक्ट्रेस ने 2022 में तलाक लिया था। वहीं, अलग होने के बाद अब एमिली अपनी बिखरी शादीशुदा जिंदगी को लेकर खुलकर बात कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में एक फोटो शेयर की, जिसमें उन्हें सगाई की अंगूठी को नए तरह की डिजाइन देकर सेलिब्रेट करते देखा जा सकता है। इस वायरल फोटो पर एक्ट्रेस ने बताया कि ये अंगूठियां उनके व्यक्तिगत विकास का प्रतिनिधित्व करती हैं। एमिली ने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी महिला को सिर्फ इसलिए उसे दिया गया डायमंड नहीं पहनना चाहिए क्योंकि वह किसी शख्स से अलग हो गई है। एमिली ने कहा कि इन अंगूठियों को पहन उसे ऐसा एहसास होता है, जैसे वह खुद को उस तरह से खुश रख सकती हैं, जैसे उन्होंने पहले कभी सोचा भी नहीं था।

होली के रंगों में रंगी यामी

मुंबई। आम जनता से लेकर बॉलीवुड में होली त्योहार की धूम देखने को मिल रही है। वहीं इन दिनों प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही एक्ट्रेस यामी गौतम पर तो होली से पहले ही इसका रंग चढ़ गया है। हाल ही में यामी की कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं, जिसमें वह होली के रंग में रंगी नजर आ रही हैं। उन्होंने व्हाइट सूट पेयर किया है। तस्वीरों में यामी के हाथों में येलो रंग देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने अपने गालों पर भी पीला और गुलाबी रंग लगाया है। यामी के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान देखने को मिल रही है। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो यामी हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में नजर आईं थीं। फिल्म ने दबे पांव वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यामी अपने अभिनय से दर्शकों को बेहद प्रभावित करतीं है। इसके साथ ही उनकी सुंदरता के लोग कायल और दीवाने है।

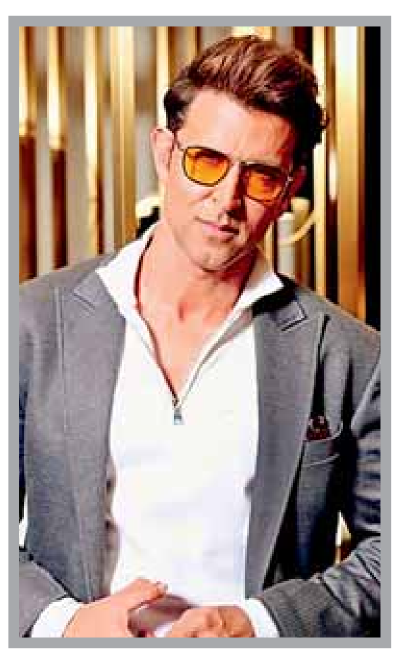

ऋतिक रोशन ने की अनन्या की तारीफ

मुंबई। एक्टर ऋतिक रोशन ने फिल्म 'खो गए हम कहां' में एक्ट्रेस अनन्या पांडे की जमकर तारीफ की। पिछले साल दिसंबर में रिलीज फिल्म का निर्देशन अर्जुन वरैन सिंह ने किया है। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। यह तीन दोस्तों की कहानी है, जो सोशल मीडिया के दबाव के बावजूद अपने लक्ष्य और रिश्तों को आगे बढ़ाते हैं। एक्स पर ऋतिक ने लिखा कि कुछ दिन पहले 'खो गये हम कहां' देखी। मैंने इसका भरपूर आनंद लिया। यह कोई आसान शैली नहीं थी। अनन्या पांडे आप एक स्टार हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव आप लोगों का प्रदर्शन क्या शानदार था। अर्जुन वरैन ने बहुत अच्छा निर्देशन किया है। पूरी टीम को बधाई, यह फिल्म अवश्य देखनी चाहिए। फाइटर स्टार को जवाब देते हुए अनन्या ने कहा कि ऋतिक सर, आपने मेरा दिन बना दिया, आपके प्यारे शब्दों और सराहना के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत प्रेरक है।

अदा ने डांस बार में बिताई रातें

मुंबई। एक्ट्रेस अदा शर्मा ने 'सनफ्लॉवर 2' में अपनी भूमिका को लेकर खुलासा किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्होंने अपनी भूमिका के लिए एक डांस बार में रातें बिताईं। वह स्क्रीन पर प्रभावकारी दिखना चाहती थीं। एक्ट्रेस अदा शर्मा ने कहा कि मैं प्रभावकारी दिखना चाहती थी। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप डांस कब कर रहे हैं बल्कि यह इस बारे में है कि आप कैसे बैठते और खड़े होते हैं और परफॉर्मेंस नहीं करने के दौरान आप अपने शरीर के साथ कितने सहज हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह कभी-कभी ध्यान देने के लिए डांस बार में सुबह 5 बजे तक रुकती थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वे इतने अच्छे थे कि उन्होंने मुझे बार में रुकने और चीजों को देखने की इजाजत दी। कस्टमर्स से बात करते समय उनके आत्मविश्वास को मैंने देखने की कोशिश की। मैं रात को 9 बजे जाती थी, कभी-कभी सुबह 4 से 5 बजे तक रुकती थी। वेब सीरीज 'सनफ्लॉवर' सीरीज एक हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों के जीवन पर आधारित है। वे एक हत्या के रहस्य में उलझ जाते हैं। इसमें सुनील ग्रोवर और मुकुल चड्ढा मुख्य भूमिका में हैं।

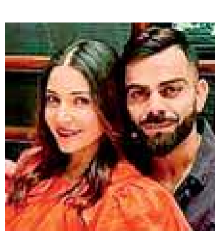

इस साल पहली बार अपने नन्हे-मुन्नों के साथ होली सेलिब्रेट करेंगे ये सितारे

मुंबई। इस बार फिल्म जगत के कई सितारों के लिए रंगों का त्योहार और भी रंगीन होने वाला है, क्योंकि वे पहली बार अपने नन्हे-मुन्नों के साथ होली खेलने जा रहे हैं। पहली बार अपने बच्चों के साथ होली खेलने वालों की लिस्ट में राम चरण-उपासना से लेकर विराट-अनुष्का तक शामिल हैं।

अनुष्का-विराट

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2024 में दूसरी बार माता-पिता बने हैं। अनुष्का-विराट के घर बेटे अकय कोहली का जन्म हुआ है। यह अनुष्का और विराट की अकाय कोहली के साथ पहली होली होगी।

राम चरण-उपासना

सुपरस्टार राम चरण और उपासना शादी के कई सालों बाद साल 2023 में एक बेटी के माता-पिता बने। इस कपल की बेटी के साथ ये पहली होली है।

विक्रांत मैसी-शीतल ठाकुर

एक्टर विक्रांत मैसी के लिए साल 2023 धमाकेदार रहा है। विक्रांत को उनकी 12वीं फेल फिल्म से पूरी दुनिया में पहचान मिली, वहीं उनके बेटे का जन्म भी हुआ। विक्रांत और शीतल की अपने बेटे के साथ ये पहली होली है।

रुबिना-अभिनव शुक्ला

एक्ट्रेस रुबिना दिलैक को नवंबर 2023 में जुड़वां बच्चे हुए थे। इस बार रुबिना और अभिनव पहली बार अपनी जुड़वां बेटियों के साथ होली मनाएंगे।

इशिता दत्ता-वत्सल सेठ

दृश्यम फेम एक्ट्रेस इशिता दत्ता और वत्सल सेठ के घर जुलाई 2023 में एक बच्चे का जन्म हुआ। बेटे के साथ इस कपल की यह पहली शादी होगी।

रकुल ने कहा- मुझे 15 बार कॉल करने की जरूरत नहीं

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के पावर कपल में से एक हैं। हाल ही में जैकी और रकुल ने शादी रचाई है। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब छाई रहीं। ये कपल फिलहाल शादी के शुरुआती दिनों का आनंद ले रहा है। इसी बीच अभिनेत्री रकुल प्रीत अपने पति जैकी के साथ अपने संबंधों के बारे में खुलकर बात करती नजर आई हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'हम एक व्यक्ति के रूप में संपूर्ण हैं। साथ मिलकर हम अधिक खुश हैं। मुझे उन्हें दिन में 15 बार कॉल करने की जरूरत नहीं है कि मैं बोर हो रही हूं। आप कैसे हैं। मुझे यह पता लगाना होगा कि मुझे अपनी लाइफ में क्या करना है, उनके लिए भी यही बात है। हम दोनों जब भी साथ होते हैं, तो काम छोड़ देते हैं।

होली में नहीं होंगे बोर, बिंज वॉच कर डाले ये शानदार फिल्में और सीरीज

मुंबई। कुछ लोग होली का त्योहार मनाना पसंद करते हैं तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो घर पर बैठकर होली एंजाय करते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं तो आज हमारे पास आपके लिए कुछ ऐसे वेब-ऐप्स हैं। इसे देखने के बाद आपका होली का त्योहार बहुत अच्छा बीतेगा और आप घर बैठे बिल्कुल भी बोर नहीं होंगे।

ऐ वतन मेरे वतन

इस हफ्ते अमेजन प्राइम वीडियो पर सारा अली खान की फिल्म ऐ वतन मेरे वतन रिलीज हुई है। यह एक देशभक्ति फिल्म है, जिसमें सारा अली खान ने उषा मेहता नाम की एक साहसी लड़की का किरदार निभाया है।

अनैटमी ऑफ अ फॉल

फिल्म एनाटॉमी ऑफ द फॉल डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म की कहानी एक ऐसे बेटे की है जो अंधा है। और वह जानता है कि उसकी माँ ने उसके पिता को मार डाला है।

फाइटर

अगर आपने अभी तक इस साल की सबसे चर्चित और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की फिल्म फाइटर नहीं देखी है तो बता दें कि अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है। जिसे आप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

ओपेनहाइमर

एमिली ब्लंट और किलियन मर्फी अभिनीत इस साल की सबसे अधिक ऑस्कर विजेता फिल्म ओपेनहाइमर भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है। जिसे आप जियो सिनेमा पर जाकर देख सकते हैं।

लुटेरे

इस हफ्ते डिज्नी+हॉटस्टार पर वेब सीरीज लुटेरे रिलीज हुई है। जो कि जाधव परिवार की कहानी है, जो बिहार से केन्या शिफ्ट हो जाता है। इस फिल्म की कहानी काफी दिलचस्प है।

मलेशिया भी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की मेजबानी से पीछे हटा

ऑस्ट्रेलिया और यूके ने भी आयोजन के लिए पैसा नहीं होने को दिया था हवाला

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अगले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में होने हैं। हालांकि, अभी तक ये फैसला नहीं हुआ है कि इन खेलों की मेजबानी कौन सा देश करेगा। ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड और अब मलेशिया ने भी इन खेलों की मेजबानी करने से किनारा कर दिया है। सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया के एक स्टेट विक्टोरिया इस मेगा इवेंट के लिए मूल मेजबान था, जो कुछ समय पहले मेजबानी से पीछे हट गया। 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करने वाले गोल्ड कोस्ट ने दिलचस्पी दिखाई कि वे फिर से इन खेलों की मेजबानी कर सकते हैं, लेकिन बात नहीं बन सकी।

इसके बाद यूके सरकार आगे आई, जिसने दक्षिण अफ्रीकी शहर डरबन के हार मानने के बाद 2022 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया, लेकिन 2026 के गेम्स की मेजबानी के लिए इंग्लैंड तैयार नहीं है। और अब, एक अन्य देश ने निर्णय लिया है कि वह संकटग्रस्त खेलों को संकट से नहीं उबारेगा। इसने पहले से ही खराब स्थिति में एक और झटका दिया। ये देश मलेशिया है। ऐसे में अब इन खेलों की मेजबानी पर संकट है। इसके पीछे का कारण है कि कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन करने में बहुत सारी लागत आती है और इससे हर कोई बचना चाह रहा है।

खर्च को लेकर हटा विक्टोरिया

ऑस्ट्रेलिया के प्रांत विक्टोरिया ने दावा किया है कि इन खेलों की मेजबानी की लागत 4.5 बिलियन डॉलर के पार जा रही है। ऐसे में वे इसकी मेजबानी नहीं करेंगे। विक्टोरिया के पीछे हटने के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन यानी सीजीएफ ने एक देश को मेजबानी के लिए अप्रोच किया। कई विकल्पों पर विचार करने के बाद लगा कि मलेशिया इन खेलों की मेजबानी कर सकता है, लेकिन 2023 में जैसा विक्टोरिया ने किया, वैसा ही 2024 में मलेशिया ने कर दिया।

गेम्स को नहीं मिलती तवज्जो

ओलंपिक, फीफा वर्ल्ड कप और कॉमनवेल्थ गेम्स कुछ ऐसे इवेंट जहां कुछ समय के लिए इकॉनमी बूम देखा जाता है। खेल के लिए काफी कुछ तैयार किया जाता है। इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाता है। यहां तक कि ब्रॉडकास्टिंग राइट्स भी भारी भरकम राशि में बिकते हैं। हालांकि, एक्सपर्ट्स का मानना है कि ओलंपिक और फीफा वर्ल्ड कप को ग्लोबल रीच मिलती है, लेकिन कॉमनवेल्थ गेम्स को उतनी तवज्जो नहीं मिलती है, क्योंकि इन खेलों को ब्रिटिश एंपायर से जोड़कर देखा जाता है।

अपर्याप्त धन की पेशकश

मलेशिया ने लागत पर अनिश्चितता और अपर्याप्त धन की पेशकश के कारण प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

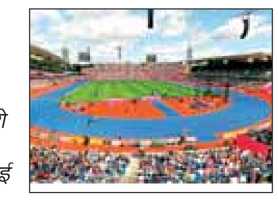

हालांकि, सीजीएफ ने समर्थन निधि में 100 मिलियन यूरो की पेशकश की, लेकिन मलेशियाई अधिकारियों ने इसे अपर्याप्त माना। हालांकि, उन्होंने कहा कि फंडिंग पर्याप्त नहीं थी, उन्होंने यह भी कहा कि वे इतने कम समय में और संभावित आर्थिक प्रभाव का आकलन करने के लिए कम समय में कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हो सकते।

सीजीएफ का क्या है अगला कदम

COMMONWEALTH GAMES CGF FEDERATION

कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन यानी सीजीएफ को 2026 में अगर खेलों की मेजबानी करानी है तो इसके लिए सिंगापुर या कनाडा की एक सिटी को अप्रोच करना होगा। इसके अलावा दूसरा विकल्प ये है कि इन खेलों को एक साल के पोस्टपोन किया जाए। तीसरा विकल्प है कि फंडिंग को और भी ज्यादा बढ़ाया जाए ताकि अन्य देश इन खेलों की मेजबानी के लिए आगे आएं।

खास खबर

श्रीकांत स्विस ओपन से बाहर, लिन से हारे

बासेल। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत की स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत की लय यहां चीनी ताइपे के लिन चुन यि से सेमीफाइनल में मिली हार के बाद खत्म हो गई। पूर्व नंबर एक श्रीकांत एक गेम की बढ़त के बावजूद शनिवार रात एक घंटे पांच मिनट तक चले अंतिम चार मुकाबले में लिन चुन यि से 21-15, 9-21, 18-21 से हार गए। इस हार से 210,000 डॉलर राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई।

पंत कुछ समय में फॉर्म हासिल कर लेगा : सिद्धू

चंडीगढ़। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिद्धू को भरोसा है कि कार दुर्घटना के बाद लगभग 15 महीने बाद पेशेवर क्रिकेट में वापसी करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जल्द ही फॉर्म में वापसी कर लेंगे। वह कार दुर्घटना से उबरने और 'रिहैबिलिटेशन' के कारण पिछले सत्र में नहीं खेल पाए थे लेकिन वापसी में दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व कर रहे हैं। सिद्धू ने कहा, 'वह दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व कर रहा है और विकेटों के बीच में अच्छी तरह दौड़ रहा है। वह अच्छा क्रिकेट खेल रहा है।

पोरेल का प्रदर्शन दिल्ली के लिए अच्छा

चंडीगढ़। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे का कहना है कि मैदान पर खराब प्रदर्शन के कारण उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान उनका एक मुख्य तेज गेंदबाज भी चोटिल हो गया जो उनके अभियान की अच्छी शुरुआत नहीं है लेकिन अभिषेक पोरेल की धमाकेदारी छोटी पारी सकारात्मक चीज है। दिल्ली कैपिटल्स ने अन्य बल्लेबाजों के विफल होने के बाद अंतिम ओवरों में पोरेल को 'इम्पैक्ट खिलाड़ी' के तौर पर उतारा। इस 25 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने आते ही 10 गेंद में नाबाद 32 रन ठोककर अपनी टीम को नौ विकेट पर 174 रन का स्कोर बनाने में मदद की।

खबर संक्षेप

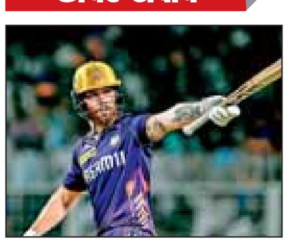

आंद्रे रसेल बेहतरीन स्ट्राइकर हैं : फिल

कोलकाता। आंद्रे रसेल ने अंतिम ओवरों में छक्के जड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स को चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तक पहुंचाया और उनके साथी फिल सॉल्ट का कहना है कि यह आल राउंडर अगर किसी दिन फॉर्म में आ जाये तो उस दिन दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बन जाता है। रसेल ने शनिवार को 25 गेंद में सात छक्कों और तीन चौकों की मदद से 64 रन की पारी खेलकर केकेआर को सात विकेट पर 208 रन के स्कोर तक पहुंचाया। केकेआर की जीत के बाद कहा, 'मैं ड्रे (रसेल) के साथ 'द हंड्रेड' में खेल चुका हूं। वह गेंद के शानदार स्ट्राइकर हैं।'

रमनदीप ने रसेल के लिए मंच तैयार किया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रमनदीप सिंह की पारी भले ही आंद्रे रसेल की छक्कों जड़ित तूफानी पारी के सामने नजरअंदाज हो गई। लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी का मानना है कि उनकी 35 रन की पारी ने जमैका के विस्फोटक बल्लेबाज की मैच विजेता पारी के लिए मंच तैयार किया। रमनदीप 2022 में मुंबई इंडियंस के साथ प्रभावित नहीं कर सके थे लेकिन इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने बहुत ही नाजुक स्थिति में चार छक्के और एक चौका लगाकर 35 रन की पारी खेली।

राणा पर मैच फीस का 60 प्रतिशत जुर्माना

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चार रन की जीत के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 60 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। इंडियन प्रीमियर लीग के बयान के अनुसार राणा ने शनिवार को आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के नियमों का उल्लंघन किया। इसमें कहा गया, 'उन पर दो उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत और 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। ''

एमसीए अपने खिलाड़ियों पर करेगी पैसों की बारिश

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

मुंबई क्रिकेट संघ ने शनिवार को घोषणा की है कि वह टीम के सीनियर खिलाड़ियों के लिए आगामी 2024-25 सत्र से घरेलू क्रिकेट में बीसीसीआई द्वारा दी जाने वाली मौजूदा मैच फीस के बराबर राशि बढ़ाएगा। एमसीए अध्यक्ष अमोल काले ने यह घोषणा की। एमसीए ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य रणजी ट्रॉफी के अहमियत को बढ़ावा देना और एमसीए के अंतर्गत होने वाले लाल गेंद के क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देना है।

एमसीए अध्यक्ष काले ने बीसीसीआई की घरेलू फीस के बराबर करने का प्रस्ताव रखा जिसे राज्य इकाई की शीर्ष परिषद ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। काले ने कहा, 'एमसीए अगले सत्र से हर खिलाड़ी को रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अतिरिक्त मैच फीस का भुगतान करेगा। हमें लगा कि खिलाड़ियों को अधिक कमाई करनी

चाहिए, विशेषकर जो रणजी ट्रॉफी क्रिकेट खेलते हैं। हमारे लिए लाल गेंद का क्रिकेट बहुत मायने रखता है क्योंकि रणजी ट्रॉफी मुंबई में सभी के लिए एक विशेष स्थान रखती है।' यह घोषणा मुंबई द्वारा रिकॉर्ड 42वीं बार रणजी ट्रॉफी जीतने के एक हफ्ते के बाद की गयी है। मुंबई की जीत के बाद एमसीए ने भी बीसीसीआई द्वारा दी गयी पांच करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि के बराबर राशि दी थी।

हरियाणा के मुक्केबाजों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पक्के किए 19 पदक

एजेंसी ▸▸| ग्रेटर नोएडा

हरियाणा के 19 मुक्केबाजों ने दबदबे भरा प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां तीसरी सब जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए। हरियाणा की लड़कियों ने 10 जबकि लड़कों ने नौ वर्गों के सेमीफाइनल में जगह बनाई जिससे उनका कम से कम कांस्य पदक पक्का हो गया। लड़कियों के वर्ग में भूमि (35 किग्रा) और निश्चल शर्मा (37 किग्रा) ने विपरीत अंदाज में जीत के साथ हरियाणा के लिए अच्छे दिन की शुरुआत की।

भूमि ने दिल्ली की अपेक्षा को रेफरी द्वारा तीसरे दौर में मुकाबला रोकने के मात दी जबकि निश्चल ने तमिलनाडु की एस सारा को 3-2 से हराया। दीक्षा (40 किग्रा), दीया (61 किग्रा), सुखरीत (64 किग्रा) और मंशी मलिक (67+ किग्रा) ने सर्वसम्मत 5-0 के फैसले से जीत हासिल की। राखी (43 किग्रा) और नव्या (55 किग्रा) ने आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से मुकाबले जीते। खुशिका (49 किग्रा) और नैतिक (52 किग्रा) सेमीफाइनल में पहुंचने वाली हरियाणा की अन्य मुक्केबाज रहीं।

5-0 से जीते उदय

बालक वर्ग में अपनी जीत की लय जारी रखते हुए उदय सिंह (37 किग्रा) ने मिजोरम के जेरी वर्टे पर 5-0 से आसान जीत हासिल की। नितिन (40 किग्रा), रवि सिहाग (49 किग्रा), नमन (58 किग्रा), सिद्धांत (61 किग्रा) और कार्तिक डागर (70 किग्रा) ने 5-0 के फैसले के साथ अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते। हरियाणा के संचित जयानी (46 किग्रा), लक्ष्य (52 किग्रा) और अनमोल दहिया (64 किग्रा) भी सेमीफाइनल में पहुंच गए।

पिछले दशक में भारतीय फुटबॉल में सुधार हुआ

एजेंसी ▸▸| गुवाहाटी

अफगानिस्तान के फुटबॉल कोच एश्ले वेस्टवुड ने रविवार को कहा कि भारतीय फुटबॉल में पिछले एक दशक में काफी सुधार हुआ है जिसमें खिलाड़ियों की फिटनेस में सुधार करना और सही 'कंडीशनिंग' का अहम योगदान रहा है। वेस्टवुड ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी पहले की तुलना में अब अधिक फिट हो गए हैं और मैदान पर भी ज्यादा समय बिताने में सक्षम हो गए हैं। वेस्टवुड ने कहा, '10 साल पहले जब मैं यहां आया था तो तब की तुलना में भारतीय

फुटबॉल में काफी सुधार हुआ है। हर खिलाड़ी शारीरिक रूप से फिट है। हर किसी को अच्छी तरह से ट्रेनिंग दी गयी है और वे 90 मिनट तक मैदान पर खेलते हैं। अब आप भारतीय खिलाड़ियों को मांसपेशियों में खिंचाव से जूझते हुए नहीं देखते।' इंग्लैंड के वेस्टवुड अभी अफगानिस्तान और भारत के बीच विश्व कप क्वालीफायर के लिए गुवाहाटी में हैं। वह भारत में बेंगलुरु एफसी, एटीके एफसी और राउंडग्लास पंजाब एफसी जैसे क्लबों को कोचिंग दे चुके हैं।

चेन्नई में खेला जाएगा आईपीएल फाइनल! प्लेऑफ मैच के लिए दो मैदान शार्टलिस्ट

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन की शुरुआत हो चुकी है और अब तक तीन मुकाबले खेले भी जा चुके हैं। लोकसभा चुनाव के कारण शुरुआती 21 मैचों का ही शेड्यूल जारी हुआ है। ऐसे में फैन्स को बाकी मैचों के शेड्यूल का बेसब्री से इंतजार है। बीसीसीआई आईपीएल 2024 के शेष मैचों के कार्यक्रम को अंतिम रूप दे चुका है और जल्द ही इसे जारी किया जाएगा। उधर आईपीएल 2024 के शेड्यूल को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईपीएल 2024 का फाइनल मुकाबला 26 मई को चेन्नई के एमए

चिदंबरम स्टेडियम में खेला जा सकता है। वहीं अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्वालीफायर-1 और एलिमिनेटर आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा क्वालीफायर चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। बता दें कि लीग स्टेज में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मैच होगा। क्वालीफायर-1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर के विजेता के बीच क्वालीफायर-2 मैच का आयोजन होगा। फिर क्वालीफायर-1 और 2 के विजेताओं के बीच फाइनल मुकाबला आयोजित किया जाएगा।

केन्या के ओबुया ने क्रिकेट लिया संन्यास

नई दिल्ली। केन्या के पूर्व कप्तान कोलिंस ओबुया ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। अफ्रीकन गेम्स ब्रॉन्ज मेडल मैच में युगांडा के खिलाफ मिली हार के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। युगांडा ने केन्या को 106 रन से हराया, जबकि जिम्बाब्वे ने नामिबिया को 8 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। बता दें कि कोलिंस ओबुया ने साल 2001 में वनडे डेब्यू साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच खेलकर किया था। आखिरी बार उन्होंने 50 ओवर के इस फॉर्मेट में स्कॉटलैंड के खिलाफ 2014 में किया था। दरअसल, 42 साल के कॉलिन ने साल 2003 विश्व कप में केन्या को श्रीलंका के खिलाफ मैच में 53 रन से जीत दिलाई थी। कॉलिन ने उस मैच में 5 विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम की कमर तोड़कर रख दी थी। इसके बाद 2003 विश्व कप के सेमीफाइनल में केन्या को भारत के हाथों 91 रन से हार झेलनी पड़ी थी।

बारबोजा के दो गोल से 2-0 से जीता दिल्ली

कोझिकोड। दिल्ली एफसी ने स्थानापन्न ब्राजीली स्ट्राइकर सर्गियो बारबोजा के दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की मदद से यहां 10 खिलाड़ियों की गोकुलम केरला एफसी को आई लीग मुकाबले में 2-0 से शिकस्त दी। इस जीत से दिल्ली एफसी के 21 मैच में 26 अंक हो गये और वह तालिका में सातवें स्थान पर बनी हुई है। गोकुलम केरला के 22 मैच में 36 अंक हैं जिससे वह पांचवें स्थान पर है। शनिवार देर रात हुए मुकाबले में घरेलू टीम 40वें मिनट में 10 खिलाड़ियों की हो गई जब मशूर शेरिफ को टैकल के कारण लाल कार्ड मिला।

बेंगलोर के गेंदबाजों ने पहले मैच में की लचर गेंदबाजी

पंजाब के खिलाफ आरसीबी का मुकाबला आज

एजेंसी ▸▸| बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग 2024 चरण में सिर्फ एक ही मैच खेला है लेकिन इसने उनकी गेंदबाजी की कमजोरी को उजागर कर दिया है। इससे सोमवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच में उन्हें गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इस चरण के शुरुआती मैच में तेज गेंदबाज आंख बंद करके शॉर्ट पिच गेंद फेंकने की रणनीति पर डटे रहे जबकि चेपॉक की पिच पर स्पिनरों के लिए ज्यादा कुछ नहीं था। आरसीबी के तीन स्पिनरों मयंक डागर, कर्ण शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल ने मिलकर पांच ओवर फेंके और वे बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर सके। इन तीनों ने मिलकर 37 रन देकर महज एक विकेट झटका।

शीर्ष क्रम को करना होगा शानदार प्रदर्शन

आरसीबी ने शीर्ष क्रम के चरमराने के बाद सीएसके के खिलाफ छह विकेट पर 173 रन का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी ने 75 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे लेकिन दिनेश कार्तिक और अनुज रावत ने सूझ समझ से खेलकर स्कोर 170 रन के पार कराया। लेकिन हर बार निचला क्रम विश्वसनीय साबित नहीं हो सकता क्योंकि विराट कोहली, कप्तान फाफ डुप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बड़ी पारी खेलनी ही होगी। रजत पाटीदार को भी निश्चित रूप से अच्छी पारी खेलनी होगी जिससे उनसे आगे वाले बल्लेबाजों को थोड़ी मदद मिले।

छोटी बाउंड्री से चुनौती

आरसीबी के स्पिनरों को यहां छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड पर मुश्किल परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। इस स्टेडियम में ज्यादातर मौकों पर टीम ने एक पारी में 200 से अधिक रन जुटाये हैं और ऐसा 27 दफा हो चुका है तथा इस पिच पर आईपीएल में पहली पारी का औसत स्कोर 172 रहा है। इससे पंजाब किंग्स के खिलाफ आरसीबी के तेज गेंदबाजों को भी जिम्मेदारी से खेलना होगा। मोहम्मद सिराज, अल्जारी जोसफ और यश दयाल ने सीएसके के खिलाफ एक ओवर में दो बाउंसर डालने के अपने कोटे का पूरा इस्तेमाल किया लेकिन इस दौरान वे अपनी लाइन एवं लेंथ पर लगाम खो बैठे। यह उनके रन देने की गति से भी साफ दिखा। चौथे तेज गेंदबाज कैमरून ग्रीन ने कटर गेंदों का इस्तेमाल किया जिससे उन्हें दो विकेट मिले।

नए चेहरे आईपीएल में शुरू से ही छाप छोड़ेंगे : रोहित

एजेंसी ▸▸| मुंबई

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद है कि इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी चरण के लिए उनकी टीम में शामिल किए गए नए खिलाड़ी शुरू से ही छाप छोड़ने में कामयाब होंगे। फ्रेंचाइजी का लक्ष्य नए कप्तान हार्दिक पंड्या की अगुआई में रिकॉर्ड छठा खिताब हासिल करना है।

पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने इस बार दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी, अंडर-19 विश्व कप के अनकैप्ड स्टार क्वेना मफाका, इंग्लैंड के ल्यूक वुड, श्रीलंका के नुवान तुषारा, वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड और

अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को शामिल किया है। भारतीयों में श्रेयस गोपाल को भी शामिल किया गया है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका के बाहर होने के बाद मफाका पिछले हफ्ते मुंबई शिविर में शामिल हुए जबकि वुड को आस्ट्रेलिया के चोटिल गेंदबाज जेसन बेहरेनडोर्फ की जगह शामिल किया गया।

छह साल की उम्र से पहले नहीं मिलेगा कक्षा 1 में प्रवेश

सरकारी गाइड लाइन में फंसा नौनिहालों का भविष्य

जबलपुर। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुसार प्री-प्राइमरी और प्राइमरी कक्षाओं में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु के संबंध में आदेश जारी किया है। नए आदेश के मुताबिक, नर्सरी में नामांकन के लिए बच्चे की न्यूनतम उम्र तीन साल होनी चाहिए और उसकी उम्र चार साल छह महीने से अधिक नहीं होनी चाहिए। केजी 1 में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु चार वर्ष और अधिकतम आयु पांच वर्ष और छह महीने होनी चाहिए, जबकि केजी 2 के लिए बच्चे की आयु पांच वर्ष से छह वर्ष और छह महीने के बीच होनी चाहिए। कक्षा 1 के लिए न्यूनतम आयु छह वर्ष और अधिकतम आयु सात

वर्ष छह माह निर्धारित की गई है। सरकार की इस गाइड लाइन के कारण प्रदेश के हजारों बच्चे कक्षा 1 में प्रवेश के लिए अपात्र हो गए हैं। शासन का यह आदेश प्रदेश में नौनिहालों के अभिभावकों को नागवार गुजर रहा है।

दरअसल, पूरे प्रदेश में हजारों की संख्या में ऐसे बच्चे हैं, जिन्होंने 5 साल या 5.5 साल की उम्र में केजी-2 कक्षा पास कर ली है और उनका दाखिला पहली कक्षा में होना है। चूंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कक्षा एक में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 6 साल रखी गई है, इसलिए ये बच्चे कक्षा एक में प्रवेश के लिए अपात्र हो गए हैं। बच्चों के माता-पिता को समझ नहीं आ रहा है कि वे क्या करें? इसलिए वे राज्य शिक्षा केंद्र और स्कूल शिक्षा विभाग में फोन कर इस समस्या का समाधान पूछ रहे हैं और बच्चों को कक्षा एक में प्रवेश देने को लेकर मनुहार कर रहे हैं।

स्कूलों ने शिक्षा विभाग से अभिमत मांगा

कई स्कूलों ने भी इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग से अभिमत मांगा है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से पिछले दिनों पूर्व प्राथमिक एवं प्राथमिक कक्षा में प्रवेश को लेकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार पूर्व प्राथमिक एवं प्राथमिक कक्षा में प्रवेश हेतु आयु निर्धारण के संबंध में आदेश जारी किया गया था। आदेशानुसार अब कोई भी अविभावक अपने बच्चों को निर्धारित आयु से पहले नर्सरी, केजी एवं कक्षा एक में प्रवेश नहीं दिला सकेगा। अभी तक अधिकतर अविभावक 2 से 2.5 वर्ष के बच्चे को पूर्व प्राथमिक कक्षा में दाखिला करवा देते हैं। नए आदेश के अनुसार अब नर्सरी, केजी एवं कक्षा एक में निर्धारित न्यूनतम आयु से पहले प्रवेश नहीं मिल सकेगा। अधिकारियों का कहना है कि अगर कोई अविभावक तय समय से पहले अपने बच्चे को दाखिला दिलाता है, तो ऐसी स्थिति में उन पर कार्रवाई की जा सकती है। इसके साथ ही जो स्कूल निर्धारित उम्र से पहले बच्चों को प्रवेश देगा, उसे भी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा रश्मि अरुण शमी का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में कक्षाओं में प्रवेश के लिए निर्धारित आयु के संबंध में आदेश जारी किया गया है। बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि कक्षा एक में प्रवेश के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों ने केजी-2 पास कर ली है। विभागीय अधिकारियों के साथ इस संबंध में चर्चा की गई है। चूंकि यह पहला साल है, इसलिए इस बार आयु में राहत देने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही स्कूलों को समझाइश दी जाएगी कि आगे से वे निर्धारित न्यूनतम आयु के आधार पर ही बच्चों का दाखिला दें।

9वीं में पढ़ने होंगे अब 10 विषय, लागू होगा थ्री लेंग्वेज सिस्टम

पहली, छठी और 9वीं की किताबें बदलेंगी

जबलपुर। स्कूली बच्चों से पढ़ाई का बोझ कम करने व उन्हें स्किल्ड करने के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पहली, छठी और 9वीं कक्षा की किताबें बदलने की तैयारी कर रहा है। एनसीईआरटी (नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग) इस पर काम कर रहा है। संभवतः अगले सत्र (2025-26) से नई व्यवस्था लागू हो जाएगी। आने वाले समय में 9वीं के विद्यार्थियों को 9 के बजाए 10 विषयों की पढ़ाई करना होगा। सभी में पास होने के बाद ही 10वीं में प्रमोशन दिया जाएगा। 9वीं की पढ़ाई में थ्री लेंग्वेज सिस्टम लागू किया जाएगा। हिंदी, अंग्रेजी के अलावा एक क्षेत्रीय भाषा चुनना होगी। इस तरह तीन लैंग्वेज, तीन कोर सब्जेक्ट्स (साइंस, मैथ्स, सोशल साइंस) और चार स्किल सब्जेक्ट (आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिजिकल एजुकशेन, आर्ट, डिजाइन थिंकिंग सहित अन्य में से) की पढ़ाई होगी।

9वीं के स्टूडेंट्स यदि फ्रेंच या जर्मन जैसी भाषा सीखना चाहता हैं तो वे अतिरिक्त विषय के रूप में उसे चुन सकेंगे, यह उनके लिए 11वां विषय होगा। सीबीएसई ने इन बदलाव से जुड़ा प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। संभवतः 2025-26 सत्र से नई व्यवस्था लागू हो जाएगी।

एनसीईआरटी कर रहा नई किताबों पर काम

एनसीईआरटी पहली, छठी और 9वीं कक्षा के लिए नई किताबों को लेकर काम कर रहा है। बच्चों से पढ़ाई का प्रेशर कम करने सहित उन्हें स्किल्ड करने पर फोकस किया जा रहा है। पहले 2024-25 सत्र से ही नई किताबें कोर्स में शामिल करने की योजना थी, लेकिन काउंसिल सदस्यों में आम सहमति नहीं होने से इस सत्र में पुरानी किताबें ही पढ़ाई जाएंगी।

पांचवीं और आठवीं में नो डिटेंशन पॉलिसी नहीं

2025-26 के सत्र में पांचवीं और आठवीं के स्टूडेंट्स के लिए नो डिटेंशन पॉलीसी लागू करने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके तहत यदि किसी स्टूडेंट्स को 25 फीसदी से कम नंबर आते हैं या उसकी उपस्थित 75 फीसदी से कम है तो अगली क्लास में प्रमोट नहीं किया जाएगा। अब तक पहली से आठवीं तक किसी को फेल नहीं करने को लेकर नो डिटेंशन पॉलीसी लागू है। सीबीएसई ने अगले (2024-25) सत्र में स्कूलों को स्टूडेंट्स को साल में 800 घंटे पढ़ाने की अनिवार्यता से पालन करने के सख्त आदेश दिए हैं। नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के तहत पढ़ाई के घंटों के आधार पर स्टूडेंट्स को क्रेडिट प्वॉइंट मिलेंगे, जो उनके डीजी लॉकर में जमा होंगे।

छठी कक्षा में 8 विषय

सीबीएसई एक्सपर्ट श्याम अग्रवाल ने बताया 1 अप्रैल से शुरू हो रहे नए सत्र में छठी कक्षा में विद्यार्थियों को 6 के बजाए 8 विषयों की पढ़ाई करना होगी। हिंदी और अंग्रेजी के अलावा एक क्षेत्रीय भाषा और एक स्किल सब्जेक्ट (आईटी, एआई, फिजिकल एजुकेशन, आर्ट सहित अन्य में से) का चुनाव करना होगा।

गोटेगांव से आए व्यापारी से ट्रेन में पांच लाख जप्त

जबलपुर। आगामी लोकसभा चुनाव के मध्य नजर जीआरपी पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों से आने जाने वाले हर संदिग्ध पर पैनी नजर रखी जा रही है। आगामी लोकसभा चुनाव के मध्य नजर जीआरपी पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों से आने जाने वाले हर संदिग्ध पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में जीआरपी पुलिस द्वारा मदन महल स्टेशन पर एक व्यक्ति से लाखों की नगद रकम बरामद की गई है। इस मामले में मदन महल जीआरपी चौकी एसआई प्रभारी राजेश राज ने बताया कि विगत 23 मार्च को मदन महल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 3 पर जब महानगरी एक्सप्रेस आई तो जीआरपी पुलिस द्वारा उसकी सघन चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान ट्रेन में बैठा एक व्यक्ति पुलिस को देखकर घबराने लगा। संदेह होने पर जीआरपी पुलिस द्वारा जब उक्त व्यक्ति से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम 52 वर्षीय मुकेश कुमार जैन निवासी दाना गंज गल्ला मंडी गोटेगांव बताया। पूछताछ पर पता चला कि उक्त व्यक्ति लोहे एवं सीमेंट का कारोबारी है, जो किसी काम से रुपए लेकर जबलपुर आया हुआ था। मौके पर रुपए के संबंध में मुकेश कुमार जैन द्वारा किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सके। बहरहाल जीआरपी पुलिस द्वारा 5 लाख की राशि जप्त कर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

कॉपी जांचने वाले टीचर्स की न लगाएं चुनाव ड्यूटी, संविदा कर्मियों पर सीईसी की है रोक

माशिमं अध्यक्ष ने लिखी कलेक्टरों को चिट्ठी

जबलपुर। लोकसभा चुनाव के ऐलान के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त ने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि संविदा कर्मचारियों से चुनाव ड्यूटी नहीं कराने के आयोग के निर्देश का पालन इस बार सख्ती से करना होगा। ऐसा न करने वाले कलेक्टर कार्यवाही के लिए जिम्मेदार होंगे। उधर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सभी कलेक्टरों को परीक्षा की कॉपी जांचने में लगे टीचर्स की ड्यूटी चुनाव में नहीं लगाने के लिए पत्र लिखा है। ऐसे में चुनाव के लिए जिलों में अमले की कमी की स्थिति कलेक्टरों के समक्ष बन रही है। इस बीच कलेक्टरों के साथ दिक्कत यह है कि चुनाव कराने के लिए प्रदेश भर मे 5 लाख 20 हजार कर्मचारियों की जरूरत है और लगातार हो रहे रिटायरमेंट और नियमित पदों पर कर्मचारियों की कमी से चुनाव कराने के लिए स्टाफ नहीं मिल पा रहा है।

संविदा कर्मियों की ड्यूटी लगाने पर कलेक्टर होंगे जिम्मेदार

16 मार्च को लोकसभा इलेक्शन की आचार संहिता का ऐलान करने के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इस बात पर आपत्ति जताई थी कि पिछले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं वहां संविदा पर काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी की ड्यूटी चुनाव में नहीं लगाने के लिए कहा गया था लेकिन इसका पालन नहीं किया गया। इस बार ऐसा हुआ तो एक्शन लिया जाएगा। आयोग की इस सख्ती के साथ अब टीचर्स की ड्यूटी को लेकर भी विरोध सामने आया है। चुनाव में सबसे आसानी से शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है और कलेक्टर हर साल होने वाले विरोध के बाद भी शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ और चुनाव संबंधी कामों में हर हाल में लगाते हैं।

सवा लाख कॉपियों का हो रहा है मूल्यांकन

इस बीच माध्यमिक शिक्षा मंडल के अध्यक्ष ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर कहा है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल परीक्षा और हायर सेकेंडरी परीक्षा वर्ष 2024 में करीब 19 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इन स्टूडेंट्स की करीब एक लाख 25 हजार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का काम जिलों की समन्वय संस्था और मूल्यांकन केंद्र पर चल रहा है। 22 फरवरी से चल रहे परीक्षा कॉपियों के मूल्यांकन का काम जल्दी से कराकर परीक्षा परिणाम घोषित कराना है ताकि तय समय पर रिजल्ट देकर स्टूडेंट्स के अगली कक्षाओं में प्रवेश की स्थिति को स्पष्ट किया जा सके। इसलिए कलेक्टरों से कहा गया है कि इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी परीक्षा और मूल्यांकन कार्य में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों को लोकसभा चुनाव की ड्यूटी से मुक्त रखा जाए ताकि मंडल द्वारा ली गई परीक्षाओं का मूल्यांकन कार्य सुचारू रूप से चलता रहे और निर्धारित तिथियों में चुनाव परिणाम घोषित किए जा सकें। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कलेक्टरों के साथ शासन को भी इस पत्र की जानकारी दी है।

130 फिक्स पाइंट, 66 पेट्रोलिंग मोबाइल रखेंगी नजर

होली पर होगी चाकचौबंद सुरक्षा व्यवस्था

जबलपुर। होली पर्व को शांतिपूर्वक मनाने चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था लगाई जा रही है। शहर में 130 फिक्स पाइंट तथा 16 स्टारकिंग रिजर्व पाइंट एवं सड़कों पर तेज गति के वाहनों व शराबियों को रोकने 22 ब्रीथ एनालाइजर व स्टापर पाइंट लगाये जायेंगे। इसके अलावा 66 अतिरिक्त पेट्रोलिंग मोबाइलों के अलावा थाना प्रभारी मोबाइल एवं थानों के चीता मोबाइल भी लगातार शहर की गली-गली में घूमती रहेंगी। उसके अलावा सादे कपड़ों में भी पुलिस कर्मचारी सूचना संकलन हेतु लगाये गये हैं, जो लगातार अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर नजर रखेंगे। किसी भी घटना की सूचना तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम व वरिष्ठ अधिकारियों को देंगे। इसी प्रकार देहात के थाना क्षेत्रों में भी 62 अतिरिक्त मोबाइलों को लगाया गया है। साथ ही संवेदनशील गांवों एवं स्वानों पर फिक्स पिकेट्स लगाये गये हैं। सभी पेट्रोलिंग मोबाइलों व फिक्स पाइंटों पर विशेष सशस्त्र बल की एक कंपनी को लगाया जायेगा। जिला पुलिस के दो हजार अधिकारी, कर्मचारी लगाये गये हैं। पश्चिम बंगाल की 53 वीं बटालियन की एक कंपनी को रिजर्व रखा गया हैं।

राज्य विद्युत नियामक आयोग ने क्षतिपूर्ति दंड लगाने के आदेश जारी किए

बिजली कंपनियों को देना होगा 11 लाख का जुर्माना

जबलपुर। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने प्रदेश की तीनों बिजली कंपनियों जबलपुर, इंदौर, और भोपाल पर 11 लाख रुपए का क्षतिपूर्ति दंड लगाने के आदेश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि तीनों ही कंपनियों द्वारा आयोग के आदेश का पालन नहीं करना, उपभोक्ता सेवा में रुचि कम लेना और मानव संसाधन से संबंधित कार्यों में लापरवाही बरतने का काम लगातार किया जा रहा था। आयोग द्वारा कंपनियों पर नोटिस देकर अर्थदंड लगाने का यह प्रदेश का संभवतः पहला मामला है। उर्जा विभाग के अफसर अब उपभोक्ताओं को मिलने वाली सेवा के पैमाने को बेहतर करने में जुट गए हैं।

विद्युत नियामक आयोग ने तीन महीने पहले मध्यप्रदेश की तीनों बिजली कंपनियों और प्रदेश के उर्जा विभाग को इसके संबंध में एक नोटिस भी जारी किया था। उसके बावजूद बिजली कंपनियों ने नियामक आयोग के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया और उसका पालन भी नहीं किया। इस पर तीनों कंपनियों पर 11 लाख रुपए का दंड लगाया गया है। मध्यप्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग

की तरफ से तीनों बिजली कंपनियों को यह आदेश इसी वर्ष फरवरी में दिया गया था। उक्त आदेश के जवाब में तीनों ही बिजली कंपनियों के द्वारा विद्युत नियामक आयोग को पत्र लिखकर फौरी राहत मांगे जाने की तैयारी की जा रही है। मप्र उर्जा विभाग के एसीएस मनु श्रीवास्तव का कहना है कि तीनों बिजली कंपनी पर कुल 11 लाख रुपए दंड लगाने की बात सही है। हम तीनों कंपनियों के कार्यों का रीव्यू कर रहे हैं। दंड लगाना बड़ी बात नहीं है। मुख्य बात तो आयोग के पैमाने के तहत उपभोक्ताओं को सुविधाएं मुहैया कराया जाना है।

इन सेवाओं में सुधार करना था बिजली कंपनियों को

बिजली के नए कनेक्शन के लिए आने वाले किसी भी आवेदन पर तत्काल कार्रवाई करना थी। बिजली बिलों में सुधार का काम तेजी से करना और इनके प्रतिशत में अपेक्षाकृत कमी लाना था। बिना गलती के बिजली बिलों को तैयार करना था, ताकि बिल सुधार के काम में कमी लाई जा सके। वोल्टेज संबंधी शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निपटान किया जाना था और इस तरह के केस की संख्या में कमी लाना थी। तीनों ही कंपनियों द्वारा पिछले लगभग एक साल से इस तरह की लापरवाही बरती जा रही थी। पहले कई बार आयोग ने कंपनियों को पत्र लिखकर इसे सुधारने का भी कहा था। आयोग लगातार समझाइश भी दे रहा था, लेकिन तीनों कंपनियों के अफसर केवल बहाने बनाते रहे। वे आयोग को यह कहते रहे कि हम प्रयास कर रहे हैं और इसके संबंध में मार्गदर्शन भी ले रहे हैं। जबकि असल बात तो यह रही कि कंपनियों ने कोई काम ही नहीं किया।

अभी से पारा 37 डिग्री के पार

पारा भरने लगा उड़ान, गर्मी बढ़ी

जबलपुर। होली के हुलियारे के बीच सूरज भी अपना रंग दिखाने आमादा है। दिन में एकाएक गर्मी का अहसास बढ़ने लगा है। धूप में तीखापन महसूस रहा है। हवा की दिशा भी बदल कर उत्तर पश्चिमी से अब दक्षिण-पश्चिमी हो गई है जिससे वातावरण में गर्मी बढ़ गई है। लगातार धूप के संपर्प में रहने पर पसीना भी छूटने लगा है। रविवार को भी मौसम का मिजाज सुर्ख रहा। तापमान भी तीन डिग्री तक बढ़ा रहा। अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जिससे लोगों ने गर्मी महसूस की। हालांकि दिन में गर्मी तो रात में ठंडक बरकरार है। न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं मौसम विभाग की माने तो होली तक मौसम ऐसा ही रहेगा इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी होगी और गर्मी का असर

और बढ़ जाएगा। अप्रैल माह के शुरुआती दौर में ही तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अभी कोई पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है जिसके असर से मौसम में बदलाव आए। आसमान पूरी तरह से साफ है और आने वाले दो दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री तक का उछाल आ सकता है। हालांकि रात में हल्की ठंड का अहसास बना रहेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 37.06 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक और न्यूनतम तापमान 18.03 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 49 प्रतिशत और सायंकाल 36 प्रतिशत आंकी गई। उत्तर पश्चिमी हवाओं की रफ्तार 2 से 3 किमी प्रति घंटे की रही। सूर्योदय सुबह 6.08 बजे हुआ, जबकि सूर्यास्त 6.23 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे कम 14.02 डिग्री तापमान रीवा जिले में वहीं सर्वाधिक तापमान 39.02 दमोह में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 34.02 और न्यूनतम तापमान 18.0 डिग्री दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

सिंगरौली स्टेशन पर दो ट्रेनों के समय में आंशिक परिवर्तन

जबलपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा समय पालनता सुनिश्चित करने हेतु जबलपुर-हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एवं भोपाल-हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का 1 अप्रैल 2024 से सिंगरौली स्टेशन पर संचालन समय में आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है। गाडी संख्या 11447 जबलपुर-हावड़ा शक्तिपुंज एक्सप्रेस का सिंगरौली स्टेशन पर निर्धारित समय 5 बजे आगमन व 5.10 बजे प्रस्थान के स्थान पर परिवर्तित समय 4.55 बजे आगमन व 5.05 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11448 हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस का सिंगरौली स्टेशन पर निर्धारित समय 6.20 बजे आगमन व 6.30 बजे प्रस्थान के स्थान पर परिवर्तित समय 6.15 बजे आगमन व 6.25 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 13026 भोपाल.हावड़ा एक्सप्रेस का सिंगरौली स्टेशन पर निर्धारित समय 21.40 बजे आगमन व 21.50 बजे प्रस्थान के स्थान पर परिवर्तित समय 21.40 बजे आगमन व 21.45 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 13025 हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस का सिंगरौली स्टेशन पर निर्धारित समय 04:52 बजे आगमन व 05:02 बजे प्रस्थान के स्थान पर परिवर्तित समय 04.52 बजे आगमन व 04.57 बजे प्रस्थान करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, एनटीईएसए रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240